जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

अजमेर

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

फोनः- 2627612, 2427249 फैक्सः- 0145-2624665 वर्षः 36 संख्याः 145 प्रभात अजमेर, बुधवार 31 दिसम्बर, 2025 आर.जे./ए.जे./73/2015-2017 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

राहुल गांधी से नज़दीकी का भरपूर लाभ उठा रहे हैं वेणुगोपाल राजस्थान में

प्रभारी रंधावा की मदद से वे डोटासरा की प्रदेशाध्यक्ष की कुर्सी बचाने की पूरी कोशिश में हैं तथा सी.डब्ल्यु.सी. बैठक में भी उन्होंने जमकर प्रदेशाध्यक्ष का खुलकर गुणगान किया

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 30 दिसम्बर। संगठन के प्रभारी एआईसीसी महासचिव होने के नाते एक निष्पक्ष अंपायर होने के बजाय, के सी वेणुगोपाल विभिन्न राज्यों की इकाइयों में चल रहे झगड़ों का हिस्सा क्यों बन रहे हैं?

उदाहरण के लिए राजस्थान को ही ले लीजिए, लोकसभा में चुने जाने से पहले वे राजस्थान से राज्यसभा सांसद थे।

वेणुगोपाल ने सीडब्ल्यूसी की एक बैठक में राजस्थान कांग्रेस की खुलकर तारीफ की और कहा कि वे कितना शानदार काम कर रहे हैं और उन्हें सराहा जाना चाहिए। यह तारीफ असल में पीसीसी अध्यक्ष डोटासरा और राजस्थान के प्रभारी एआईसीसी महासचिव रंधावा के लिए थी।

- वेणुगोपाल की, अपनी मर्ज़ी से पार्टी को चलाने की प्रवृत्ति से दुखी मल्लिकार्जुन खड़गे, सोनिया गांधी, प्रियंका गांधी व पार्टी के कई वरिष्ठ नेता काफी नाखुश हैं तथा राहुल गांधी भी रक्षात्मक मुद्रा में आ गए हैं।
- यह भी साफ दिखने लगा है कि अपने व्यक्तिगत एजेण्डा के तहत किसी नेता को पनपाने तथा किसी को गिराने की वेणुगोपाल की आदत अब वेणुगोपाल को भारी पड़ेगी तथा नए साल में संभवतया, मलमास की समाप्ति के बाद, जो भारी परिवर्तन होने की चर्चा है कांग्रेस में, उस परिवर्तन में वेणुगोपाल को झटका लग सकता है।
- क्योंकि, उनके एकतरफा निर्णयों से राजस्थान में जातिगत समीकरण बहुत बिगड़ गए हैं तथा यह भी साफ दिखने लगा है कि किन्हीं कारणों से वे डोटासरा को प्रदेशाध्यक्ष बनाए रखना चाहते हैं, शायद सचिन पायलट का रास्ता ब्लॉक करने के लिए।

रंधावा कट्टर जाट सिख हैं और जाटों के मामले में काफी सख्त माने जाते हैं, जबकि डोटासरा भी जाट हैं और वे राज्य में अन्य जातियों की कीमत पर जाटों को बढ़ावा दे रहे हैं। इन दोनों ने मिलकर एक टीम बना ली है और वेणुगोपाल भी इस टीम का हिस्सा हैं, क्योंकि वे पंजाब गुट से जुड़े हुए हैं और उसे कंट्रोल करते हैं, जिससे रंधावा भी जुड़े हैं।

जैसा कि इस संवाददाता ने पहले भी रिपोर्ट किया है, राजस्थान में जातिगत समीकरण पूरी तरह गड़बड़ा गए हैं, क्योंकि सिर्फ एक ही जाति पर ध्यान दिया जा रहा है।

सूत्रों का कहना है कि वेणुगोपाल का दूसरा एजेंडा यह है कि वे अपनी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'कांस्टेबल भर्ती की महिला अभ्यर्थी की ऊंचाई व वजन पुनः नापें'

जयपुर, 30 दिसंबर। राजस्थान हाईकोर्ट ने पुलिस कांस्टेबल भर्ती-2025 से जुड़े मामले में महिला अभ्यर्थी की ऊंचाई और वजन की पुनः माप करने के आदेश दिए हैं। अदालत ने एसएमएस अस्पताल के अधीक्षक को कहा है कि वे इस संबंध में मेडिकल बोर्ड का गठन करें और याचिकाकर्ता की ऊंचाई और वजन की पुनः माप करते हुए रिपोर्ट एडीजी, भर्ती को सीधे भेज दें। इसके साथ ही अदालत ने मामले में गृह सचिव, डीजीपी, एडीजी भर्ती और एसपी दूरसंचार को नोटिस जारी कर

- हाई कोर्ट ने एसएमएस अस्पताल के अधीक्षक को इसके लिए मैडिकल बोर्ड गठित करने के निर्देश दिए।

जवाब तलब किया है। जस्टिस अशोक कुमार जैन की एकलपीठ ने यह आदेश पूजा रावत की याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए।

याचिका में अधिवक्ता रामप्रताप सैनी ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता ने राज्य सरकार की ओर से आयोजित कांस्टेबल भर्ती-2025 में भाग लिया था, जिसकी लिखित परीक्षा में पास होने के बाद उसे मेडिकल के लिए बुलाया गया। याचिका में मेडिकल के परिणाम को चुनौती देते हुए

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

राहुल गांधी अपनी विदेश यात्रा का प्रोग्राम रद्द कर, रणथंभौर पहुँचे पूरे परिवार के साथ

रणथंभौर में प्रियंका गांधी के पुत्र, 25 वर्षीय रेहान की उनकी पुरानी गलफ्रैंड अवीवा बेग के साथ सगाई कार्यक्रमों में भाग लेंगे राहुल

- जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 30 दिसंबर। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी और व्यवसायी रॉबर्ट वाड्रा के बेटे रेहान वाड्रा ने अपनी सात साल पुरानी प्रेमिका अवीवा बेग से सगाई कर ली है।

- अवीवा बेग की माँ नंदिता बेग, प्रियंका गांधी की पुरानी मित्र हैं, इंटीरियर डिज़ाइनर हैं तथा उनके पति इमरान बेग एक सफल बिज़नैसमैन हैं तथा बेग परिवार दिल्ली में रहता है।

रेहान वाड्रा, 25, ने सोमवार को अपनी प्रेमिका अवीवा बेग को दोनों परिवारों की मौजूदगी में "प्रप्रोज़"

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

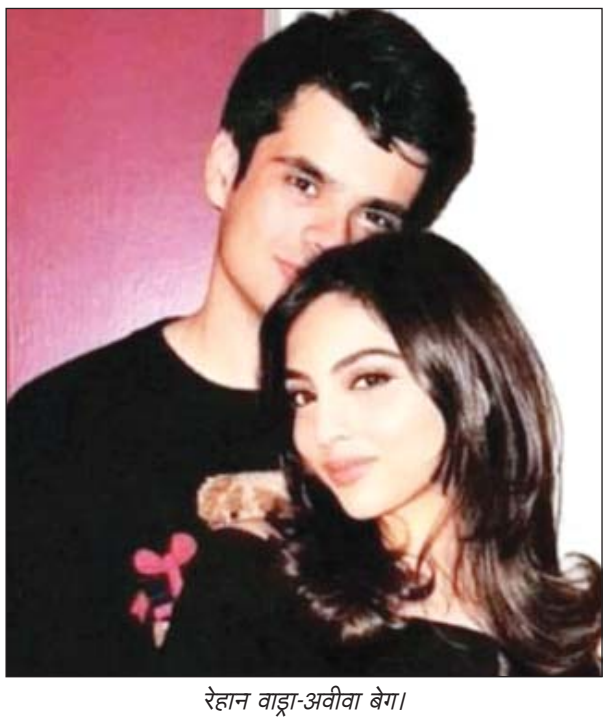

रेहान वाड्रा-अवीवा बेग।

सिंधु जल विवाद पर भारत ने पाकिस्तान को एक और करारा झटका दिया

भारत ने चेनाब नदी पर दुलहस्ती पावर प्रोजैक्ट के द्वितीय चरण को मंजूरी दे दी है

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 30 दिसम्बर। सिंधु नदी की पश्चिमी सहायक नदियों का तेजी से उपयोग करने की दिशा में आगे बढ़ते हुए, पर्यावरण मंत्रालय ने किश्तवाड़ में चिनाब नदी पर 260 मेगावाट की "दुलहस्ती स्टेज-2" जलविद्युत परियोजना को मंजूरी दे दी है, जिस पर पाकिस्तान की ओर से तुरंत प्रतिक्रिया आई है। पीपीपी (पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी) नेता और पूर्व फैडरल मंत्री शेरी रहमान ने कहा, "यह कदम 1960 की सिंधु जल संधि के प्रावधानों का खुला उल्लंघन है तथा इससे पाकिस्तान के जल अधिकार कमज़ोर होते हैं और क्षेत्रीय शांति व सुरक्षा को गंभीर खतरा पैदा होता है।"

- जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ में बनने जा रहा 260 मैगावाट के दुलहस्ती स्टेज-2 पावर प्रोजैक्ट को लेकर पाकिस्तान बुरी तरह तिलमिला गया है।
- पाकिस्तान का कहना है कि इससे खेती को सिंचाई के लिए पानी नहीं मिलेगा, पाकिस्तान में खाने का संकट पैदा हो जाएगा।
- ज्ञातव्य है कि पहलगाम अटैक के बाद भारत ने 1960 में हुई सिंधु जल संधि खत्म कर दी थी और इस संधि के तहत रावी, व्यास सतलुज पर भारत का तथा झेलम, चेनाब और सिंधु पर पाकिस्तान का अधिकार था।

पाकिस्तान प्रायोजित पहलगाम आतंकी हमले के बाद, भारत ने सिंधु जल संधि को निलंबित कर दिया था।

दुलहस्ती स्टेज-2 परियोजना को

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

दिल्ली में भारी कोहरा 115 उड़ानें रद्द

नयी दिल्ली, 30 दिसंबर। दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर घने कोहरे के कारण मंगलवार को 115 से अधिक उड़ानें रद्द रहीं और 16 उड़ानों को डायवर्ट करना पड़ा।

दिल्ली हवाई अड्डे के अधिकारियों ने बताया कि सुबह नौ बजे तक विभिन्न एयरलाइंस की यहां से जाने वाली 58 उड़ानें रद्द रहीं। इसके अलावा, दूसरे

- दिल्ली हवाई अड्डे के अफसरों ने बताया कि 16 उड़ानों को दूसरे शहरों के लिए डायवर्ट करना पड़ा।

शहरों से यहां आने वाली 60 उड़ानें भी रद्द रहीं। यहां आने वाली 16 उड़ानों को दूसरे शहरों में डायवर्ट करना पड़ा। इसके अलावा 200 से अधिक उड़ानों में देरी होने की खबर है।

दिल्ली हवाई अड्डे ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर बताया कि सोमवार रात 10 बजे के बाद से ही कैट-3 की प्रक्रिया के तहत उड़ानों का

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

1943 में 30 दिसंबर को नेताजी सुभाष चंद्र बोस ने पहली बार भारत का राष्ट्रीय "ध्वज" फहराया था, अंडमान-निकोबार में

भाजपा ने प्रतीकात्मक तरीके से 30 दिसंबर को अपना चुनाव अभियान शुरु किया बंगाल में

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 30 दिसम्बर। नेताजी सुभाष चन्द्र बोस द्वारा 30 दिसंबर 1943 को अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में पहली बार स्वतंत्र और संप्रभु भारत का राष्ट्रीय ध्वज फहराने की वर्षगांठ का लाभ उठाते हुए, भाजपा ने आज बंगाल में अपने चुनाव अभियान की शुरुआत की।

यह भाजपा के लिए एक नया तरीका था, जिसमें वह अगले साल होने वाले विधानसभा चुनावों में लोगों को लुभाने के लिए बंगाली भावनाओं को भुनाने की कोशिश कर रही है। पार्टी के लिए आशाजनक बात यह थी कि पिछले चुनावों में उसका वोट प्रतिशत बढ़ता रहा है और अब पार्टी लगभग तृणमूल के बराबर पहुंच गई है।

- अब तक तृणमूल सबसे आगे रहती थी, बंगाली "सैंटीमैंट" को उभारने में और उसका राजनीतिक लाभ उठाने में।
- पर, इस बार, शायद ममता जी को 30 दिसंबर का महत्व ध्यान में नहीं आया और वे चूक गईं और भाजपा ने इस मुद्दे पर तृणमूल कांग्रेस को मात दे दी।
- साथ ही ममता जी, कुछ हतप्रभ सी हैं, क्योंकि, उन्हें पहली बार, मुस्लिम कट्टरपंथियों में कुछ बगावत की हवा भी दिख रही है, अतः ममता जी हिंदू समर्थक कदम भी उठाने पर मजबूर सी हो गई हैं।
- यह भांपते हुए, अमित शाह ने बांग्लादेश से घुसपैठियों के मुद्दे को चुनाव अभियान का मुख्य मसला बना दिया है।

तृणमूल कांग्रेस, जो बंगाल की भावनाओं से जुड़ी हर चीज़ को तुरंत हथियाने में सबसे तेज़ है, लगता है, इस बार इस दिन को याद करने और इसका जश्न मनाना भूल गई। भाजपा ने तृणमूल से सीख लेते हुए, इस दिन को अपने राजनीतिक अभियान की शुरुआत के लिए इस्तेमाल किया।

दूसरी ओर तृणमूल ने भाजपा पर हमला करते हुए कहा कि भाजपा "दुशासन" का प्रतीक है। बनर्जी अब कुछ उलझन में हैं और मुस्लिम असंतोष का सामना कर रही हैं, इसलिए

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

इंडिगो को जीएसटी से दो नोटिस

नयी दिल्ली, 30 दिसंबर। निजी विमान सेवा कंपनी इंडिगो को वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) विभाग ने 458.26 करोड़ रुपये से अधिक के लिए दो अलग-अलग नोटिस जारी किये हैं।

दिसंबर के पहले सप्ताह में बड़ी संख्या में उड़ानें रद्द करने के बाद कंपनी

- 458.26 करोड़ रु. भरने के आदेश।

को जीएसटी विभाग से अब तक तीन नोटिस मिल चुके हैं।

एयरलाइंस ने मंगलवार को शेयर बाजार को बताया कि उसे दक्षिणी दिल्ली कमिश्नरेट के केन्द्रीय जीएसटी के अतिरिक्त आयुक्त से 29 दिसंबर को यह नोटिस प्राप्त हुआ है। इसमें 4,58,26,16,980 रुपये का जीएसटी, ब्याज और जुर्माना भरने के लिए कहा गया है। यह मांग वित्त वर्ष 2018-19 से 2022-23 की अवधि के लिए है। जीएसटी विभाग ने इस नोटिस में विदेशी आपूर्तिकर्ताओं से प्राप्त मुआवजे पर जीएसटी के साथ ब्याज और जुर्माने की मांग की है। साथ

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पुतिन के आवास पर यूक्रेन के ड्रोन हमले पर प्र.मंत्री मोदी ने गहरी चिंता जताई

प्र.मंत्री मोदी ने एक्स पर लिखा, यूक्रेन वॉर का तनाव निरंतर बढ़ रहा है, ऐसे में शांति स्थापना के लिए एकमात्र रास्ता कूटनीति है

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 30 दिसम्बर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज गहरी चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के निवास पर हमले की खबरों से वे काफी चिंतित हैं। प्रधानमंत्री ने जोर दिया कि यूक्रेन युद्ध लगातार बढ़ रहा है, युद्ध से जुड़े तनावों के बीच शांति स्थापना के लिए कूटनीति ही एकमात्र मार्ग है।

मोदी ने एक्स पर लिखा "रूस के राष्ट्रपति के निवास को निशाना बनाए जाने की रिपोर्ट्स पर गहरी चिंता व्यक्त करता हूं। चल रहे कूटनीतिक प्रयास शत्रुता समाप्त करने और शांति स्थापित करने के लिए सबसे व्यवहारिक रास्ता प्रदान करते हैं। हम सभी संबंधित पक्षों से अपील करते हैं कि वे इन प्रयासों पर ध्यान केन्द्रित रखें और किसी भी ऐसी कार्रवाई से बचें जो इन्हें कमज़ोर कर सकती हो।" मोदी का संदेश भारत-रूस संबंधों की स्थिति को दर्शाता है।

प्रधानमंत्री का बयान तब आया, जब रूस ने यूक्रेन पर आरोप लगाया कि उसने पुतिन के सरकारी निवास को निशाना बनाने की कोशिश की, जो मॉस्को के पश्चिमी हिस्से, नोवगोरोड क्षेत्र में स्थित है, हालांकि कीव ने इस आरोप से इनकार किया है।

यह स्पष्ट नहीं है कि राष्ट्रपति पुतिन उस समय निवास में मौजूद थे, जब कथित हमला हुआ।

हालांकि, यूक्रेन ने हमले के आरोपों को खारिज किया है। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोडिमिर ज़ेलेन्स्की ने इन दावों को "झूठ का एक और पुलिंदा" करार दिया, जो रूस द्वारा नए हमलों को सही ठहराने और कूटनीतिक प्रयासों को कमज़ोर करने के लिए फैलाए जा रहे थे।

- ज्ञातव्य है कि रूस ने आरोप लगाया है कि यूक्रेन ने पुतिन के सरकारी आवास पर ड्रोन अटैक किया है और इसका जवाब दिया जाएगा।
- यूक्रेन के राष्ट्रपति ने रूस के आरोपों को झूठ का पुलिंदा बताया व कहा कि अभी जो शांतिवार्ता चल रही है, उसे रोकने के लिए रूस ये झूठ फैला रहा है।
- अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने भी कहा, यूक्रेन के पुतिन के आवास पर ड्रोन हमले की खबरों से वे बेहद गुस्से में हैं।

ज़ेलेन्स्की ने कहा कि दरअसल, मॉस्को यूक्रेन के सरकारी भवनों पर हमले की योजना बना रहा है और यूक्रेन-अमेरिका वार्ताओं की प्रगति को पटरी से उतारने का प्रयास कर रहा है। उन्होंने ट्रम्प से अपील की कि वे रूस के बढ़ते खतरे के संदर्भ में प्रतिक्रिया दें।

वहीं, रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने कहा कि यूक्रेन ने 28-29 दिसंबर को पुतिन के निवास पर लंबी दूरी के ड्रोन लॉन्च किए थे, जिनमें से सभी को रूसी वायु रक्षा प्रणाली ने नष्ट कर दिया। उन्होंने कहा कि कोई भी घायल नहीं हुआ और न ही कोई क्षति हुई।

लावरोव ने इस कथित घटना को "स्टेट टैररिज़्म" बताते हुए चेतावनी दी कि मॉस्को अपनी वार्ता की स्थिति की समीक्षा करेगा, हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि रूस वार्ता छोड़ने का कोई इरादा नहीं रखता।

लावरोव ने कहा, "ऐसी मनमानी कार्रवाहियों को उत्तर दिए बिना नहीं छोड़ा जाएगा," लावरोव ने साथ ही यह भी जोड़ा कि रूस की सशस्त्र सेनाओं द्वारा प्रतिशोधात्मक हमलों के लिए लक्ष्य पहले ही तय कर लिए गए हैं।

उन्होंने यह भी कहा कि यह कथित हमला उस समय हुआ, जब शांति समझौते पर बातचीत चल रही थी।

रूसी उप विदेश मंत्री अलेक्जेंडर ग्रुश्को ने अपने वरिष्ठ अधिकारी की बात को आगे बढ़ाते हुए यह दावा किया कि ब्रिटेन ने यूक्रेन की नवीनतम भड़काऊ कार्यवाही में भूमिका निभाई, जिसका उद्देश्य शांति प्रक्रिया को बाधित करना था, यह जानकारी राज्य समाचार एजेंसी "तास" द्वारा दी गई।

इस बीच, अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने कहा कि पुतिन से

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सेना के ध्रुव एनजी में आम नागरिक भी सफर कर सकेंगे

नई दिल्ली, 30 दिसंबर। बेंगलुरु में एक बड़ा और गर्व का पल साकार हुआ। हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) के उन्नत लाइट हेलीकॉप्टर ध्रुव-न्यू जनरेशन (एनजी) ने मंगलवार को अपनी पहली उड़ान सफलतापूर्वक पूरी कर ली।

यह उड़ान ध्रुव प्लेटफॉर्म को सिविल और निर्यात बाजारों में नई

- हैलीकॉप्टर बनाने वाली कम्पनी हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड ने बताया कि इसमें सुरक्षा के लिए कई नए फीचर्स जोड़े गए हैं।

ताकत देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। एचएएल की ओर से डिजाइन और निर्मित ध्रुव एनजी एक 5.5 टन वजनी,

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

जिस तरह रंग सादगी को निखार देते हैं उसी तरह सादगी भी रंगों को निखार देती है। सहयोग सफलता का सर्वश्रेष्ठ उपाय है। –मुक्ता

बदल रहे भारत का नये वर्ष में प्रवेश

इतिहास में ऐसा समय आता हैं जब कुछ चीजें सतह पर नहीं बदलतीं, न ही उन स्पष्ट तरीकों से जिन्हें सांख्यिकी या जीडीपी चार्ट से मापा जा सके। वे अपनी पहचान के दायरे में बदलती हैं। इक्कीसवीं सदी के पहले 25 वर्षों की यात्रा पूरी करके कल हम नये साल में प्रवेश कर रहे हैं। यह वह समय है जब भारत अनेक सीमाएं पार कर रहा है। इक्कीसवीं सदी के इस चौथाई हिस्से में इस देश में जबरदस्त मनोवैज्ञानिक बदलाव आया है। यह बदलाव सिर्फ अकादमिक रूपांतरण या बौद्धिक पुनरुत्थान का नहीं है, यह कुछ ज्यादा गहरा, अधिक मौलिक है। भारत की आर्थिक जंजीरें टूट चुकी हैं और अब उसे रोका नहीं जा सकता। इसे हम यहां के युवाओं की आंखों में देख सकते हैं। अब कोई संदेह नहीं है। अब किसी और के प्रगति मॉडल के आगे झुकने की जरूरत नहीं है। अब आत्मविश्वास है, कि हम जानते हैं कि हम कौन हैं। और ऐसा होने के लिए हमें किसी की अनुमति की आवश्यकता नहीं है। सदियों तक भारत दूसरों द्वारा, और खुद यहां के लोगों द्वारा, अपने को शासित, प्रबंधित और निर्देशित देश के रूप में देखा जाता रहा है। विदेशी विचारों और उनके हितों के बोझ तले इसकी अपनी चमक फीकी पडती चली गई। इसके अपने मिथक और दर्शन, जो कभी गहन सार्वभौमिक विचारों के उद्गम स्थल थे, उन्हें हीन, पिछड़ा तथा आदिम मान लिया गया। सदियों से भारत एक ऐसी सभ्यता रही जिसे बताया जाता रहा कि उसे अपने बारे में क्या सोचना है। भारत को जिस ढांचे में गढ़ा गया वह सिर्फ़ आर्थिक उपनिवेशन नहीं था, वह एक मनोवैज्ञानिक आधिपत्य भी था। इस तरह भारत न केवल विजेता की छाया में रहा, बल्कि परिभाषा की छाया में भी रहा। ऐसा सिर्फ़ इसलिए नहीं हुआ कि बाहरी लोग आए और यहां शासन किया। बल्कि उन्होंने, खासकर अंग्रेजों ने, भारत कैसा है इसकी पटकथा लिखी। उन्होंने भारत से कहा–"यह आपकी पहचान है, अब दुनिया में यह आपका स्थान है, हमने आपके लिए जो रेखाएं खींची हैं, उनके भीतर ही रहें।" भारत उन कहानियों को दोहराता रहा, जिन्होंने इसे रहस्यवाद की भूमि के रूप में प्रस्तुत किया। पश्चिम ने तय किया कि भारत अनोखा हो सकता है लेकिन उत्कृष्ट नहीं;आध्यात्मिक हो सकता है लेकिन रणनीतिक नहीं; सांस्कृतिक हो सकता है लेकिन शक्तिशाली नहीं। इन कहानियों ने जनमानस में जड़ें जमा लीं। लेकिन एक समय ऐसा आता है जब एक सभ्यता को बाहर से नहीं बल्कि अंदर से एक अलग आवाज़ सुनाई देने लगती है, जो कहती है ये कहानियां कभी हमारी नहीं थीं। वे यह नहीं दर्शातीं कि हम कौन हैं। वह क्षण धमाकेदार नहीं होता। यह दुदुंभी बजाते नहीं आता, लेकिन जब आता है तो सब कुछ बदलना शुरू हो जाता है। और यह समय शुरू हो गया है।

ऐसा मानने वाले कम नहीं हैं कि भारत कभी भी, सच में, सोया नहीं था, वह बस खामोश था। फिर कुछ ऐसा हुआ कि भारतीयों ने दूसरों से अनुमोदन की मांग करना बंद कर दिया। यह मामूली बात लगती है, लेकिन यही सब कुछ है। उन्होंने दूसरों की दृष्टि से देखना बंद कर दिया और घोषणा कर दी कि हम खुद को अपनी दृष्टि से देखेंगे। यही वह क्षण होता है जब सभी बाहरी नियंत्रण समाप्त हो जाते हैं। ऐसा इसलिए नहीं होता कि उपनिवेशवादी चले जाते हैं या राजनेता बदल जाते हैं। यह तब होता है जब लोग आत्मबल से कहते हैं 'हम हैं।' यह आत्मविश्वास इस देश के लोगों को महात्मा गांधी ने दिया। उपनिवेशी शासन ने भारत पर नियंत्रण तब ही खोदिया था जब गांधी के नेतृत्व में भारतीय मन ने कहा कि हम आपके अधीन नहीं हैं। इसे देश के करोड़ों लोगों ने यह महसूस किया और सत्य और अहिंसा का आत्मबल पाया। भारत का वही आत्मबल अब आजादी के इतने वर्षों बाद खुलकर दिख रहा है जिसमें यह देश–दुनिया द्वारा परिभाषित नहीं किया जा रहा है। यह खुद को परिभाषित कर रहा है। आज उसके वैज्ञानिक न केवल दुनिया की डिजिटल प्रौद्योगिकियों के प्रमुख संस्थानों को संचालित कर रहे हैं बल्कि अंतरिक्ष विज्ञान में दुनिया की होड कर रहे हैं। विश्व मंच पर स्वीकार किए जाने के लिए किसी और की तरह दिखने, काम करने, बोलने और सपने देखने के दबाव को झेलने वाले भारत बदल गया है। इस मनोवैज्ञानिक बदलाव में अहंकार या श्रेष्ठता का भाव नहीं है। यह वह समय है जब लोगों को एहसास हो रहा है कि अब वे तीसरी दुनिया नहीं है, जो पहली दुनिया की समस्या हो। वे एक उपस्थिति हैं जिन्हें ध्यान में रखा जाना चाहिए। उनकी परंपराएं अप्रचलित नहीं हैं, बल्कि कालातीत हैं, सनातन है; उनकी भाषाएं बोझ नहीं बल्कि पुल हैं; उनकी जटिलता अराजकता नहीं बल्कि एक तरह की व्यवस्था है जिसे दुनिया अभी तक पूरी तरह से नहीं समझ पाई है। परिवर्तन का यह समय एक तरह का आध्यात्मिक विद्रोह है। आज ऐसा नया भारत बन रहा है जिसे दुनिया परिभाषित नहीं कर पा रही है, क्योंकि अब दुनिया भारत का एक ऐसा संस्करण देख रही है जो गर्व करने की किसी से अनुमति नहीं मांगता है। यह केवल धारणा में बदलाव नहीं है, यह रुख में बदलाव है। भारत दुनिया से यह नहीं पूछ रहा है कि वह कहां फिट बैठता है। वह खुद परिभाषित कर रहा है कि वह कहां खड़ा है। यह उसके आत्म-सम्मान की वापसी का समय है। यह 140 करोड़ से ज्यादा लोगों की उस सामूहिक अपेक्षा का शांत और ज्वलंत अहसास है कि अब उन्हें अपने अस्तित्व के लिए किसी की अनुमति की जरूरत नहीं है। भारत आज अपनी कहानियां फिर से लिख रहा है। यह अनुमोदन की प्रतीक्षा नहीं कर रहा है। यह मान्यता की मांग नहीं कर रहा है। यह अंततः अपने स्वयं के आख्यान में बोल रहा है। इक्कीसवीं सदी की पहली चौथाई में भारत की वैश्विक भूमिका बदली हुई हैं। वह अब केवल वैश्विक घटनाओं का दर्शक नहीं, बल्कि सक्रिय भागीदार और कई मामलों में नेतृत्वकर्ता बन रहा है। मौन भारत की वैश्विक कूटनीति है। वह शांत है लेकिन अडिग है। यह उधार की महत्वाकांक्षा नहीं है। वह जैविक है। वह घरेलू है और वह अटूट है। भारत अब केवल दुनिया पर प्रतिक्रिया नहीं कर रहा है, यह इसके साथ शर्तें तय कर रहा है। इसकी नीतियां मुखर हैं, इसकी साझेदारियां रणनीतिक हैं। इसकी भौतिक, मनोवैज्ञानिक, कूटनीतिक सीमाएं दृढ़ हैं क्योंकि यह जानता है कि इसके पास क्या है। किन्तु इस नये भारत का उदय सभी के लिए आरामदायक नहीं है। बहुतेरे लोग ऐसा सोचते हैं कि ऐसा नहीं होना चाहिए था। ऐसे लोग भी हैं जो पुराने संस्करण को पसंद करते हैं। इक्कीसवीं सदी की पहली चौथाई जब इतिहास के पन्नों में दर्ज हो रही है तब हम पाते हैं कि यह कालखंड केवल समय का प्रवाह नहीं था, बल्कि भारत के लिए गहरे सामाजिक, आर्थिक, तकनीकी और राजनीतिक रूपांतरण का दौर है।

आज ऐसा नया भारत बन रहा है जिसे दुनिया परिभाषित नहीं कर पा रही है, क्योंकि अब दुनिया भारत का एक ऐसा संस्करण देख रही है जो गर्व करने की किसी से अनुमति नहीं मांगता है। यह केवल धारणा में बदलाव नहीं है, यह रुख में बदलाव है। भारत दुनिया से यह नहीं पूछ रहा है कि वह कहां फिट बैठता है। वह खुद परिभाषित कर रहा है कि वह कहां खड़ा है। यह उसके आत्म-सम्मान की वापसी का समय है।

देश जब नये साल में प्रवेश कर रहा है, तब यह समय केवल उत्सव का ही नहीं, बल्कि आत्ममंथन और भविष्य की दिशा तय करने का भी है। यह समय यह प्रश्न पूछने का भी है कि भारत जहां पहुंचा है, वहां किन चुनौतियों से जूझ रहा है और आने वाले वर्षों में उसे कौनसी राह चुननी है? इस सवाल का जवाब खोजना है कि विकास की इस कहानी में असमानता का साया क्यों बना हुआ है? सशक्त भारत अपने आर्थिक विकास के फल समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए वह क्या जतन कर रहा है? इक्कीसवीं सदी की चौथाई सदी पूरी होना केवल एक समय-सीमा नहीं, बल्कि एक पड़ाव है। नये साल में भारत के पास अवसर है कि वह बीते अनुभवों से सीखे और भविष्य के लिए स्पष्ट दृष्टि बनाए। शिक्षा में गुणवत्ता, स्वास्थ्य में समावेशन, रोजगार में सम्मान, लोकतंत्र में विश्वास और पर्यावरण में संतुलन को आने वाले समय में भारत की पहचान बनाना है। नये साल का यह संकल्प केवल सरकारों का नहीं, बल्कि हर नागरिक का होगा तब बात बनेगी। भारत का भविष्य केवल नीतियों से नहीं, बल्कि सामूहिक चेतना और साझी जिम्मेदारी से बनेगा। इक्कीसवीं सदी की अगली तीन चौथाई सदी भारत के लिए निर्णायक होगी। सामाजिक सौहार्द, समावेशन और आपसी विश्वास को मजबूत करना आने वाले वर्षों की सबसे बड़ी आवश्यकता होगी। भारत की विविधता उसकी शक्ति तब ही है,जब हम उसे विभाजन का कारण न बनने दें। नये साल में हमें पुरानी स्मृतियों में नहीं जाना है। किसी स्वर्णिम युग को फिर से जीने की भी कोशिश नहीं करनी है। हमें किसी की नकल करने की बजाय अपने खुद अपने मूल के रूप में विकसित करना है और ऐसा भवन बनाना है जिसमें विचारों की खूब खिड़कियां हों और वे खुली रहें। हम विचारों पर बहस करें, झगड़ें नहीं। महात्मा गांधी ने हमें ऐसा आत्मबल दिया है जो लोगों को अपना सिर ऊंचा करके चलने का तरीका सिखाता है। भारतियों की सबसे बड़ी पूंजी यह याद रखने की है कि वे जानते हैं कि वे एक सभ्यता हैं, जो विजय से नहीं बल्कि निरंतरता से परिभाषित होती है, नियंत्रण से ग्रस्त नहीं है, बल्कि सह-अस्तित्व से परिभाषित होती है; सत्य और अहिंसा से परिभाषित होती है। इसी समझ के साथ नये वर्ष में हमारा प्रवेश ही शुभ होगा।

–अतिथि संपादक,
राजेन्द्र बोड़ा
(वरिष्ठ पत्रकार एवं विश्लेषक)

नववर्ष 2026 को सुखमय, स्वस्थ और खुशहाल बनाने के आसान उपाय

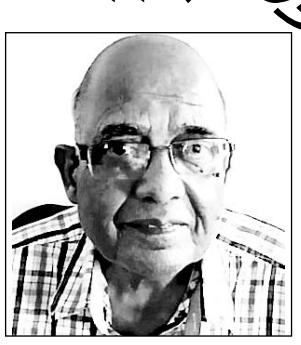

डॉ. जे.के. गर्ग

नव वर्ष में अपने जीवन को सुखी खुशहाल स्वस्थ आनन्द दायक मनाने के लिये निम्न उपायों को अपनाए। खुशी आदमी के भीतर ही होती है तथा रिलेक्स मन ही प्रगति और खुशहाली का प्रवेशद्वार है। वास्तव में सभी इन्सान और अन्य प्राणी अविनाशी पवित्र और शांती प्रिय आत्मायें हैं और परमपिता परमात्मा की संतान है जिसका कोई रंग नहीं ना ही कोई धर्म ना ही कोई लिंग है।

धर्म का चेहरा तो उनको समाज ने दिया है। याद रक्खें कोई धर्म आपस में घृणा और वैर करना नहीं सिखाता है। आपस में वैमनस्य फैलाने का काम तो तथाकथित धर्म के स्वार्थी ठेकेदार ही करते हैं। सद्भाव के लिये हर इंसान को बापूजी के भजन 'ईश्वर-अल्लाह एक ही नाम, सबको सन्मति दे भगवान' का सच्चे दिल से पालन करें।

भारत विभिन्नता में एकता की अद्भभुत मिसाल है। यहाँ हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई, बोध, जैन, फ़ारसी अपनी-अपनी आस्था अनुसार पूजा-अर्चना करते हैं। एक-दूसरों के पर्व में भाग लेते हैं। भाई-भाई के रूप में रहते हैं। धर्म निरपेक्षता हमारे संविधान के मुख्य स्तम्भ है।

सुखी जीवन के लिए सभी को स्नेह, प्रेम और प्यार दें। याद रखे कि आशाओं का जीवन काल अनंत होता है वहीं दूसरी तरफ निराशा और असफलता का जीवनकाल अल्प एवं छोटा होता है इसलिए निराशा और असफलताओं के निराशाजनक वातावरण में आशा का दीपक जलाये रखें और घनघोर अंधकार मे भी प्रकाश की किरणें की खोज करें। अपने आस-पास के लोगों के के दुःखदर्द एवं पीड़ा को समझें, उनकी मदद करें उनके दुःख-दर्द, तकलीफों को दूर करने में मदद करें और सदैव करुणामय संवेदनशील बने रहें। निराशा को कभी भी अपनी सोच के नजदीक नहीं आने दे। अपने जीवन में नकारात्मक सोच को छोड़ करके सकारात्मकता को अपनी सोच का अभिन्न अंग बनायें, निराशा की भावना को सदा के लिये तिलांजली दें। छोटी से छोटी बातों में भी अच्छाई को ढूढें। अन्धकार मे भी आशा का दीप जलाए रखे। जब कभी परोपकार चालू करें तो यह तय कर ले कि इससे किसी का नुकसान तो नहीं होगा। अपने निजी हितों को ताक पर रख कर परोपकारी बन दूसरों के दुःख कम करे।

याद रक्खे कि जीवन में खुशी प्राप्त करने के लिये दूसरों को भी यथाशक्ति खुश रखने का प्रयास करना जरूरी है मित्रों सहकर्मियों के अच्छे काम की प्रशंसा करे। साल में हर परिस्तिथी में शांत और रिलैक्स्ड रहूंगा। रिलेक्स रहने के लिये गहरी और लम्बी श्वास ले ओर छोड़े।.अपने मन के अंदर इस बात को धारण कर लें कि ख़ुशी मेरा जन्मसिद्ध मौलिक अधिकार है। चाहे कुछ भी हो जाए मैं दिन भर खुश रहुगां। जब कभी कोई अनहोनी घटना घट भी जाये तब भी अपने आप को सकारात्मक सोच पर केन्द्रित करते हुयें अपने आप को समझाये कि मेरे साथ इससे भी बुरा हो सकता था, प्रभुजी को धन्यवाद दें। याद रखे कि अगर अग्रज अपनों से छोटे को स्नेह और प्यार देंगे तो छोटे भी आप को जरुर सम्मान देंगे और आप का आदर भी करंगे। बच्चों को उनके अपने हिसाब से जीने का मौका दे, उनके कार्यकलापों में टीका-टिप्पणी नहीं करें। आप उन्हें सलाह तभी ही दें जब वे आप से सलाह मांगे।

क्रोध एक माचिस की तिली के समान है जो दूसरों को जलाने के पहिले खुद ही जलती है। जब कभी आपको गुस्सा आ जाये तो तब अपने मन को समझाये कि क्रोध करके मैं खुद का ही नुक्सान कर रहा हूँ। अपने पड़ोसी से नियमित बातचीत करे, उनके प्रति सद्भावना रखते उनके खुशी के लिये प्राथना करें। उनके सुख को बढाने और तकलीफों को कम करने की कोशिश करें इससे आपकी खुशियाँ कई गुणा बढ जायेगी और आपके पारस्परिक सम्बन्ध मधुर रहेगें। खुशी प्राप्त करने का एक सूत्र यह भी है की बिना किसी चाहत के दूसरे के अच्छे काम की बार बार उनके सामने और उनकी पीठ पीछे प्रशंसा करें। संभव है कि यदाकदा आपका लालच कुछ समय के लिये आपकी सम्पती को बढा भी दे, किन्तु यह भी याद रखे कि अधिक सम्पति आपके लालच ओर आकांशा को कई गुणा बढा देगी लालच और गलत तरीके से अर्जित यह कमाई आपको अभिमानी बना कर आपको गलत रास्ते पर ले जाकर आपकी मानसिक शांती और आपके स्वास्थ्य को खराब कर देगी।

सच्चाई तो यही है कि जो भी आप के पास है उससे आप सदैव खुश रहे। सुख-सुविधा के लिये भौतिक साधन अगर आपके पास उपलब्ध नहीं तो उन्हें हासिल करने लिये ख्याली ख्वाब बनाने के बजाय उन्हें प्राप्त करने के गम्भीर कोशिश कर मेहनत करें। याद रखे कोशिश करने वालों कभी भी हार नहीं होती हैं।

किताब पढ़ना एवं उनका सतत अध्ययन करना सभी के लिए जीवन की सभी अवस्थाओं में सबसे अच्छा और सबसे सस्ता ज्ञानवर्धक साधन है। सुखमय जीवन जीने के लिये अपना लक्ष्य निर्धारित करें, उद्देश्यहीन जीवन नहीं जिए। ईर्ष्यालु नहीं बने,दूसरों की सफलता पर खुश हों, उन्हें बधाई दें। अपने ईगो को छोड़े, मैं मैं मैं की रट नही लगायें, आपका ईगो आपको नकारा बनाके आपको हीन् भावना से ग्रस्त कर देगा। अपने ईगो के बजाय अपने मन से कहें कि मैं मुझें सौपें गये सारे काम सफलतापूर्वक कर सकता हूँ। आराम तलब जिन्दगी जीने के बजाय कर्मशील बने, निष्काम भाव से तलीनता के साथ कर्म करें। अपनी गलतियों को मानने में चूक नहीं करें क्योंकी आदमी को अपनी गलतीयों से जीवन का बड़ा सबक सीखने को मिलता है।

याद रखे असफलता ही सफलता की पहली सीढ़ी है। दूसरों की गलतियों के लिये उन्हें माफ़ करें, फॉरगिव एन्ड फॉरगेट की निती को अपनायें। जीवन में घटित अवांचित दुर्भाग्यपूर्ण कष्टपूर्ण घटनाओं को याद नहीं रक्खें उन्हें भूल जाएँ वरन विगत वर्षों की सुखद स्मृतियों को याद कर मुस्करायें। याद रक्खें कि भावात्मक होकर उत्तेजना में लिये गये निर्णय अधिकतर असफल ही होते है। चिंतन कर सोच-विचार करके शांत मन से विवेक पूर्ण निर्णय लें। किसी से कोई अपेक्षा नहीं रक्खें और किसी की भी उपेक्षा भी नहीं करें।

चिन्ता चिता से भी बुरी होती है, चिंता आपके जीवन के हर क्षण को दुखमय बना देगी, और सफलता के सारे दरवाजे भी बंद कर देगी वहीं चिंता आपके व्यकित्त्व को भी हानि पहुंचेगी, आप अपना आत्मविश्वास पूरी तरह से खो देंगे, आप बीमारियों को निमंत्रण देगें और अस्वस्थ हो जायेगे। इसलिए चिंता करने के बजाय आत्मचिंतन करें। आध्यात्मिक इन्सान बने। निरंतर मेडीटेसन का अभ्यास करें। मूर्खों से वाद-विवाद और तर्क-वितर्क करने से बचे। अपने आत्मसम्मान से कोई समझौता नहीं करें किन्तु आत्म अभिमानी भी नहीं बनें। स्वाभिमान के साथ जीये। अपने निकटतम परिचितों एवं स्वजनों की भावनाओं, आवश्यकताओं का ध्यान रखें, उनकी अनदेखी नहीं करें। डर और शक के साये में नहीं जीये क्योंकि हकीम लुकमान के पास भी शक-शंका का कोई इलाज नहीं है। निर्विवाद रूप से डर और शक आदमी की प्रगति और उन्नति में सबसे बड़ी बाधा है। याद रखें द्रोपदी के दुर्योधन पर कसे तंज और व्यंग ने ही महाभारत के युद्ध को जन्म दिया था इसीलिए कभी भी कटु शब्दों का प्रयोग कभी नहीं करें। किसी पर कभी भी तंज नहीं कसें। हमेशा मीठी वाणी बोले। अच्छा बोले अच्छा सुने और अच्छी वाणी बोले। दूसरों के कार्यों की आलोचना करने की जगह उनके अच्छे कामों की प्रशंसा उनके सामने और उनकी पीठ पीछे करें। जो जैसा है उसे उसी रूप में स्वीकार करें। दूसरों के विचारों का भी सम्मान करें, उन्हें आदर दें। सभी को बिना शर्त स्नेह और प्यार दें।

कोई भी काम को अंजाम देने से पूर्व यह मालुम कर लें कि आपके काम से किसी का अहित तो नहीं होगा। अगर आप के प्रस्तावित काम से किसी को कष्ट या क्षति हो रही हो तो उस काम को नहीं करें। हर एक व्यक्ति का अभिवादन मुस्करा कर करें। खुद हसें और दूसरों को भी हंसाये लाफ्टर को अपने दैनिक जीवन का अभिन्न अंग बनाये। अपने चेहरे को प्रफ्फुलित और सोम्य बनाये रक्खें। खुद जियें और अन्य को भी सुखमय जीवन जीने दें। अपनी असफलताओं के लिये दूसरों को दोष नहीं दें। जब कभी कोई आपका काम करें या आपकी मदद करें तो उन्हें धन्यवाद जरुर दें। अमावस्या की काली रात के बाद पूर्णिमा की शीतल चांदनी आती है उसी तरह जीवन में दुःख के बाद सुख अवश्य आता है वास्तव में तकलीफ और दुःख के समय में ही हमको अपने हितेषी और सच्चे दोस्त की पहचान होती है तथा हमें आत्मचिंतन का भी मोका मिलता है। संतो और महापुरुषों की शिक्षा का पालन करें। परिवार और बच्चें के साथ समय बिताए।

–डॉ. जे.के.गर्ग,
पूर्व संयुक्त निदेशक कॉलेज शिक्षा जयपुर

जैसलमेर: सुकून और शांति की सुनहरी धरा

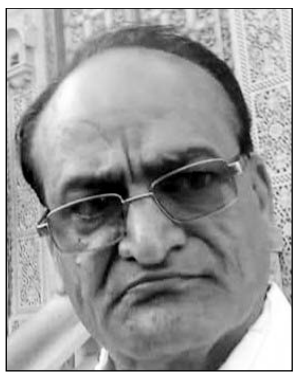

अचलदास डांगरा

राजस्थान के पश्चिमी छोर पर थार मरुस्थल के हृदय में बसा जैसलमेर केवल एक शहर नहीं, बल्कि सुकून का दूसरा नाम है। इसे स्वर्ण नगरी कहा जाता है, जहाँ की सुनहरी रेत और पीले पत्थरों से बने महल सूर्यास्त के समय एक जादुई शांति का अहसास कराते हैं।

रेत के टीलों में छिपा मौन : जैसलमेर की सबसे बड़ी विशेषता यहाँ का सन्नाटा है। सम और खुहड़ी के मखमली धोरों पर जब ठंडी हवाएं चलती हैं, तो वे मन की सारी व्याकुलता को सोख लेती हैं। मीलों तक फैले रेत के टीलों पर बैठकर डूबते सूरज को देखना एक आध्यात्मिक अनुभव जैसा है, जो भागदौड़ भरी जिंदगी से दूर सुकून के पल देता है।

इतिहास और वास्तुकला का संगम : जैसलमेर का सोनार किला दुनिया के उन दुर्लभ किलों में से एक है जहाँ आज भी आबादी निवास करती है। इसकी संकरी गलियों में घूमते हुए समय जैसे ठहर सा जाता है। यहाँ की नक्काशीदार हवेलियाँ, जैसे पटवों की हवेली और सालमसिंह की हवेली, कारीगरी का ऐसा नमूना पेश करती हैं कि देखने वाला टकटकी लगाए रह जाता है। इन पत्थरों पर उकेरी गई बारीकियाँ मनुष्य के धैर्य और शांति का प्रतीक हैं।

जैसलमेर की फिजाओं में लोक संगीत का वास है। जब यहाँ के लोक कलाकार कामायचा और खड़ताल पर पधारो म्हारे देस की तान छेड़ते हैं, तो वह संगीत सीधे रूह को छूता है। गड़ीसर झील के किनारे बैठकर लोक संगीत सुनना एक ऐसा सुकून देता है जिसे शब्दों में पिरोना कठिन है। प्रदूषण और शोर से मुक्त यहाँ का आसमान रात के समय सितारों की चादर ओढ़ लेता है। रेगिस्तान के बीच कैंपों में रुकना और खुले आसमान के नीचे तारों को निहारना शहर की चकाचौंध से दूर एक शांत मानसिक शांति प्रदान करता है। जैसलमेर वह धरा है जहाँ पहुँचकर इंसान खुद से मिलता है। यहाँ की सादगी, अतिथि सत्कार और शांत वातावरण हर आगंतुक के हृदय को छू लेता है। यदि आप जीवन की भागदौड़ से थककर कुछ पल सुकून के बिताना चाहते हैं, तो जैसलमेर की यह सुनहरी धरा आपका बाहें फैलाकर स्वागत करती है।

–अचलदास डांगरा,
वरिष्ठ पत्रकार।

जोधपुर व भगत की कोठी रेलवे स्टेशन प्रतिष्ठित ब्रांड स्टोर्स के लिए प्रस्तावित

'इस नवाचार के अंतर्गत यात्रियों को प्रसिद्ध राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय ब्रांड्स के विविध खाद्य विकल्प रेलवे स्टेशनों पर उपलब्ध कराए जाएंगे'

जोधपुर, (कासं)। रेलवे बोर्ड के नए दिशा-निर्देशों के तहत यात्रियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जोधपुर व भगत की कोठी रेलवे स्टेशनों को प्रीमियम ब्रांड कैटरिंग आउटलेट्स एवं अन्य प्रतिष्ठित ब्रांड स्टोर्स के लिए प्रस्तावित किया गया है। रेलवे की इस पहल का उद्देश्य रेलवे स्टेशनों पर यात्रियों को प्रतिष्ठित, भरोसेमंद एवं गुणवत्तापूर्ण खाद्य व अन्य ब्रांडों की बेहतर सुविधा उपलब्ध कराना है।

उत्तर-पश्चिम रेलवे के जोधपुर मंडल के सीनियर डीसीएम हितेश यादव ने बताया कि इस नवाचार के अंतर्गत यात्रियों को प्रसिद्ध राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय ब्रांड्स के विविध खाद्य विकल्प रेलवे स्टेशनों पर उपलब्ध कराए जाएंगे। दिशा-निर्देशों के तहत प्रीमियम ब्रांड स्टोर खोलने की भी अनुमति दी गई है, जिसके अंतर्गत बड़े एवं प्रतिष्ठित ब्रांड्स को सीधे रेलवे स्टेशन परिसर में स्थापित किया जा सकेगा। रेलवे द्वारा प्रारंभिक रूप से जोधपुर एवं भगत की कोठी स्टेशनों को प्रीमियम ब्रांड कैटरिंग स्टोर व अन्य ब्रांड स्टोर के लिए प्रस्तावित किया गया है। इसके अतिरिक्त जोधपुर मंडल के अन्य स्टेशनों पर भी इच्छुक पक्ष मंडल कार्यालय से संपर्क कर ऐसे स्टोर खोलने के लिए आवेदन कर सकते हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि ये ब्रांड स्टोर सीधे संबंधित पार्टी को ही आवंटित किए जाएंगे तथा इन्हें सबलेट करने की अनुमति नहीं होगी।

■ दिशा-निर्देशों के तहत प्रीमियम ब्रांड स्टोर खोलने की भी अनुमति दी गई है, जिसके अंतर्गत बड़े एवं प्रतिष्ठित ब्रांड्स को सीधे रेलवे स्टेशन परिसर में स्थापित किया जा सकेगा

यादव ने बताया कि इस पहल से यात्रियों को उच्च गुणवत्ता, बेहतर स्वच्छता मानकों एवं विश्वसनीय खान-पान विकल्प उपलब्ध होंगे, साथ ही रेलवे स्टेशनों की समग्र छवि, सेवा स्तर एवं यात्री संतुष्टि में भी उल्लेखनीय सुधार होगा। साथ ही यह पहल ई-ऑक्शन के माध्यम से लागू की जाएगी तथा सबलेट की अनुमति नहीं होगी। इससे यात्रियों को बेहतर सुविधाएं मिलने के साथ स्टेशन की छवि में भी सुधार होगा। रेलवे की कैटरिंग पॉलिसी-2017 में संशोधन करते हुए प्रीमियम ब्रांड कैटरिंग आउटलेट्स को कैटरिंग स्टॉल की चौथी श्रेणी के रूप में सम्मिलित किया गया है। इन प्रीमियम कैटरिंग आउटलेट्स का आवंटन मनोनयन के आधार पर नहीं किया जाएगा, बल्कि मौजूदा ई-ऑक्शन नीति के अंतर्गत पूर्णतः पारदर्शी प्रक्रिया के माध्यम से किया जाएगा। प्रीमियम ब्रांड कैटरिंग आउटलेट्स का लाइसेंस कार्यकाल अन्य कैटरिंग स्टॉलों की भांति पांच वर्ष का होगा। न्यूनतम लाइसेंस शुल्क का निर्धारण रेलवे की वर्तमान कैटरिंग पॉलिसी के प्रावधानों के अनुसार किया जाएगा।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

बुधवार 31 दिसम्बर, 2025

पौष मास, शुक्ल पक्ष, द्वादशी तिथि, बुधवार, विक्रम संवत 2082, कृत्तिका नक्षत्र रात्रि 1:30 तक, साध्य योग रात्रि 9:13 तक, बव करण दिन 3:24 तक, चन्द्रमा आज प्रातः 9:23 से वृष राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य-धनु, चन्द्रमा-मेष, मंगल-धनु, बुध-धनु, गुरू-मिथुन, शुक्र-धनु, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में।

आज सर्वार्थ सिद्धि योग सम्पूर्ण दिन-रात रहेगा। आज पुत्रदा एकादशी व्रत वैष्णवों का है। महापात योग दिन 10:00 तक है। आज नववर्ष पूर्व संध्या है।

श्रेष्ठ चौघड़ियाः लाभ-अमृत सूर्योदय से 9:55 तक, शुभ 11:12 से 12:30 तक, चर 3:05 से 4:22 तक, लाभ 4:22 से सूर्यास्त तक।

राहूकालः 12:00 से 1:30 तक। सूर्योदय 7:20, सूर्यास्त 5:40

मेष
व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। नौकरीपेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। आर्थिक मामलों में संतुलन बना रहेगा।

वृष
व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। नौकरीपेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। आर्थिक मामलों में संतुलन बना रहेगा।

मिथुन
आर्थिक मामलों में परेशानी हो सकती है। घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। परिवार में वाद-विवाद टालना ठीक रहेगा।

कर्क
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं।

सिंह
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। अटके हुए कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्यों में उचित सफलता मिलेगी।

कन्या
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। अटके हुए कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्यों में उचित सफलता मिलेगी।

तुला
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। व्यावसायिक परेशानियां अभी यथावत बनी रहेगी।

वृश्चिक
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

धनु
विवादित मामलों का निपटारा हो सकता है। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं।

मकर
विवादित मामलों का निपटारा हो सकता है। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं।

कुंभ
घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

मीन
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। आज नये-पुराने मित्रों से मुलाकात हो सकती है।

आम सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी पक्षकारा सनोफर उर्फ सनोफर बानो पत्नी फारूख अब्बासी निवासी पीलीखान नई बस्ती, अजमेर की रहने वाली है जिसकी जन्म तारीख 05/07/2000 है जिसके पिताजी का नाम मौहम्मद ईशाक उर्फ मौहम्मद पप्पू है तथा माता का नाम श्रीमती सायरा उर्फ ताहीरा है जो कि उनके माता-पिता एक ही होने तथा मेरी पक्षकारा के भी अलग-अलग दो नाम होने के संबंध में दस्तावेज तथा अंकतालिकाएं तथा अन्य रिकॉर्ड में इंद्राज है जो सही एवं विधिक सत्य है तथा इन्हें अलग-अलग नाम के एक ही व्यक्ति होने के समर्थन में माना व समझा जावे। -भवदीय- दिवाकर, एडवोकेट, मो. 9828170179

आम सूचना

जन साधारण को सूचित किया जाता है कि Mr. shiv prasad s/o mr. madan lal निवासी ग्राम पंचायत नांद, पंचायत समिति पीसांगन ने Unico housing finance pvt. Ltd में ऋण हेतु आवेदन किया है। यह है कि mr. shiv prasad s/o mr. madanlal की संपति का पट्टा ग्राम पंचायत नांद, पंचायत समिति पीसांगन जिला अजमेर द्वारा दिनांक 6 फरवरी 2013 को जारी किया गया था। यह कि काफी तलाशने के बाद भी उक्त मुल पट्टा कही पर भी नही मिला। तत्पश्चात दिनांक 28 दिसम्बर 2025 को ऑनलाईन एल आर नं. 3002468/2025 रिपोर्ट दर्ज कराई गई, किंतु आज दिनांक तक उक्त पट्टा नही मिला। यदि उक्त पटटा किसी को मिले या इस पर किसी व्यक्ति को कोई आपति हो तो वह इस सूचना के प्रकाशन के 7 दिन के भितर लिखित में अधोहस्ताक्षरी से संपर्क कर सकता है। समयावधि के पश्चात कोई विचार नही किया जायेगा। एडवोकेट देवेंद्र कुमार शर्मा, मो.-9928538167 कार्यालय पता- 412 गणपति प्लाजा, एम आई रोड, जयपुर

NAME CHANGE

I,NAMITA BOSE is real MOther of No,15800274Y, NK- Somnath Bose,Vill-Aswinkota,Teh-Bishnupur,Dist-Bankura,(W.B) 722141,have changed my name from NAMITA BOSE to NAMITA BASU.in my son's army service records.aff-CA 834275.date-29 DEC 2025.Before Notary AD Rajendra Kumar Sindhi Nasirabad

NAME CHANGE

I,TAPAN BOSE is real Father of No,15800274Y, NK- Somnath Bose,Vill-Aswinkota,Teh-Bishnupur,Dist-Bankura,(W.B) 722141,have changed my name from TAPAN BOSE to TAPAN KUMAR BOSE.in my son's army service records.aff-CA 834276.date-29 DEC 2025.Before Notary AD Rajendra Kumar Sindhi Nasirabad

आम सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है अचल संपत्ति का प्लॉट नंबर 04, खसरा नंबर 2049, अंबे पार्क कॉलोनी, लाडपुरा रोड, ग्राम घुघरा, तहसील-जिला अजमेर, राजस्थान में स्थित 335.55 वर्ग गज है। उक्त सम्पत्ति श्रीमती मोहिनी देवी ने विक्रय विलेख द्वारा दिनांक 09.04.2010 को द्वारा श्री प्रहलाद सिंह के पक्ष में उक्त संपत्ति के संबंध में स्थल योजना सहित पंजीकृत विक्रय विलेख अजमेर के उप-पंजीयक के पास दस्तावेज संख्या 2010002825 तत्पश्चात श्री प्रहलाद सिंह दिनांक 08.09.2010 द्वारा श्रीमती शाबू के पक्ष में उक्त संपत्ति के विक्रय विलेख अजमेर के उप-पंजीयक के पास दस्तावेज संख्या 2010007263 किया गया। जिसके बाद 11.07.2011 को श्रीमती शाबू द्वारा श्रीमती संतोष देवी के पक्ष में निष्पादित की थी। उक्त सम्पत्ति श्री प्रहलाद सिंह दिनांक 08.09.2010 द्वारा श्रीमती शाबू के पक्ष में उक्त संपत्ति के विक्रय विलेख अजमेर के उप-पंजीयक के पास दस्तावेज संख्या 2010007263 खो गए है जिसकी एफआईआर करवा दी गई है। सम्पत्ति पर श्रीमती संतोष देवी ने मेरी अभिभाष्य संस्था कैपिटल इंडिया फाइनेंस लिमिटेड से लोन हेतु आवेदन किया है और इनके अलावा किसी को कोई आपत्ति हो तो 07 दिवस में लिखित रूप से सूचित करें अन्यथा उक्त समय अवधि के उपरांत अगर कोई आपत्ति जताई जाती है, तो उक्त आम सूचना के जरिये शून्य व निष्प्रभावी होगा और मेरे व्यवहारी का किसी प्रकार का दायित्व निहित नहीं होगा।

दिनांक-30.12.2025

वास्ते- गिरीराज सोनी एंड एसोसिएट्स

LSG/BEAWAR/MUT/167203

DATE :- 27.12.2025 रजि बेचान-नामा

कार्यालय नगर परिषद, ब्यावर

क्रमांक/नगरीय विकास कर/2025-26/10614 दिनांक-30-12-25

सार्वजनिक सूचना

श्री रणवीर सिंह पुत्र श्री लक्ष्मण सिंह निवासी ब्यावर ने क्षेत्र नं. 1/श्री बंशी विहार कॉलोनी खसरा नं. 2059 से 2062 प्लाट नं. 19 क्षेत्रफल 182.05 वर्गगज, जो कि नगर परिषद ब्यावर नगरीय विकास कर रिकार्ड में श्री श्री कैलाशचन्द पुत्र श्री बंशीलाल जी के नाम पट्टा विलेख जारी है। रजि बेचान-नामा दिनांक 18.10.2021, 14.09.2010 व स्वयं घोषणा शपथ पत्र प्रस्तुत कर नगरीय विकास कर अनुभाग (गृहकर) पंजिका में नाम अन्तरण के लिए आवेदन किया है। अतः इस नाम परिवर्तन के संबंध में किसी व्यक्ति या किसी संस्था को कोई आपति हो तो मय प्रमाणित दस्तावेज सात दिवस में आपति प्रस्तुत करें। बाद मियाद कोई भी आपति विचारणीय नही होगी।

- आयुक्त, नगर परिषद ब्यावर

LSG/BEAWAR/MUT/167196

DATE :- 27.12.2025 रजि बेचान-नामा

कार्यालय नगर परिषद, ब्यावर

क्रमांक/नगरीय विकास कर/2025-26/10616 दिनांक-30-12-25

सार्वजनिक सूचना

श्री नानकराम पुत्र श्री देवनदास श्रीमती मोहिनी देवी पत्नी श्री नानकराम, श्री सुनिल कुमार श्री मोहनलाल पुत्र श्री नानकराम जी निवासी ब्यावर ने क्षेत्र नं. 7/श्रृद्धानन्द बाजार नं. 02 म्यु नं. 4/490 हाल नया नम्बर 7/2 दुकान नं. 6 क्षेत्रफल 41.11 वर्गगज, जो कि नगर परिषद ब्यावर नगरीय विकास कर रिकार्ड में श्री डेली बाई पत्नी श्री रामचन्द जी के नाम दर्ज है। रजि-बेचान-नामा दिनांक 27.03.2002 व स्वयं घोषणा शपथ पत्र प्रस्तुत कर नगरीय विकास कर अनुभाग (गृहकर) पंजिका में नाम अन्तरण के लिए आवेदन किया है। अतः इस नाम परिवर्तन के संबंध में किसी व्यक्ति या किसी संस्था को कोई आपति हो तो मय प्रमाणित दस्तावेज सात दिवस में आपति प्रस्तुत करें। बाद मियाद कोई भी आपति विचारणीय नही होगी।

- आयुक्त, नगर परिषद ब्यावर

LSG/BEAWAR/MUT/167200

DATE :- 27.12.2025 रजि बेचान-नामा

कार्यालय नगर परिषद, ब्यावर

क्रमांक/नगरीय विकास कर/2025-26/10615 दिनांक-30-12-25

सार्वजनिक सूचना

श्री रणवीर सिंह पुत्र श्री लक्ष्मण सिंह निवासी ब्यावर ने क्षेत्र नं. 1/श्री बंशी विहार कॉलोनी खसरा नं. 2059 से 2062 प्लाट नं. 18 क्षेत्रफल 156.83 वर्गगज, जो कि नगर परिषद ब्यावर नगरीय विकास कर रिकॉर्ड में श्री श्री कैलाशचन्द पुत्र श्री बंशीलाल जी के नाम पट्टा विलेख जारी है। रजि बेचान-नामा दिनांक 18.10.2021, 14.09.2010 व स्वयं घोषणा शपथ पत्र प्रस्तुत कर नगरीय विकास कर अनुभाग (गृहकर) पंजिका में नाम अन्तरण के लिए आवेदन किया है। अतः इस नाम परिवर्तन के संबंध में किसी व्यक्ति या किसी संस्था को कोई आपति हो तो मय प्रमाणित दस्तावेज सात दिवस में आपति प्रस्तुत करें। बाद मियाद कोई भी आपति विचारणीय नही होगी।

- आयुक्त, नगर परिषद ब्यावर

श्री अग्रवाल पंचायत गंज धड़ा समिति बैठक संपन्न

अजमेर (कास)। श्री अग्रवाल पंचायत गंज धडा समिति अजमेर की कार्यकारिणी की बैठक संस्था अध्यक्ष कैलाशचंद गोयल की अध्यक्षता में उनके प्लाजा सिनेमा के सामने स्थित प्रतिष्ठान पर आयोजित की गयी बैठक में संस्था की गतिविधियों पर चर्चा कर अनेक महत्वपूर्ण निर्णय लिए गये।संस्था अध्यक्ष कैलाशचंद गोयल व सह सचिव प्रवीण अग्रवाल ने यह जानकारी देते हुए बताया कि बैठक का शुभारंभ लक्ष्मीकांत भगवान के जयकारे के साथ हुआ उसके बाद सह सचिव प्रवीण अग्रवाल द्वारा गत कार्यकारिणी की बैठक के कार्यवाही विवरण का पठन किया गया जिसकी सभी ने पुष्टि की कोषाध्यक्ष प्रदीप अग्रवाल द्वारा वर्ष 2024 - 25 का ऑडिटेड लेखा जोखा प्रस्तुत किया गया जिसका सभी ने अनुमोदन किया। अध्यक्ष कैलाशचंद गोयल ने संस्था की सामूहिक गोठ, आमसभा व कार्यकारिणी के चुनाव के बारे में चर्चा कर सभी से सुझाव मांगे बैठक में विचार विमर्श कर सर्वसम्मति से आगामी 25 जनवरी रविवार को संस्था की आमसभा (साधारण सभा की बैठक), संस्था की त्रिवार्षिक कार्यकारिणी के चुनाव व शीतकालीन गोठ पारिवारिक सहभोज कार्यक्रम आयोजित करने का निर्णय लिया गया।

भव्य प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन

मेड़ता सिटी, (निसं)। मेघवाल समाज भवन मेड़ता में मेघवाल विकास संस्थान मेड़ता के बैनर तले भव्य प्रतिभा एंव भामाशाह सम्मान तथा नवीन निर्माण कार्य लोकार्पण समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में परम सानिध्य श्री श्री 108 आदरणीय ओमदास जी महाराज पीठाधीश्वर सांगलिया धूणी का प्राप्त हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि लक्ष्मण राम जी मेघवाल माननीय विधायक मेड़ता रहे। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में सुखाराम जी नेतड़िया (पूर्व विधायक मेड़ता) , शोभाराम जयपाल (पूर्व उप जिलाप्रमुख नागौर) , मेघराज झोटवाल, पांचाराम ईदावड़, रामचंद्र गर्वा , शिवदान सिंह लोढा, कुम्भाराम रेलावत, रामकरण सिंह मलिंडा, प्रहलाद राम तानाण , श्री अर्जुन बागराणी, रमेश जी परिहार, संपतराज तालेपा एंव गणमान्य अतिथिगण पधारे। कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री महेंद्र जी कड़ेला ने की। इस अवसर पर कार्यक्रम में कार्यकारिणी सदस्य वरि.उपाध्यक्ष श्री भाकर राम कटारिया , उपाध्यक्ष श्री तेजाराम जी तालेपा , महासचिव श्री जस्साराम सिरसला , कोषाध्यक्ष श्री प्रहलाद जी सांखला एंव संरक्षकगण मौजूद रहे। कार्यक्रम में कक्षा 10 ,12, स्नातक , सरकारी सेवा में चयनित तथा खेल के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली कुल 300 प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया।

अजमेर डिस्कॉम की 25वीं वार्षिक साधारण सभा सम्पन्न

अजमेर, (कास)। पंचशील स्थित अजमेर डिस्कॉम मुख्यालय पर आज अजमेर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड की पच्चीसवीं वार्षिक साधारण सभा का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता प्रबंध निदेशक के. पी. वर्मा द्वारा की गई। बैठक में निदेशक (तकनीकी) एम. सी. बाल्दी, मुख्य लेखा नियंत्रक एम. के. गोयल, मुख्य लेखाधिकारी अनिल टाटू, कंपनी सचिव नेहा शर्मा सहित राज्यपाल की ओर से अधिकृत प्रतिनिधि कोषाधिकारी अजमेर-कोष तथा ऊर्जा विभाग की ओर से सहायक सचिव मनोज मित्तल एवं उप-निदेशक बाबूलाल मीणा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। सभा में वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए वैधानिक अंकेक्षक की नियुक्ति हेतु प्रस्तुत प्रस्ताव का अनुमोदन किया गया। साथ ही संचालक मंडल द्वारा अनुमोदित वित्तीय वर्ष 2024-25 के वार्षिक लेखों तथा इन पर वैधानिक अंकेक्षक एवं नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की रिपोर्ट पर विस्तृत चर्चा की गई। प्रस्तुत वार्षिक लेखों के अनुसार, वित्तीय वर्ष 2024-25 में अजमेर डिस्कॉम द्वारा 1875.82 करोड़ का शुद्ध लाभ अर्जित किया गया, जबकि वित्तीय वर्ष 2023-24 में निगम का शुद्ध लाभ 825.02 करोड़ रहा था। यह उपलब्धि निगम की सुदृढ़ वित्तीय स्थिति, कुशल प्रबंधन एवं प्रभावी नीतिगत क्रियान्वयन को दर्शाती है।

अजमेर दक्षिण में 73 लाख रुपये के विकास कार्यों का शुभारंभ: भदेल

अजमेर, (कास)। अजमेर दक्षिण विधानसभा क्षेत्र में निरंतर हो रहे विकास कार्यों की श्रृंखला में आज एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि जुड़ गई।

अजमेर दक्षिण विधायक अनिता भदेल के नेतृत्व में आज वार्ड संख्या 39 एवं 37 में कुल 73 लाख रुपये की लागत से होने वाले विकास कार्यों का शुभारंभ किया गया। इन कार्यों के पूर्ण होने से स्थानीय नागरिकों को बेहतर आवागमन सुविधा के साथ-साथ स्वच्छता एवं जल निकासी की समस्या से भी राहत मिलेगी।

विधायक अनिता भदेल के नेतृत्व में कुल 73 लाख रुपये की लागत से होने वाले विकास कार्यों का शुभारंभ किया गया।

■ **इन कार्यों के पूर्ण होने से स्थानीय नागरिकों को बेहतर आवागमन सुविधा के साथ-साथ स्वच्छता एवं जल निकासी की समस्या से भी राहत मिलेगी**

विधायक अनिता भदेल ने जानकारी देते हुए बताया कि वार्ड नम्बर 39, गली नम्बर 6, शिवाजी नगर में कमलेश चौहान जी के मकान से नंदलाल जी के मकान तक लगभग 30 लाख रुपये की लागत से सीसी सड़क निर्माण कार्य का शुभारंभ किया गया। यह सड़क लंबे समय से क्षेत्रवासियों की मांग रही थी। सड़क की स्थिति खराब होने के कारण आमजन को आवागमन में काफी परेशानी का सामना करना पड़ता था, विशेषकर बरसात के मौसम में स्थिति और भी गंभीर हो जाती थी। अब सीसी सड़क बनने से क्षेत्रवासियों को सुरक्षित, सुगम एवं टिकाऊ सड़क सुविधा प्राप्त होगी। वार्ड नम्बर 37, सुंदर विहार कॉलोनी में खालसा पेट्रोल पंप के पीछे से टावर तक लगभग 43 लाख रुपये की लागत से सीसी सड़क एवं नाली निर्माण कार्य का विधिवत शिलान्यास किया गया। इस क्षेत्र में नाली व्यवस्था के अभाव में बरसात के दौरान जलभराव की गंभीर समस्या उत्पन्न हो जाती थी, जिससे आमजन के साथ-साथ दुकानदारों एवं राहगीरों को भी भारी परेशानी झेलनी पड़ती थी। प्रस्तावित नाली निर्माण से जल निकासी की समस्या का स्थायी समाधान होगा और सड़क निर्माण से क्षेत्र की तस्वीर भी बदलेगी।

इस अवसर पर आदर्श मंडल अध्यक्ष हितेश डाबरिया, जिला उपाध्यक्ष रविन्द्र सिंह जादोन्न, पार्षद सोहन सिंह रावत, देवेंद्र सिंह शेखावत, रोमेश मिश्रा, महेंद्र मेघवंशी, आनंद भड़ाना, जय सिंह रावत, पतराम यादव, यज्ञदत्त, दिनेश जैन सहित अन्य भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

आज भव्य शोभा यात्रा निकाली जाएगी

मसूदा, (निसं)। मसूदा नगर पालिका क्षेत्र में अयोध्या स्थित मयार्दा पुरषोत्तम प्रभु श्रीराम के भव्य मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा की द्वितीय वर्षगांठ पर सकल हिंदू समाज द्वारा आज बुधवार 31 दिसंबर को प्रात: 10 बजे से तृतीय भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी। शोभायात्रा को लेकर आयोजन सकल हिंदू समाज द्वारा शोभायात्रा 31 दिसम्बर को मसूदा स्थित अखाड़े वाले बालाजी मंदिर से गाजे बाजे के साथ रवाना होकर मुख्य बजार होते हुए कुंड के बालाजी मंदिर पर भव्य शोभायात्रा का समापन होगा। इस मोके पर सकल हिंदू समाज के पुरुषों महिलाओं व युवाओं के साथ गणमान्य नागरिक आदि मौजूद रहे।

अवैध खनन पर प्रशासन सख्त, नसीराबाद उपखण्ड में 15 जनवरी तक चलेगा विशेष संयुक्त अभियान

नसीराबाद, (निसं)। नसीराबाद उपखण्ड क्षेत्र में अवैध खनन, खनिजों के अवैध परिवहन भण्डारण पर रोक लगाने को लेकर मंगलवार को सायं 4 बजे उपखण्ड कार्यालय नसीराबाद के सभागार में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता उपखण्ड अधिकारी देवीलाल यादव ने की।

बैठक में कानून-व्यवस्था, राजस्व, खनिज और परिवहन विभाग से जुड़े अधिकारी मौजूद रहे। सभी विभागों को राज्य सरकार के निर्देशों की सख्ती से पालना करते हुए अवैध खनन के खिलाफ प्रभावी और ठोस कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। बैठक में निर्णय लिया गया कि 29 दिसम्बर 2025 से 15 जनवरी 2026 तक पूरे उपखण्ड क्षेत्र में विशेष संयुक्त अभियान चलाया जाएगा। इस दौरान विभिन्न विभागों की संयुक्त टीमें बनाकर संवेदनशील क्षेत्रों में नियमित गश्त, जांच चौकियां, नाकाबंदी और अचानक निरीक्षण किए जाएंगे। अभियान के तहत बिना अनुमति खनन करने, खनिजों के अवैध परिवहन या भण्डारण में लिप्त पाए जाने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इसमें खनिज और वाहनों की जब्ती, जुर्माना तथा नियमानुसार प्रकरण दर्ज करने की कार्यवाही शामिल रहेगी।

■ **संवेदनशील क्षेत्रों में नियमित गश्त, जांच चौकियां, नाकाबंदी और औचक निरीक्षण किए जाएंगे**

प्रशासन ने स्पष्ट किया कि प्राकृतिक संसाधनों की सुरक्षा और क्षेत्र में कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए यह अभियान पूरी गंभीरता के साथ चलाया जाएगा। किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और दोषियों के विरुद्ध बिना भेदभाव के कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

केंद्र सरकर द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार का अधिकार छिनने का षडयंत्र: मीर

अजमेर, (कास)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव एवं जम्मू कश्मीर में कांग्रेस के नेता प्रतिपक्ष गुलाम अहमद मीर ने कहा की केंद्र की मोदी सरकर ने मनरेगा का नाम एवं नीतियां बदलकर ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार का अधिकार छिनने का षडयंत्र रचा है जिसका कांग्रेस मुह तोड जवाब देगी। कांग्रेस महासचिव मीर आज अजमेर उत्तर विधानसभा क्षेत्र के कांग्रेस कार्यकर्ताओं से औपचारिक बातचीत कर रहे थे । उन्होंने आरोप लगाया कि यह निर्णय कैबिनेट में चर्चा के बिना सीधे प्रधानमंत्री कार्यालय से लिया गया। मीर ने कहा कि मनरेगा देश के करोड़ों लोगों के लिए कानूनी मजदूरी अधिकार की गारंटी था। नई योजना उस अधिकार आधारित ढांचे को क्षित पहुंचाती है और संघीय संतुलन को भी बाधित करती है। इससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था और गरीब वर्ग को गंभीर क्षित होने की आशंका है। उन्होंने कहा की नई योजना में राज्य सरकार के हिस्से की बढ़ोतरी से राज्य सरकार पर अतिरिक्त वित्तीय भार बढ़ेगा।कांग्रेस ने मनरेगा समाप्त करने के विरोध में 5 जनवरी से मनरेगा बचाओ देशव्यापी आंदोलन शुरू करेगी। कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव मीर का आज अजमेर उत्तर विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस के प्रत्यशी महेंद्र सिंह रलावता के नेतृत्व में कांग्रेस जनो ने माला एवं साफा पहनाकर भव्य स्वागत किया गया । इस अवसर पर पूर्व विधायक आनंद मंगल मिश्र अजमेर शहर जिला कांग्रेस कमेटी के निवर्तमान महासचिव शिव कुमार बन्सल नगर निगम अजमेर में पूर्व उपायुक्त एवं पार्षद गजेंद्र सिंह रलावता रामचंद्र बीजावत महेंद्र कटारीया दुर्गा सिंह राठौर हेमेंद्र सिंह मऊ कुश रलावता विजय सिंह पवार अहमद हुसैन सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस जन उपस्थित रहे।

आम सूचना

समस्त आम खास व्यक्तियों, वितीय संस्थाओं, बैंको को सूचित किया जाता है प्रार्थी सुखदेव कुम्हार पुत्र श्री हरदेव कुम्हार निवासी रामगढ ग्राम पंचायत रामगढ तहसील बिजयनगर जिला अजमेर हाल ब्यावर ने अपने स्वामित्व की जायदाद प्लाट, पट्टा नं. 16 बनाप 2560 वर्ग फीट जो कि खसरा सं. 2755 ग्राम रामगढ़ ग्राम पंचायत रामगढ तहसील बिजयनगर जिला अजमेर हाल ब्यावर में स्थित है पर ऋण हेतु IDFC First Bank Limited शाखा बिजयनगर में आवेदन किया है, उक्त जायदाद का पट्टा प्रार्थी के पिताजी श्री हरदेव के पक्ष में दिनांक 23.02.1987 को जारी किया जाकर दिनांक 20.05.2010 को नवीनीकरण किया गया तत्पश्चात दिनांक 05.03.1995 को प्रार्थी के पिताजी की मृत्यु हो गई तत्पश्चात सुखदेव कुम्हार को स्व. श्री हरदेव का इकलौता वारिस मानते हुए ग्राम पंचायत रामगढ़ द्वारा प्रार्थी के पक्ष में उपपंजीयक कार्यालय बिजयनगर में उक्त पट्टे को पंजीबद्ध कराया गया। तत्पश्चात दिनांक 28.05.2025 को प्रार्थी की माताजी मोहिनी की मृत्यु हो गई। अत: उक्त जायदाद के मालिकाना हक सुखदेव कुम्हार के पक्ष में होने के संबंध में या स्व. श्री हरदेव के वारिस सुखदेव कुम्हार के संबंध में किसी भी प्रकार की आपति/एतराज/उजरदारी हो तो प्रकाशन की तिथि से 07 दिवस के अन्दर अवधि में IDFC First Bank Limited शाखा बिजयनगर या मेरे कार्यालय में लिखित में आपति प्रस्तुत कर प्राप्ति स्वीकृति प्राप्त करे, बाद गुजरने मियाद ऋण स्वीकृति की कार्रवाई प्रारंभ कर दी जावेगी तत्पश्चात किसी की आपति/एतराज/उजरदारी स्वीकार योग्य नहीं होगी एवं ऋण वितरण के पश्चात उक्त जायदाद पर प्रथम प्रभार IDFC First Bank Limited शाखा बिजयनगर का होगा ।

-आरके जैन एडवोकेट , (रतन कुमार जैन, जैन स्थानक के पास, गुलाबपुरा) मो. - 941411372 4, 9024748727

कार्यालय नगर निगम, अजमेर

क्रमांक: न.नि.अ/भवन/25-26/560 आपत्ति सूचना दिनांक-18.12.25

ईप्रोलिया श्री गुलाम मोहम्मद पुत्र श्री उमरभाई निवासी मोडासा जिला अरवल्ली गुजरात बहैसियत मुख्त्यारआम मोहम्मद युसुफ पुत्र श्री ईस्माईल टाढा निवासी मोडासा जिला साबरकांठा गुजरात बहैसियत मैनेजिंग ट्रस्टी द मोडासा मुस्लिम गाच्छी ट्रस्ट मोडासा रजिस्ट्रेशन नं.बी. 180 साबरकांडा गुजरात द्वारा एक सम्पति ए.एम.सी. नं. 19/406 174/35 जो वाके चौघर मौहल्ला नला बाजार, अजमेर में स्थित है जिसका क्षेत्रफल 59.94 व.मी. है। भूमि के वर्तमान मास्टर प्लान 2033 के अनुसार व्यवसायिक मानचित्र स्वीकृति हेतु निर्धारित प्रपत्र में इस कार्यालय आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है। प्रस्तावित भू-भाग की सीमाएं निम्नानुसार हैं।

पूर्व- जायदाद श्री अमरचन्द तापडिया की — उत्तर - निजव्रत हाउस

पश्चिम - रास्ता गली आम — दक्षिण - जायदाद श्री अमरचन्द तापडिया की

अत: जरिए इस सूचना के पूर्व सर्व साधारण को सूचित किया जाता हैं कि किसी भी व्यक्ति / संस्था को इस संबंध में कोई आपत्ति हो तो इस सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर अन्दर किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय समय में ठोस दस्तावेजों सहित अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। बाद मियाद किसी भी आपत्ति पर विचार नहीं किया जायेगा। -उपायुक्त नगर निगम, अजमेर

कार्यालय नगरपालिका बिजयनगर जिला ब्यावर राजस्थान

क्रमांक- न.पा.बि./निमार्ण स्वी./2025/5129 आम सूचना दिनांक:16-12-2025

सर्व साधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि निम्नांकित मकान निर्माण हेतु निम्न भवन निर्माण पत्रावली प्राप्त हुई है, अगर किसी को आपति/उज्ज हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन के 07 दिवस में मय सबूत के अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष आपति प्रस्तुत कर सकते है, बाद मियाद गुजरने पर कोई उज्र/आपति मान्य नहीं होगी।

भवन निर्माण

फाईल नं.	आवेदक नाम	भूखण्ड का विवरण	भूखण्ड का नाप	प्रयोजनार्थ
165	सिमरन चौहान पत्नि रोहित चौहान	वर्धमान सागर बरल द्वितीय ख.सं. 2561/1184 व 2604/2560 भू.सं. 01 का पश्चिमी हिस्सा	64.09 SQ.MTR	आवासीय

-अधिशाषी अधिकारी, नगरपालिका बिजयनगर

कार्यालय नगर परिषद् किशनगढ़ (अजमेर) राजस्थान

क्रमांक: न.प.कि/कृषि भूमि नियमन /2025/5765 आम सूचना दिनांक: 30/12/25

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि नगर परिषद किशनगढ़ में राजस्व ग्राम मदनगंज के खसरा 209,224,225 का भूखण्ड संख्या 19.20 का कुल क्षेत्रफल 120.00 का आवासीय प्रयोजनार्थ पट्टा चाहने हेतु कृषि भूमि नियमन के तहत् आवेदन प्रस्तुत किया है। उक्त आवेदित भूखण्डे नियमन में संबंधित किसी व्यक्ति/संस्था को कोई आपति हो तो इस सूचना के प्रकाशन की दिनांक से 07 दिवस में इस कार्यालय को लिखित मे आपतियां/मय साक्ष्य/विवरण सहित कार्यालय समय में दर्ज करावें।

क्र. सं.	प्रार्थी का नाम	राजस्व ग्राम का नाम एवं खसरा नं व क्षेत्रफल	प्रस्तावित कृषि भूमि नियमन
1.	श्री मुन्शी पुत्र श्री शमनूर खां निवासी निवासी आसामो का मौहल्ला चीताखेड़ा कुचिल जिला अजमेर	मदनगंज खसरा 209,224,225 120.00 वर्गगज	आवासीय प्रयोजनार्थ पट्टा चाहनें हेतु

आयुक्त,नगर परिषद, किशनगढ़।

कार्यालय नगर परिषद् किशनगढ़ (अजमेर) राजस्थान

क्रमांक: न.प.कि/कृषि भूमि नियमन /2025/5762 आम सूचना दिनांक: 30/12/25

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि नगर परिषद किशनगढ़ में राजस्व ग्राम मदनगंज के खसरा 52/2,83 भूखण्ड संख्या 10 का कुल क्षेत्रफल 124.07 का आवासीय प्रयोजनार्थ पट्टा चाहने हेतु कृषि भूमि नियमन के तहत् आवेदन प्रस्तुत किया है। उक्त आवेदित भूखण्डे नियमन में संबंधित किसी व्यक्ति/संस्था को कोई आपति हो तो इस सूचना के प्रकाशन की दिनांक से 07 दिवस में इस कार्यालय को लिखित मे आपतियां/मय साक्ष्य/विवरण सहित कार्यालय समय में दर्ज करावें।

क्र. सं.	प्रार्थी का नाम	राजस्व ग्राम का नाम एवं खसरा नं व क्षेत्रफल	प्रस्तावित कृषि भूमि नियमन
1.	श्री अनिल कुमार पुत्र श्री राजेन्द्र प्रसाद निवासी रतना रावत कॉलोनी गांधीनगर मदनगंज किशनगढ़ जिला अजमेर	मदनगंज खसरा 52/2,83 124.07 वर्गगज	आवासीय प्रयोजनार्थ पट्टा चाहनें हेतु

आयुक्त,नगर परिषद, किशनगढ़।

कार्यालय नगर परिषद् किशनगढ़ (अजमेर) राजस्थान

क्रमांक: न.प.कि/कृषि भूमि नियमन /2025/5759 आम सूचना दिनांक: 30/12/25

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि नगर परिषद किशनगढ़ में राजस्व ग्राम मदनगंज के खसरा 248 भूखण्ड संख्या 14 का कुल क्षेत्रफल 155.53 का आवासीय प्रयोजनार्थ पट्टा चाहने हेतु कृषि भूमि नियमन के तहत् आवेदन प्रस्तुत किया है। उक्त आवेदित भूखण्डे नियमन में संबंधित किसी व्यक्ति/संस्था को कोई आपति हो तो इस सूचना के प्रकाशन की दिनांक से 07 दिवस में इस कार्यालय को लिखित मे आपतियां/मय साक्ष्य/विवरण सहित कार्यालय समय में दर्ज करावें।

क्र. सं.	प्रार्थी का नाम	राजस्व ग्राम का नाम एवं खसरा नं व क्षेत्रफल	प्रस्तावित कृषि भूमि नियमन
1.	श्री कमालुदीन मंसूरी पुत्र श्री नौर मो. निवासी बजरंग कॉलोनी गांधीनगर मदनगंज किशनगढ़ जिला अजमेर	मदनगंज खसरा 248 155.53 वर्गगज	आवासीय प्रयोजनार्थ पट्टा चाहनें हेतु

आयुक्त,नगर परिषद, किशनगढ़।

कार्यालय नगर परिषद् किशनगढ़ (अजमेर) राजस्थान

क्रमांक: न.प.कि/कृषि भूमि नियमन /2025/5777 आम सूचना दिनांक: 30/12/25

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि नगर परिषद किशनगढ़ में राजस्व ग्राम मदनगंज के खसरा 234,235,236 का भूखण्ड संख्या 37 का कुल क्षेत्रफल 177.33 का आवासीय प्रयोजनार्थ पट्टा चाहने हेतु कृषि भूमि नियमन के तहत् आवेदन प्रस्तुत किया है। उक्त आवेदित भूखण्डे नियमन में संबंधित किसी व्यक्ति/संस्था को कोई आपति हो तो इस सूचना के प्रकाशन की दिनांक से 07 दिवस में इस कार्यालय को लिखित मे आपतियां/मय साक्ष्य/विवरण सहित कार्यालय समय में दर्ज करावें।

क्र. सं.	प्रार्थी का नाम	राजस्व ग्राम का नाम एवं खसरा नं व क्षेत्रफल	प्रस्तावित कृषि भूमि नियमन
1.	श्री अब्दुल रज्जाक पुत्र श्री अलावन्द खां निवासी लक्ष्मी नगर उटडा रोड मदनगंज किशनगढ़ जिला अजमेर	मदनगंज खसरा 234,235,236 177.33 वर्गगज	आवासीय प्रयोजनार्थ पट्टा चाहनें हेतु

आयुक्त,नगर परिषद, किशनगढ़।

मोक्षधामों की अव्यवस्थाओं पर ध्यान दे राज्य सरकार व प्रशासन : राठौड़

अजमेर,(कास)। पूर्व आरटीडीसी अध्यक्ष धर्मेंद्र राठौड़ ने ऋषि घाटी स्थित श्मशान स्थल पर सहित शहर के मोक्षधाम पर फैली अव्यवस्थाओं के लिए सरकार, जिला प्रशासन व नगर निगम प्रशासन का ध्यान आकर्षित किया और उन फैली अव्यवस्थाओं पर चिता जताते हुए जल्द निराकरण करने का आग्रह किया है। पूर्व आरटीडीसी अध्यक्ष धर्मेंद्र राठौड़ ने कहा कि उत्तर विधानसभा में ऋषि घाटी पर शहर का मुख्य श्मशान स्थल है, जहां कई वीआईपी व आम लोग अपने परिजनों का अंतिम संस्कार करने आते है। मोक्ष धाम पर अंतिम संस्कार के लिए काफी लोग आते है। लेकिन यहां पर फैली अव्यवस्था चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि

आज जब ऋषि घाटी श्मशान स्थल में वरिष्ठ अधिवक्ता व कांग्रेस नेता राजेश टंडन के बड़े पुत्र एडवोकेट मयंक टंडन के निधन पर अंतिम संस्कार में शामिल हुआ, जो बेहद भावुक पल था। यहां के शमशान स्थल पर फैली गंदगी व अव्यवस्थाओं को देखकर मन बेहद विचलित हुआ। यहां पर देखा गया कि इस श्मशान स्थल में जहां पर शव का अंतिम संस्कार किया जाता है, वहां पर गंदगी का आलम बना पसरा हुआ था। शमशान स्थल पर जलाए गए शवों की राख के जगह जगह लगे ढ़ेर पर पुरानी मालाएं, पुराने कपड़े आदि गंदगीनुमा सामान पड़े हुए थे। इतना ही नहीं आवारा कुत्तों के झुंड भी वही बैठे थे। शमशान स्थल पर पेयजल की भी पर्याप्त व्यवस्था नहीं हैं। उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा कि जब शहर के मुख्य मोक्ष धाम की ऐसी हालत है तो शहर के अन्य मोक्षधामों की क्या दशा होगी।

उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन व नगर निगम प्रशासन ऋषि घाटी श्मशान स्थल पर फैली अव्यवस्थाओं को सुधारकर पेयजल व सफाई की विशेष सुविधाएं की जाए ताकि मोक्षधाम पर अंतिम संस्कार करने के लिए आने वाले लोग परेशान नहीं हो और वें सुकून के साथ अंतिम संस्कार कर सके।

मोक्ष धामों पर फैली अव्यवस्थाओं पर पूर्व आरटीडीसी अध्यक्ष धर्मेंद्र राठौड़ ने जताई चिंता।

उन्होंने जिला प्रशासन से यह भी आग्रह किया कि एक विशेष अभियान चलाकर शहर के तमाम मोक्षधाम की अव्यवस्थाओं को सुधारने के कदम उठाए। ताकि शहरवासियों को मोक्षधाम पर माकूल व्यवस्थाएं मिल सके और वो परेशान नहीं हो।

पुष्कर में खुला वैकुंठ द्वार, नया रंग जी मंदिर में भक्तों की भीड़

पुष्कर, (निसं)। मंदिरों की नगरी पुष्कर स्थित रामानुज संप्रदाय के श्री रंगनाथ वेणुगोपाल पुराना रंगजी मंदिर एवं श्री रमा वैकुंठ नया रंगजी मंदिर में 10 दिवसीय वैकुंठ महोत्सव का शुभारंभ हुआ वैकुंठ एकादशी के साथ हुई शुरूआत जिसमें पहले दिन दोनों मंदिरों में वैकुंठ द्वार खोल कर भगवान की स्वर्ण मंगलगिरी पर सवारी निकाली गई।

पुराने रंगजी मंदिर के पुजारी आचार्य सृष्टि मिश्रा ने बताया कि मंदिर में 10 दिवसीय वैकुंठ महोत्सव के तहत मंगलवार को सुबह 5 बजे मंदिर का मुख्य वैकुंठ द्वार खुला तथा स्वर्ण मंगलगिरी पर भगवान की सवारी निकाली । मंदिर परिसर में रामानुज संप्रदाय के सभी प्रमुख आलवार संतो के विग्रह का वैदिक मंत्रोच्चारके बीच अभिषेक व पूजा की गई इसके अलावा प्रतिदिन सुबह अभिषेक व शाम को भगवान की सवारी निकलेगी तथा गोष्टी प्रसाद वितरित किया जाएगा।

नए रंगजी मंदिर में 9 बजे खुला वैकुण्ठ द्वार: नए रंगजी मंदिर के प्रबंधक सत्यनारायण रामावत ने बताया कि मंदिर में 10 दिवसीय सालाना वैकुंठ महोत्सव धूमधाम से मनाया गया। महोत्सव के पहले दिन सुबह 9 बजे मंदिर का साल भर से बंद वैकुंठ द्वार एक घंटे के लिए खोला गया। इस द्वार से पहले वैकुंठ भगवान की सवारी निकलेगी। इसके बाद श्रद्धालु द्वार से निकल कर भगवान के दर्शन किए। साथ ही इस मौके पर मंदिर के पुजारी रामानुज संप्रदाय के सभी संतों के विग्रहों का पूजन-अभिषेक किया ।बताया कि 10 दिवसीय महोत्सव के दौरान प्रतिदिन भगवान की सवारी निकाली जाएगी तथा आलवार संतों के विग्रह का पूजन-अभिषेक समेत अनेक धार्मिक कार्यक्रम होंगे। वैकुंठ द्वारा से निकलने के लिए भक्तों की भीड़ उमड़ पड़ी।

ओबीसी वर्ग के संबंध में संवाद कार्यक्रम आज

भीलवाड़ा(निसं)। सचिव (सलाहकार) राजस्थान राज्य अन्य पिछड़ा वर्ग (राजनैतिक प्रतिनिधित्व) आयोग के निर्देशानुसार राज्य में अन्य पिछड़ा वर्ग के पिछड़ेपन के संबंध में जिला मुख्यालय पर 31 दिसंबर को दोपहर 02.30 बजे से आमजन के साथ जनसुनवाई (संवाद कार्यक्रम) आयोजित किया जायेगा। इस दौरान आमजन, राजनैतिक व्यक्तियों, हितबद्ध व्यक्तियों एवं संस्थाओं के विचार जानने के लिए उनके साथ चर्चा की जायेगी जिला कलक्टर जसमीत सिंह संधू ने आदेश जारी कर जनसुनवाई हेतु जिले के ग्रामीण क्षेत्रों से संबंधित कार्यवाही के लिए मुख्य कार्यकारी अधिकारी, जिला परिषद एवं शहरी क्षेत्रों हेतु आयुक्त नगर निगम को नोडल अधिकारी नियुक्त किया है।

विधायक कोठारी ने किया निर्माणाधीन रेलवे अंडरब्रिज का निरीक्षण

भीलवाड़ा(निसं)। शहर की यातायात व्यवस्था को सुगम बनाने और पटरी पार क्षेत्र के निवासियों को राहत देने के उद्देश्य से भीलवाड़ा विधायक अशोक कोठारी की अनुशंसा से सुखाड़िया सर्किल के समीप रेलवे अंडरब्रिज पर नगर विकास न्यास द्वारा बनाई जा रही सी.सी. रोड के निर्माण कार्य का मौके पर पहुंचकर बारीकी से अवलोकन किया।निरीक्षण के दौरान विधायक कोठारी ने निर्माण की गुणवत्ता को परखा और मौके पर मौजूद नगर विकास न्यास के अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि सी.सी. रोड के निर्माण कार्य को युद्धस्तर पर पूरा किया जाए ताकि आमजन को जल्द राहत मिल सके। मानसून और सामान्य दिनों में अंडरब्रिज में होने वाले जलभराव की समस्या का स्थाई तकनीकी समाधान निकाला जाए ताकि भविष्य में वाहन चालकों को परेशानी न हो।

'न्याय की जीत जनता की जीत' सुप्रीम कोर्ट के फैसलों का स्वागत

अजमेर, (कासं)। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश की बेंच ने अरावली पहाड़ी को लेकर जो व्याख्या की व आदेश दिए उसमे 100 मीटर ऊँची पहाड़ी को ही अरावली माना है। यह आदेश केन्द्र सरकार की आधिकारिक रिपोर्ट को मानते हुए सुप्रीम कोर्ट ने दिए। इस निर्णय के खिलाफ उठे जनाक्रोश व कांग्रेस के देशव्यापी आन्दोलन पर न्यायालय ने स्वत: संज्ञान लिया और अपने ही आदेश पर रोक लगा दी। इसको लेकर पूर्व आरटीडीसी चैयरमैन धर्मेन्द्र राठौड़, पूर्व विधायक डॉ. श्रीगोपाल बाहेती और पूर्व विधायक व शहर कांग्रेस अध्यक्ष डॉ. राजकुमार जयपाल ने सुप्रीम कोर्ट के इस संज्ञान का स्वागत किया है और सुप्रीम कोर्ट के स्टे पर धन्यवाद दिया है। पूर्व विधायक डॉ. गोपाल बाहेती ने कहा कि अब केन्द्र सरकार अरावल पर्वत माला को बचाने के लिए सुप्रीम कोर्ट ने निर्देशों पर कार्य करे। वहीं डॉ. जयपाल ने कहा कि अरावली की परिभाषा बदलने से संबंधित पुराने फैसले पर रोक लगाकर सुप्रीम कोर्ट ने यह साबित कर दिया है कि न्यायालय इस गंभीर विषय को पूरी संवेदनशीलता के साथ देख रहा है। साथ ही, पूर्व में की गई टिप्पणी पर रोक लगाकर न्यायालय ने निष्पक्षता और संतुलन का परिचय दिया है। यह निर्णय जनता की आवाज़ का सम्मान है, अरावली की पुकार को सुनने का प्रमाण है और खनन माफियाओं के मंसूबों पर करारा प्रहार है। उन्होंने अरावली को बचाने के लिए संघर्ष और आंदोलन करने वाले जिले के हर कांग्रेस कार्यकर्ता का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि कांग्रेस को पूर्ण विश्वास है कि जनवरी में आने वाला अंतिम निर्णय भी जनभावनाओं और पर्यावरण संरक्षण के पक्ष में ही होगा। आवश्यकता पड़ने पर बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर जी द्वारा संविधान में दिए गए संघर्ष और आंदोलन के अधिकार के तहत कांग्रेस जनता के साथ मजबूती से खड़ी रहेगी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे जी और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी जी के नेतृत्व में जनता की हर लड़ाई लड़ी जाएगी।

■ **पूर्व विधायक डॉ. गोपाल बाहेती ने कहा कि अब केन्द्र सरकार अरावली पर्वत माला को बचाने के लिए सुप्रीम कोर्ट ने निर्देशों पर कार्य करे**

कार्यालय आवासीय अभियन्ता, राजस्थान आवासन मण्डल, अजमेर

क्रमांक : 1914 जाहिर आम सूचना दिनांक-29.12.25

राजस्थान आवासन मण्डल आवास संख्या 3-क-17, आनासागर सरक्यूलर रोड,अजमेर क्षेत्रफल 120.00 वर्ग मीटर मूल आवंटी श्री मिर्चूमल फुलवानी पुत्र श्री चेतनदास फुलवानी को आवंटित कर दिनांक 09.12.1983 को आवास का भौतिक कब्जा सौंपा गया था। श्री मिर्चूमल फुलवानी पुत्र श्री चेतनदास फुलवानी द्वारा दिनांक 09.02.1993 को उप पंजीयक कार्यालय द्वारा उक्त आवास का पंजीयन करवा लिया गया है। श्री मिर्चूमल फुलवानी पुत्र श्री चेतनदास फुलवानी द्वारा मुख्यत्यारनामा श्री नारायण दास पुत्र श्री लालचन्द मंशारामानी के पक्ष में निष्पादित किया गया था। पुन: श्री नारायण दास पुत्र श्री लालचन्द मंशारामानी बहैसियत मुख्त्यारआम श्री मिर्चूमल फुलवानी पुत्र श्री चेतनदास फुलवानी द्वारा आवास का बेचान श्रीमती लाजवन्ती पत्नि श्री नारायण दास लालचन्द मंशारामानी को दिनांक 11.03.1993 को कर दिया गया। जो कि पंजीयन विभाग की पुस्तक संख्या 01 जिल्द संख्या 1219 में क्रम संख्या 390 पृष्ठ संख्या 207 से 208 पर पंजीबद्ध किया गया। तथा अतिरिक्त पुस्तक संख्या 01 जिल्द संख्या 1642 के पृष्ठसंख्या 8 से 14 पर दिनांक 11.03.1993 को चस्पा किया गया। श्रीमती लाजवन्ती पत्नि श्री नारायण दास लालचन्द मंशारामानी ने उक्त आवास से संबंधित विक्रय चैनल प्रस्तुत कर स्वयं के नाम दोहरा पंजीयन उपरांत नाम हस्तान्तरण करने हेतु प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया है। श्रीमती लाजवन्ती पत्नि श्री नारायण दास लालचन्द मंशारामानी का नाम मण्डल रिकार्ड में प्रतिस्थापन की कार्यवाही विचाराधीन है। अत: उक्त कार्यवाही से किसी भी व्यक्ति को कोई आपति हो तो इस जाहिर आम सूचना की विज्ञप्ति के प्रकाशन के 10 दिवस में अपनी उजरदारी / आपत्ति मय सबूत एवं पहचान के दस्तावेज के साथ इस कार्यालय में प्रस्तुत कर सकते है। बाद मियाद गुजरने पश्चात् कोई आपत्ति स्वीकार नहीं होगी, नाम प्रतिस्थापन की अग्रिम कार्यवाही सम्पादित कर दी जावेगी।

-सहायक प्रशासनिक अधिकारी, राजस्थान आवासन मण्डल, खण्ड- अजमेर

कार्यालय आवासीय अभियन्ता, राजस्थान आवासन मण्डल, अजमेर

क्रमांक : 1921 जाहिर आम सूचना दिनांक-29.12.25

राजस्थान आवासन मण्डल आवास संख्या 3/210, पंचशील अजमेर क्षेत्रफल 210.00 वर्ग मीटर मूल आवंटी श्रीमती अंशुमा कुमार पत्नि श्री अविनाश कुमार एवं अविनाश कुमार पुत्र श्री एम.सी. माथुर को आवंटित कर दिनांक 13.02.2003 को आवास का भौतिक कब्जा सौंपा गया था। श्रीमती अंशुमा कुमार एवं अविनाश कुमार द्वारा दिनांक 22.03.2013 को उप पंजीयक कार्यालय द्वारा आवास का पंजीयन करवा लिया गया है। श्री अविनाश कुमार माथुर की मृत्यु दिनांक 21.11.2019 को हो चुकी है। अब श्रीमती अंशुम कुमार पत्नि स्व. श्री अविनाश कुमार माथुर एवं श्री अर्पित माथुर पुत्र स्व. श्री अविनाश कुमार माथुर द्वारा आवास का बैचान श्रीमती प्रीति थदानी पत्नि श्री सुरेश कुमार थदानी को दिनांक 01.07.2025 को कर दिया गया। मण्डल द्वारा दिनांक 20.09.2025 श्रीमती प्रीति थदानी पत्नि श्री सुरेश कुमार थदानी के पक्ष में नामान्तरण के आदेश जी किये गये। पुन: श्रीमती प्रीति थदानी द्वारा आवास का बैचान श्री पवन कुमार तीर्थानी पुत्र श्री देवीदास तीर्थानी जरिये मुख्त्यारखास श्री देवीदास तीर्थानी पुत्र श्री कनया लाल को दिनांक 15.10.2025 किया गया। जो कि पंजीयन विभाग की पुस्तक संख्या 01 जिल्द संख्या 2312 में पृष्ठ संख्या 111 क्रम संख्या 20253001106713 पर पंजीबद्ध किया गया। तथा अतिरिक्त पुस्तक संख्या 01 जिल्द संख्या 6242 के पृष्ठ संख्या 265 से 277 पर दिनांक 15.10.2025 को चस्पा किया गया है। अब श्री पवन कुमार तीर्थानी पुत्र श्री देवीदास तीर्थानी ने उक्त आवास से संबंधित विक्रय चैनल प्रस्तुत कर स्वयं के नाम दोहरा पंजीयन उपरांत नाम ह स्तान्तरण करने हेतु प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया है। श्री पवन कुमार तीर्थानी पुत्र श्री देवीदास तीर्थानी का नाम मण्डल रिकार्ड में प्रतिस्थापन की कार्यवाही विचाराधीन है। अत: उक्त कार्यवाही से किसी भी व्यक्ति को कोई आपति हो तो इस जाहिर आम सूचना की विज्ञप्ति के प्रकाशन के 10 दिवस में अपनी उजरदारी / आपत्ति मय सबूत एवं पहचान के दस्तावेज के साथ इस कार्यालय में प्रस्तुत कर सकते है। बाद मियाद गुजरने पश्चात् कोई आपत्ति स्वीकार नहीं होगी, नाम प्रतिस्थापन की अग्रिम कार्यवाही सम्पादित कर दी जावेगी।

-सहायक प्रशासनिक अधिकारी, राजस्थान आवासन मण्डल, खण्ड- अजमेर

अकबरपुर रेंज के बेरा गांव में बाघों का मूवमेंट, ग्रामीणों में दहशत

बाघों की मौजूदगी के कारण ग्रामीण रातभर सो नहीं पा रहे हैं

अलवर, (निसं)। सरिस्का बाघ परियोजना की अकबरपुर रेंज के बेरा गांव में बाघों की लगातार आवाजाही से ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। बाघों की मौजूदगी के कारण ग्रामीण रातभर सो नहीं पा रहे हैं। स्थिति इतनी बिगड़ गई कि परेशान ग्रामीणों ने गांव में स्थित वन विभाग की चौकी का घेराव कर दिया।

जानकारी के अनुसार बाघ की दहशत से परेशान ग्रामीण देर रात एकजुट होकर चौकी पर पहुंचे। मौके पर फॉरेस्टर और गांव के स्थानीय सरपंच भी मौजूद थे, जिनकी समझाइश के बाद ग्रामीण शांत हुए। ग्रामीणों का कहना है कि बेरा गांव के आसपास आए दिन बाघ घूमते रहते हैं, जिससे उनकी जान को हर समय खतरा बना रहता है। ग्रामीणों ने बताया कि सोमवार शाम को ग्वाले बकरियां चराकर लौट रहे थे, तभी अचानक

सरिस्का बाघ परियोजना की अकबरपुर रेंज के बेरा गांव के लोग बाघों के मूवमेंट से दहशत में हैं।

एक बाघिन अपने दो शावकों के साथ उनके सामने आ गई। इसी दौरान एक बकरी आगे आ गई, जिस पर बाघिन ने झपट्टा मारकर उसे मार डाला। ग्वालों

- **परेशान ग्रामीणों ने गांव में स्थित वन विभाग की चौकी का घेराव किया, ग्रामीणों ने मांग की है कि या तो उन्हें बाघों से सुरक्षा प्रदान की जाए या फिर उन्हें सुरक्षित स्थान पर विस्थापित किया जाए**
- **ग्रामीण लंबे समय से बेरा गांव से विस्थापन की मांग कर रहे हैं और किसी अन्य सुरक्षित स्थान पर बसने को तैयार हैं**

का कहना है कि यदि बकरी बीच में नहीं आती तो कोई बड़ा हादसा हो सकता था। शोर मचाने पर अन्य ग्रामीण मौके पर पहुंचे, जिसके बाद बाघिन अपने शावकों के साथ जंगल की ओर चली गई। ग्रामीण लंबे समय से बेरा गांव से विस्थापन की मांग कर रहे हैं और किसी अन्य सुरक्षित स्थान पर बसने को तैयार हैं। उनका आरोप है कि संबंधित विभाग इस ओर ध्यान नहीं दे रहा है। ग्रामीणों ने मांग की है कि या तो उन्हें बाघों से सुरक्षा प्रदान की जाए या फिर उन्हें सुरक्षित स्थान पर विस्थापित किया जाए।

वन विभाग के कर्मचारी वीरेंद्र ने बताया कि यह घटना सोमवार शाम करीब 4:30 बजे की है। क्षेत्र में बाघिन अपने दो शावकों के साथ मौजूद थी। उन्होंने बताया कि इस इलाके में कुल चार बाघों की आवाजाही रहती है। विभाग द्वारा क्षेत्र में लगातार निगरानी की जा रही है।

बजरी भरे दो ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त, जुर्माना लगाया

अलवर, (निसं)। अलवर शहर के अरावली विहार और अखैपुरा थाना पुलिस ने अलग-अलग जगहों पर अवैध बजरी से भरे दो ट्रैक्टरों को जब्त किया है। पुलिस ने खनन विभाग को सूचित किया, जिसके बाद सवा-सवा लाख रुपए की पैनल्टी लगाई गई है।

अरावली विहार थानेदार प्रभारी रामेश्वर ने बताया कि रात्रि गश्त के दौरान एएसआई शंकर लाल को सूचना मिली थी कि मालवीय नगर की ओर से एक ट्रैक्टर बजरी भरकर आ रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और ट्रैक्टर-ट्रॉली को रोककर जांच की। जब ड्राइवर से बजरी से संबंधित वैध कागजात मांगे गए तो वह कोई भी कागज नहीं दे सका। इस पर पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए ट्रैक्टर-ट्रॉली को जब्त कर लिया और खनन विभाग को सूचना दी। खनन विभाग ने मामले की जांच के बाद सवा लाख रुपए की पेनल्टी निर्धारित की। वहीं अखैपुरा थाना पुलिस ने भी अवैध बजरी परिवहन के एक अन्य मामले में कार्रवाई करते हुए ट्रैक्टर-ट्रॉली को जब्त किया। इस प्रकरण में भी खनन विभाग ने नियमानुसार सवा लाख रुपए की पैनल्टी लगाई है।

लिव-इन में रह रहे युवक की संदिग्ध अवस्था में मौत

कोटा, (निसं)। कुन्हाड़ी थाना इलाके में लिव-इन रिलेशनशिप में रह रहे एक युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है। मामले में लड़के के पिता मंगलवार को कोटा पहुंचे और उन्होंने पूरे मामले में जांच की मांग की है। उनका दावा है कि उनके लड़के की मौत संदिग्ध है।

कुन्हाड़ी थाना इंचार्ज ने बताया कि मामले में सामने आया कि शुभम तिवारी (31) को उपचार के लिये अस्पताल में लाया गया था, जहां पर चिकित्सकं ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक के शव को मोर्चरी में शिफ्ट करवा दिया और युवक के परिजनों को सूचना दी गई थी। मंगलवार को मृतक के परिजनों के कोटा पहुंचने के बाद मृतक के शव का पोस्टमार्टम कराया गया। पुलिस ने बताया कि मामले में जिस भी तरह की शिकायत परिजन कर रहे हैं, उस रिपोर्ट व पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई की जाएगी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर युवक की मौत का कारण का पता चल सकेगा, युवक पिछले कई सालों से कोटा में महिला के साथ में रह रहा था।

थाना इंचार्ज ने बताया कि शुभम तिवारी मूल रूप से यूपी के इटावा निवासी है। वह कोटा में ही कुन्हाड़ी इलाके की बालिता रोड स्थित एक मल्टी स्टोरी बिल्डिंग में हरियाणा के चंडीगढ़ निवासी 45 वर्षीय महिला के साथ रहता था। पुलिस ने बताया कि महिला युवक को अपना पति बता रही है, महिला ने पुलिस को बताया है कि शुभम की तबीयत रविवार देर रात अचानक खराब हो गई थी, जिसके बाद उसे अस्पताल ले जाया गया। वह रात में खाना खाकर सोए थे और उसके बाद सुबह अचानक उनकी तबीयत बिगड़ी थी। वहीं मृतक के परिजनों का कहना है कि अभी शादी नहीं हुई थी। मामला दर्ज कर मामले की हर पहलू पर जांच की जा रही है।

राजस्थान सरकार
कार्यालय अधिशाषी अभियंता, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, बीकानेर
स्वास्थ्य भवन त्यागी वाटिका जेल वैल, बीकानेर
फोन-0151-2201142 email:eemhbikaner@ymail.com
क्रमांक-EE/M&H/BKN/2025-26/2908 दिनांक- 25.12.2025
ई-टेण्डरिंग निविदा सूचना संख्या-54/2025-26
निम्नहस्ताक्षरकर्ता द्वारा राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से जिला बीकानेर में कुल रू. 103.96 लाख के 02 उप स्वास्थ्य केन्द्र के कासर्य हेतु निविदा में बताये अनुसार श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष उपर्युक्त सिविल श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग एवं राज्य सरकार/केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों/केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग/डाक एवं दूर संचार विभाग/रेल्वे/एमईएस इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों जो कि राजस्थान सरकार के उपयुक्त सिविल श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेंट निविदायें आमंत्रित की जाती ह। अल्पकालीन निविदा से सम्बन्धित विवरण DIPR की वेबसाईट www.dipronline.org, http://eproc.rajasthan.gov.in व विभागीय वेब साईट http://rajswasthya.nic.in पर देखा जा सकता है।
UBN - 1. NRH2526WSOB02000, 2. NRH2526WSOB02001
(शिम्भू राम जाटव)
अधिशाषी अभियन्ता
चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, बीकानेर
DIPR/C/19252/2024

श्रीगंगानगर में केक बेचकर गुजारा करने वाले से 50 लाख की फिरौती मांगी

कॉल करने वाले ने स्वयं को विशाल पचार बताते हुए फिरौती की मांग की

श्रीगंगानगर, (निसं)। विशाल पचार के नाम पर एक केक बनाकर सप्लाई देने वाले से 50 लाख रुपए की फिरौती मांगी गई है। पीड़ित की ओर से सदर थाने में परिवाद दिया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। हनुमानगढ़ रोड की एक कॉलोनी निवासी 34 वर्षीय युवा पीड़ित ने पुलिस को परिवाद दिया है।

परिवाद में बताया है कि वह अपने परिवार के साथ किराए के मकान में रहता है। घर में केक बनाकर ऑन ऑर्डर सप्लाई करके गुजारे लायक रुपए कमाता है। उसके मोबाइल पर 26 दिसंबर रात करीब साढ़े दस बजे नए नंबरों से वाट्सऐप कॉल आई। कॉल करने वाले ने स्वयं को विशाल पचार बताते हुए 50 लाख रुपए की फिरौती मांगी। पीड़ित ने जब कहा कि उसके पास तो 50 हजार रुपए भी नहीं हैं, 50 लाख कहां से लाकर देगा। इस पर कॉलर ने कहा कि सारी रिपोर्ट है, रुपए तो देने ही पड़ेंगे। इसके बाद 27 दिसंबर को दिन में वाट्सऐप पर दो ऑडियो रिकॉर्डिंग भेजे गए। 36 और 10 सेकंड के इन ऑडियो में बोलने वाले ने खुद को विशाल पचार बताते हुए धमकी दी कि वह अपना वहम निकाल दे। रुपयों का इंतजाम करके रखे, नहीं तो नुकसान हो जाएगा। पीड़ित के अनुसार उसके पास फिर से दो बार वाट्सऐप कॉल आई, लेकिन पीड़ित ने बात नहीं की।

पुलिस सूत्रों के अनुसार जिस नंबर से कॉल की गई हैं, वह विदेशी है। मामले की जांच की जा रही है। इससे पहले भी विशाल पचार के नाम से अबोहर के मोबाइल कारोबारी से 50 लाख रुपए की फिरौती मांगी गई थी। इस संबंध में सितंबर माह में कोतवाली थाने में मामला दर्ज हुआ। पुलिस जांच की गई तो अबोहर तहसील क्षेत्र के तीन युवकों को गिरफ्तार किया गया। इससे भी पहले रेडीमेड गारमेंट का कारोबार करने वाले सेतिया कॉलोनी निवासी युवक को भी विशाल पचार के नाम से धमकी देकर 50 लाख रुपए मांगे गए थे। यह परिवार भी किराए के मकान में रहता है और बैंक लोन से चार माह पूर्व ही शहर में रेडीमेड गारमेंट की दुकान शुरू की थी। पुलिस की पूर्व में हुई दोनों जांच में विशाल पचार नामजद है लेकिन गिरफ्तारी नहीं हो पाई है।

निर्माण कार्य के दौरान मलबा गिरने से दो मजदूरों की मौत

जोधपुर, (कासं)। फलोदी जिले के बाप थाना क्षेत्र के देदासरी गांव में प्रवेश द्वार निर्माण कार्य के दौरान अचानक मलबा गिरने से दो मजदूरों की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि एक मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गया। मृतक मजदूर व घायल मध्य प्रदेश के बताए जा रहे हैं।

जानकारी के अनुसार, देदासरी ग्राम पंचायत में तालाब के पास सड़क मार्ग पर बड़े प्रवेश द्वार का निर्माण कार्य चल रहा है। निर्माण कार्य के दौरान अचानक प्रवेश द्वार का एक हिस्सा भरभरा कर गिर गया। मलबा गिरने से वहां काम कर रहे मजदूर दब गए। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। बाप थाना पुलिस मौके पर पहुंची और राहत

- **एक मजदूर घायल, मध्य प्रदेश के बताए जा रहे हैं**

कार्य शुरू किया। मृतकों के शव को बाप मोर्चरी भेजा गया, जबकि घायल मजदूर को बाप अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है।

पुलिस ने बताया कि मृतक और घायल मजदूर मध्य प्रदेश के निवासी हैं और निर्माण कार्य में लगे हुए थे। हादसे के कारणों की जांच की जा रही है। इस घटना के बाद प्रशासन में भी हड़कंप मच गया। प्रशासन ने कहा कि निर्माण कार्य के दौरान सुरक्षा मानकों का पालन किया गया था या नहीं, इसकी जांच होगी। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

कार्यालय नगर निगम, उदयपुर
टाउनहॉल लिंक रोड, उदयपुर (राज.) 313001
दुरभाष स.0294-2421255, 2420013, Helpline no. 0294-2426262 वेबसाइट. www-udaipurmc.org
क्रमांक : निविजा/2025-26/ई -33 दिनांक :- 26.12.2025
(ई-भुगतान) बोली आमन्त्रण सूचना संख्या - ई 33/2025-26
नगर निगम कार्यालय उदयपुर द्वारा विभिन्न विकास कार्यो हेतु कुल राशि रु0 42.55 लाख के कुल 01 कार्यो हेतु इच्छुक निविदादाताओं से निर्धारित निविदा प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेन्ट प्रक्रिया के तहत निविदा आमंत्रित की जाती है निविदा के कार्यो की प्रारम्भ तिथि 26.12.2025 एवं अंतिम तिथि 07.01.2026 तथा निविदा खुलने की तिथी 08.01.2026 रहेगी निविदा से संबंधित अन्य समस्त विवरण इंटरनेट साईट www.eproc.rajasthan.gov.in, www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखे जा सकते है।
UBN No. UNP2526WSOB00126
अधीक्षण अभियन्ता
नगर निगम, उदयपुर
राज.संवाद/सी/25/16636

कार्यालय नगरपरिषद, करौली (राज0)
Phone no. 07464-294024 Email id np.karauli@yahoo.com
क्रमांकः नपरिक0/2025-26/4403 दिनांकः 19.12.2025
ई - निविदा सूचना
सर्वसाधारण एवं उपर्युक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों को सूचित किया जाता हैं कि नगरपरिषद करौली 01 वर्ष की अवधि हेतु सम्पूर्ण सफाई व्यवस्था हेतु सफाई श्रमिक उपलब्ध कराने के कुल कार्य हेतु टैण्डर (निविदाऐं) करना चाहती हैं, जिस हेतु उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से ई टैण्डरिंग के माध्यमसे ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती हैं। निविदा का विवरण व शर्तें www.sppp.raj.gov.in पर देखा जा सकता हैं एवं निविदा प्रक्रिया में www.eproc.rajasthan.gov.in के माध्यम से भाग लिया जा सकता हैं।

कुल निविदा कार्य	नगरपरिषद करौली की जॉनवाईज सम्पूर्ण सफाई व्यवस्था कराने के कुल कार्य- 03
निविदा की लागत	147.00 लाख
धरोहर राशि	प्रत्येक कार्य की अनुमानित लागत की 2 प्रतिशत
ऑनलाईन निविदा फॉर्म मिलने /डाउनलोड की तारीख	24.12.2025 समय 2:00 पीएम0 से 16.01.2026 समय 6:00 पीएम0 तक
ऑनलाईन निविदा फॉर्म जमा कराने की अन्तिम तिथि	16.01.2026 समय 6:00 पीएम0 तक
ई - प्रोक्योरमेंट पोर्टल पर प्राप्त टैण्डरों की बिड खोलने की तिथि	19.01.2026 समय 1:00पीएम0
निविदा शुल्क	प्रत्येक कार्य हेतु 1000/-रूपये
निविदा प्रोसेसिंग शुल्क	प्रत्येक कार्य हेतु 500/-रूपये
निविदा प्रपत्र व शर्तें डाउनलोडिंग बेबसाईट	eproc.rajasthan.gov.in
कार्य की समयावधि	1 वर्ष
UBN. -	1. DLB2526WSOB28387 2. DLB2526WSOB28388 3. DLB2526WSOB28389

राज.संवाद/सी/25/16731
सभापति, नगरपरिषद, करौली
आयुक्त, नगरपरिषद, करौली

रामगढ़ विषधारी टाइगर रिज़र्व में पैंथर की मौत

बूंदी, (निसं)। जिले के रामगढ़ विषधारी टाईगर रिजर्व की बूंदी रेंज के खटकड़ क्षेत्र में एक पैंथर की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। प्रथम दृष्टया पैंथर की मौत बीमारी के चलते होना प्रतीत हो रही है। हालांकि वास्तविक कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा। ग्रामीणों ने वन अधिकारियों को पैंथर के घायल अवस्था में होने की सूचना दी थी, जिस पर वन विभाग की टीम तत्काल मौके पर पहुंची थी।

डीएफओ अरुण कुमार ने बताया कि खटकड़ इलाके में पैंथर के असामान्य व्यवहार और सही मूवमेंट नहीं कर पाने की सूचना पर वन विभाग ने पैंथर की निगरानी के लिए टीम भेजी थी, जहां इलाज के उद्देश्य से पैंथर को ट्रेंकुलाइज करने की तैयारी की जा रही थी। इसी दौरान ट्रेंकुलाइज की प्रक्रिया में जुटी टीम को पैंथर झाड़ियों में मृत अवस्था में पड़ा मिला। वन विभाग ने मौके से पैंथर को कब्जे में लेकर आवश्यक प्रक्रिया शुरू की।

डीएफओ अरुण कुमार ने बताया कि पैंथर के शरीर पर किसी भी प्रकार के बाहरी चोट के निशान नहीं पाए गए हैं। उन्होंने बताया कि पैंथर का पोस्टमार्टम बूंदी वन विभाग की हनुमंत वाटिका में मेडिकल बोर्ड द्वारा कराया गया है, ताकि

- **प्रथमदृष्टया पैंथर की मौत बीमारी के चलते होना माना जा रहा है**
- **ट्रेंकुलाइज की प्रक्रिया में जुटी टीम को पैंथर झाड़ियों में मृत अवस्था में मिला**

किसी भी तरह की आशंका को दूर किया जा सके। इन्होंने बताया कि क्षेत्र में वन्य जीवों की निगरानी और सुरक्षा को लेकर विभाग पूरी तरह से गंभीर है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। किसी प्रकार की लापरवाही या अन्य कारण सामने आने पर नियमानुसार कदम उठाए जाएंगे।

पैंथर की बड़ी संख्या है विषधारी टाइगर रिजर्व में:- रामगढ़ विषधारी टाइगर रिजर्व क्षेत्र में पैंथरों की अच्छी-खासी संख्या मौजूद है। रामगढ़ विषधारी टाइगर रिजर्व क्षेत्र वन्य जीवों के लिहाज से महत्वपूर्ण है। ऐसे में एक पैंथर की संदिग्ध मौत से वन्यजीव प्रेमी और पर्यावरण से जुड़े लोग निराश हैं। अभी पिछले दिनों ही रिजर्व क्षेत्र में पैंथरों के फंदे में फंसने जैसी घटनाएं भी सामने आई थी।

मासूम की हत्या की आरोपी मां के खिलाफ कोर्ट में चार्जशीट पेश

अजमेर, (कासं)। गत सितंबर माह में आनासागर झील में तीन साल की मासूम काव्या को आनासागर झील में डुबोकर हत्या के मामले में क्रिश्चियनगंज थाना पुलिस ने जांच पूरी कर आरोपी मां अंजलि सिंह उर्फ प्रिया के खिलाफ अदालत में चार्जशीट पेश कर दी है। अब इस प्रकरण का ट्रायल 6 जनवरी से शुरू होगा। पुलिस ने चार्जशीट में सीसीटीवी फुटेज, चश्मदीद गवाह और एफएसएल रिपोर्ट को मुख्य आधार बनाया है।

घटना सितंबर में आनासागर झील की पुरानी चौपाटी क्षेत्र की है, जहां सुबह

- **आनासागर झील की पुरानी चौपाटी क्षेत्र में झील में बच्ची का शव तैरता मिला था**

झील में बच्ची का शव तैरता मिला था। इससे एक दिन पहले अंजलि और उसके साथ मौजूद युवक अल्केश गुप्ता को पुलिस ने संदिग्ध हालात में डिटेन कर पूछताछ की थी। दोनों ने बच्ची के गुम होने की कहानी सुनाई, लेकिन अगले दिन शव मिलने के बाद पुलिस का शक गहरा गया। जांच में सामने आया कि घटना स्थल और आसपास लगे कैमरों में अंजलि अपनी पुत्री काव्या के साथ नजर आई थी। पूछताछ के दौरान अंजलि बार-बार बयान बदलती रही। पुलिस के अनुसार सख्ती से पूछताछ पर उसने बच्ची को झील में धक्का देने की बात स्वीकार की। इसके बाद उसे गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया था। आरोपी पिछले करीब चार महीने से केंद्रीय कारागृह में बंद है। मामले का एक अहम पहलू यह भी रहा कि आरोपी को निजी स्तर पर पैरवी के लिए वकील नहीं मिला। अदालत की प्रक्रिया के तहत विधिक सेवा प्राधिकरण ने आरोपी की ओर से पैरवी के लिए अधिवक्ता महेन्द्र चौधरी को नियुक्त किया है। पुलिस जांच में प्रेमी अल्केश गुप्ता की भूमिका को लेकर भी पड़ताल हुई, लेकिन पर्याप्त साक्ष्य नहीं मिलने पर उसे क्लीनचिट दी गई। चार्जशीट में मुख्य आरोपी अंजलि को ही माना गया है। जांच में यह भी सामने आया कि अंजलि पूर्व में पति से अलग रह रही थी और अजमेर आने से पहले बनारस में रहने के दौरान उसके अल्केश से संबंध बने।

आधी ड्यूटी स्कूल में देकर बच्चों का कोर्स पूरा करवाएं बीएलओ

बीकानेर, (निसं)। राजस्थान में शैक्षणिक सत्र को 1 जुलाई से हटाकर 1 अप्रैल से शुरू करने के फैसले के पीछे शिक्षा विभाग खुद यह स्वीकार कर रहा है कि विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है। बावजूद इसके, विभाग ने न तो पाठ्यक्रम में किसी तरह की कटौती की है और न ही छात्रों पर बढ़ते शैक्षणिक दबाव को कम करने का कोई ठोस कदम उठाया है। अब प्रदेशभर में बीएलओ के रूप में काम कर रहे टीचर्स को आदेश दिया गया है कि वो आधी ड्यूटी स्कूल में देकर बच्चों का कोर्स पूरा करवाएं।

शासन सचिव कृष्ण कुणाल की ओर से जारी आदेश में स्पष्ट उल्लेख है कि सत्र परिवर्तन के कारण विद्यालयों में 20 से 22 दिनों का शैक्षणिक नुकसान हुआ

- **प्रदेशभर में बीएलओ के रूप में काम कर रहे टीचर्स को आदेश दिया**

है और शिक्षण दिवस कम हुए हैं। इसके बाद भी विभाग ने पूरे पाठ्यक्रम को तय समय में पूरा कराने के निर्देश जारी कर दिए हैं। शिक्षा विभाग का समाधान यह है कि बीएलओ (बूथ लेवल ऑफिसर) के रूप में चुनावी दायित्व निभा रहे शिक्षक आधे दिन अनिवार्य रूप से स्कूल में उपस्थित रहें और पाठ्यक्रम समय पर पूरा कराएं। इसके बाद भी सरकारी स्कूल में पाठ्यक्रम पूरा होगा, इस पर ही सवाल खड़े हो रहे हैं।

बीएलओ शिक्षक पहले से ही मतदाता सूची पुनरीक्षण और चुनावी कार्यों में लगे रहते हैं। अब उनसे अपेक्षा की जा रही है कि वे आधे दिन स्कूल में रहकर पढ़ाई भी संभालें। इस आदेश के बाद ग्रामीण क्षेत्र में काम कर रहे टीचर्स के लिए ज्यादा समस्या है क्योंकि वो दूर गांव से वापस स्कूल तक कैसे पहुंचेंगे। पूरे पाठ्यक्रम को कम समय में पूरा करने का सीधा असर विद्यार्थियों पर पड़ेगा। विभाग ने आदेश में ये भी स्वीकार किया है कि पीरियड नहीं लगने के कारण कोर्स पूरा नहीं हो पाया। अब जब एग्जाम में महज सवा महीना शेष रह गया है, ऐसे में सिलेबस कैसे पूरा होगा। इसमें भी सर्दी की छुट्टियां अभी चल रही है और तेज सर्दी पड़ी तो फिर छुट्टियां हो जाएगी।

कार्यालय अधिशाषी अभियंता, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग, खण्ड-जालोर
Tel: 02973-222272, Email: ee.jal.phed@rajasthan.gov.in. xen_jal@yahoo.com
क्रमांक- वृत्त/जालोर/निविदा/ /2025-26/ दिनांक-
बिड आमंत्रण सूचना (NIB) संख्या 59-61/2025-26
राजस्थान के राज्यपाल की ओर से निम्नलिखित कार्यो हेतु लोक निर्माण और वित्तीय नियम के पार्ट-4 नियम 334 (ए) (iii) के तहत रू. 150.00 लाख तक की निविदाओं हेतु केवल जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग मं पंजीकृत एवं इससे अधिक लागत की निविदाओं हेतु जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग में पंजीकृत निविदादाताओं हतु नियमानुसार छूट के साथ एवं केन्द्र/राज्य सरकार के अधिकृत विभागों/संगठनां, केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग, रेल, डाक, दूर संचार विभागों मे उपयुक्त समकक्ष श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से पूर्ण धरोहर राशि के साथ ई-टेण्डरिंग प्रक्रिया द्वारा निम्नऑनलाईन बिड आमंत्रित की जाती है-

बिड संख्या	NIB NO. PHE2526A4933	अनुमानित लागत (लाखों मे)	धरोहर राशि 2 प्रतिशत	बिड शुल्क (रूपये)	ई-प्रक्रिया शुल्क	कार्य पूर्ण करने की अवधि
59/2025-26	UNB NO. PHE2526WSRC10125	75.00	150000	1500	1500	12 माह
60/2025-26	UNB NO. PHE2526WSRC10126	75.00	150000	1500	1500	12 माह
61/2025-26	UNB NO. PHE2526WSRC10127	75.00	150000	1500	1500	12 माह
ऑनलाईन बिड उपलब्ध होनेी तिथि			25.12.2025			
ऑनलाईन बिड डाउनलोड/अपलोड करने की अन्मि तिथि			05.01.2026 को 6.00 पी.एम			
ऑनलाईनबिड खालने की तिथि			06.01.2026 को 2.00 पी.एम.			

बिड से सम्बन्धित समस्त विवरण वेबसाईट www.dipronline.org, sppp.raj.nic.in व www.eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है
(राजकुमार कटारा)
अधिशाषी अभियंता
जन स्वास्थ्य अभियात्रिक विभाग
खण्ड-जालोर
DIPR/C/19265/2025

Rajasthan Medical Services Corporation Ltd.
D-Block, Swasthya Bhawan, C-Scheme, Jaipur - 302005
Ph. No. 0141-2223887, Fax No. 0141-2228065, E-Mail-edepmrmsc-rj@nic.in
Ref. No.: F-8() RMSC/EPM/M-3/NIB-881/2025-26/1455 Dated :- 24/12/2025
NOTICE INVITING BID
Bid for item Z-Ray Machine (500 ma) (NIB-881) are invited from interested bidders up to Date: 22/01/2026 : 06:00 P.M. Other particulars of the bid may be visited on Procurement portal website **https://sppp.rajasthan.gov.in** or **www.dipronline.org or https://eproc.rajasthan.gov.in or website http://rmsc.health.rajasthan.gov.in.**
UBN No.: MSC2526GLOB00068
Executive Director (EPM)
Rajasthan Medical Services Corporation
Raj.Samwad/C/25/16591

राजस्थान पशु चिकित्सा और पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, बीकानेर
गेहूं तुड़ी (Wheat Straw) हेतु दर संविदा
ई -बोली आमंत्रण सूचना संख्या 04/2025-26 (क्रमांक 152 दिनांक 24.12.2025)
इस विश्वविद्यालय के अधीनस्थ इकाईयों में गेहूं तुड़ी (Wheat Straw) हेतु दो कवर बिड (तकनीकी व वित्तीय बिड) में दर संविदा हेतु ऑनलाइन ई-बोली आमंत्रित की जाती है। जिसमें पंजीकृत फर्मो हेतु डी.एस.सी. के माध्यम से दिनांक 24.12.2025 से 14.01.2026 को सांय 5.00 बजे तक बोली प्रपत्र डाउनलोड कर अपलोड कर सकते है। **UBN is: VAU2526GLRC00092** का विस्तृत विवरण स्टेट पोर्टल की वेबसाईट **http//sppp.raj.nic.in** विभाग की वेबसाईट **www.rajuvas.org** एवं **www.eproc.rajasthan.gov.in** पर उपलब्ध है।
राज.संवाद/सी/25/16668
वित्त नियंत्रक

कार्यालय जोधपुर विकास प्राधिकरण, जोधपुर
क्रमांक :- जोविप्रा/2025-26/2271 दिनांक :- 26/12/2025
ई-निविदा सूचना संख्या- मुख्यालय/42/2025-26
जोधपुर विकास प्राधिकरण, जोधपुर की ओर से प्राधिकरण एवं राजकीय विभाग में उपयुक्त श्रेणी मे पंजीकृत संवेदक जिनका पंजीयन नियमानुसार पुनरावलोकन (Review) किया हुआ हो, से निर्धारित प्रपत्र मे ई-प्रोक्युरमेन्ट प्रक्रिया से ऑनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है। जो निम्नलिखित दिनांक अनुसार डाउनलोड तथा खोली जायेगी। इन कार्य की अनुमानित लागत, निविदा बेचे जाने तथा प्राप्त करने की दिनांक, निविदा, शर्ते आदि सम्पूर्ण विवरण वेबसाईट www.jodhpurjda.org, www.eproc.rajasthan.gov.in एवं www.sppp.raj.nic.in पर देखी जा सकती है।
UBN No.:- JOD2526SLOB00498
राज.संवाद/सी/25/16664
अधिशाषी अभियंता

दुष्कर्म का आरोपी वृंदावन से गिरफ्तार

धौलपुर, (निसं)। कोतवाली थाना इलाके में 15 दिसंबर को नौकरी का झांसा देकर 16 साल की नाबालिग लड़की के साथ दुष्कर्म करने के आरोपी रामभरोसी उर्फ राजेंद्र सिसोदिया को उत्तर प्रदेश के वृंदावन शहर से गिरफ्तार किया है। आरोपी बुर्का पहनकर और लिपस्टिक लगाकर महिला के वेष में छुपा हुआ बैठा था।

पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान ने बताया बर्खास्त आरएसी के जवान रामभरोसी उर्फ राजेंद्र सिसोदिया ने 15 दिसंबर 2025 को बसेड़ी थाना इलाके की 16 साल की नाबालिग लड़की एवं उसके भाई को जेल पुलिस में नौकरी का झांसा देकर अपने घर पर बुलाया था। आरोपी ने नाबालिग के भाई को

- **आरोपी बुर्का पहनकर और लिपस्टिक लगाकर छुपा हुआ मिला**

बाजार भेज दिया था। इसी दौरान आरोपी ने नाबालिग के साथ बलात्कार की घटना को अंजाम दिया था। लड़की के चीखने चिल्लाने पर कॉलोनी के लोग मौके पर पहुंच गए। तत्कालीन समय पर कॉलोनी के लोगों ने काफी प्रदर्शन किया था, लेकिन आरोपी मौके से फरार हो गया था।पुलिस आरोपी के संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही थी, लेकिन हर बार आरोपी पुलिस को चकमा देकर फरार हो रहा था।

देशी सैलानियों से गुलज़ार हुआ जैसलमेर

जैसलमेर, (नि.सं.)। पीक सीजन माने जाने वाले दिसंबर माह के अंतिम सप्ताह और साल के आखिरी दिनों में स्वर्णनगरी उत्साह व उल्लास के माहौल में देशी सैलानियों से गुलजार है। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्रसिँह शेखावत द्वारा मंत्रालय का पदभार संभालने के तुरंत बाद जैसलमेर दौरा कर सोनार दुर्ग, गड़ीसर सरोवर पर संबंधित अधिकारियों को विशेष निर्देश दिए जाकर अनेक विकास कार्यों को अमलीजामा पहनाया गया, उसी के परिणाम स्वरूप पर्यटकों की चहल-पहल थमने का नाम नहीं ले रही। न्यू ईयर सेलिब्रेशन को लेकर हॉट डेस्टिनेशन बन चुके जैसलमेर ने देसी पर्यटकों के रिकॉर्ड आगमन से बीते कई सालों के आंकड़े तोड़ दिए हैं।

कार्यालय नगरपालिका मण्डल -तखतगढ़, जिला - पाली
क्रमांक : न.पा.त./विकास/ई-निविदा/2025-26/6264 दिनांक : 24.12.2025
॥ ई-निविदा सूचना संख्या ॥
नगरपालिका तखतगढ़ (पाली) की ओर से निम्न कार्यो हेतु उपयुक्त श्रेणी में विभिन्न राजकिय विभागों एवं मान्यता प्राप्त पंजीकृत ठेकेदारो से ई-निविदा द्वारा विकास कार्य की निविदा आमंत्रित की जाती है। आंशिक अथवा पूर्णतः निविदा स्वीकृत/अस्वीकृत करने का अधिकार निविदा स्वीकृत अधिकारी का होगा। निविदा की विस्तृत जानकारी विभाग की वेबसाईड www.sppp.rajasthan.gov.in or www.eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।

क्र. सं.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत राशि (लाखो में)	धरोहर राशि (2 प्रतिशत)	निविदा शुल्क	प्रोसेसिंग शुल्क	कार्य पूर्ण करने की अवधि	UBN
1	Construction of shelter house Municipal Board Takhatgarh.	77.83	155662	1000	1000	12 माह	DLB2526WSOB28417

कुल निविदा के कार्य	1 (एक)
निविदा की अनुमानित लागत	राशि रू. 77.83 लाखों में
निविदा जारी करने की दिनांक व समय	25.12.2025/Time 18.00
निविदा दस्तावेजों को डाउनलोड करने की शुरूआती दिनांक व समय	26.12.2025/Time 18.00
निविदा दस्तावेजों को जमा करवाने/अपलोड करने हेतु शुरूआती दिनांक व समय	27.12.2025/Time 9.00
निविदा दस्तावेजों को जमा करवाने हेतु अन्तिम दिनांक व समय	09.01.2025/Time 18.00
तकनिकी बिड खोलने की दिनांक व समय	12.01.2025/Time 18.00
वित्तीय बिड खोलने की दिनांक व समय	12.01.2025/Time 18.00
बिड की वैधता समयावधि	90 दिन

1. निविदा की महत्वपूर्ण शर्ते वेब साईड www.sppp.rajasthan.gov.in or www.eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।
2. निविदा शुल्क व अमानत राशि का डिमाण्ड ड्राफ्ट अधिशाषी अधिकारी नगरपालिका तखतगढ़ के नाम देय होगी एवं ई-टेण्डरिंग प्रक्रिया शुल्क रू. 1000/- का डिमाण्ड ड्राफ्ट व प्रोसेसिंग शुल्क रू. 1000/- MD. RISL जयपुर के नाम देय होगा। निविदा शुल्क एवं अमानत राशि का ड्राफ्ट अधिशाषी अधिकारी नगरपालिका तखतगढ़ कार्यालय में दिनांक .... को 18:00 बजे तक जमा करवाना आवश्यक होगा।
3. डिमाण्ड ड्राफ्ट या बैंकर चैक निविदा प्राप्ति दिनांक के पश्चात की ही मान्य होगा।
4. अपेक्षाकृत कम दरे प्राप्त होने पर अन्तर की राशि परफोर्मेन्स सिक्योरिटी के रूप में जमा करना अनिवार्य होगा।
5. राजस्थान लोक उपापन पारदर्शिता अधिनियम 2012 व 2013 के सभी नियम एवं शर्ते लागू होगी।
6. निविदा स्वीकृत अथवा अस्वीकृत करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरकर्त्ता के पास सुरक्षित रहेगा।
7. संवेदक द्वारा फ्लोटर उपयोग लेना आवश्यक है व पंजीकृत प्रयोगशाला से टेस्टींग रिपोर्ट प्रस्तुत करने पर ही भुगतान किया जायेगा।
8. उक्त सभी कार्यो की दोश निवारण अवधि पांच वर्ष रहेगी।
9. उक्त निविदा में भाग लेने वाले संवेदक द्वारा IT ACT 2000 के तहत डिजिटल हस्ताक्षर के जरिये उपरोक्त वेबसाईड में भाग लिया जायेगा।
10. अन्य शर्ते कार्यालय समय में विकास शाखा से प्राप्त की जा सकती है।

राज.संवाद/सी/25/16689
अध्यक्ष
अधिशाषी अधिकारी

एस.ओ.जी. ने किया सार्वजनिक परीक्षाओं में फर्जीवाडे के बड़े गिरोह का खुलासा

ब्लूटूथ डिवाइस से नकल करने वाला 25 हजार का इनामी अभ्यर्थी एस.ओ.जी. के हत्थे चढ़ा

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राजस्थान में सार्वजनिक भर्ती परीक्षाओं में नकल गिरोह के खिलाफ स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) ने बड़ी कार्रवाई की है। एसओजी ने ब्लूटूथ डिवाइस के जरिए नकल करने वाले 25 हजार रुपए के इनामी अभ्यर्थी जितेंद्र कुमार बिजारणिया को गिरफ्तार किया है। आरोपी पिछले एक साल से फरार चल रहा था।

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एसओजी) विशाल बंसल ने बताया कि राजस्थान उच्च न्यायालय जोधपुर द्वारा आयोजित लिपिक ग्रेड द्वितीय सीधी भर्ती संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा-2022 (12 व 19 मार्च 2023) में आरोपी ने हाईटेक तरीके से नकल की थी। आरोपी जितेंद्र कुमार बिजारणिया (29) निवासी रतनगढ़ जिला चूरू परीक्षा केंद्र राजकीय सर्वहित करणी बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय चूरू में परीक्षा दे रहा था।

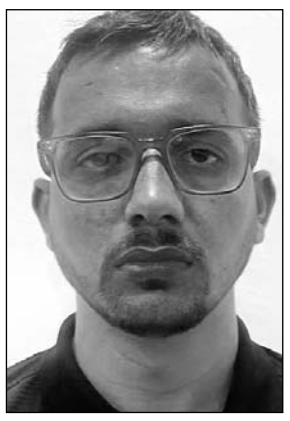

आरोपी जितेन्द्र

- **आरोपी जितेन्द्र बिजारणिया पिछले एक साल से फरार था, अब 3 जनवरी तक रिमांड पर रहेगा**

मोबाइल, स्पाई कैमरा और ब्लूटूथ से हुआ खेल : जांच में सामने आया कि संगठित नकल गिरोह के मुख्य आरोपी पावर कालेर ने सालासर से मोबाइल फोन के जरिए ब्लूटूथ डिवाइस के माध्यम से प्रश्नपत्र के उत्तर भेजे। इसके लिए 90 हजार रुपए में स्पाई कैमरा ऑनलाइन मंगवाया गया था। परीक्षा के दौरान अभ्यर्थियों ने प्रश्नपत्र के स्क्रीन शॉट स्पाई कैमरे से भेजे, जिन्हें गिरोह ने सॉल्व कर उत्तर वापस ब्लूटूथ डिवाइस से पहुंचाए।

दो परीक्षाओं में नकल, सरकार ने रद्द की भर्ती : एसओजी के अनुसार आरोपी जितेंद्र कुमार बिजारणिया ने ईओ/आरओ भर्ती परीक्षा (14 मई 2023) और कनिष्ठ लिपिक (ग्रेड द्वितीय) परीक्षा-दोनों में ब्लूटूथ डिवाइस से नकल की थी। इस मामले में नकल गिरोह द्वारा लाखों रुपए वसूले जाने के प्रमाण मिलने के बाद राज्य सरकार ने संबंधित सार्वजनिक परीक्षा को रद्द कर दिया था।

एक साल से फरार, 25 हजार का था इनाम : दोनों मामलों में आरोपी एक वर्ष से फरार था। उसकी गिरफ्तारी के लिए एसओजी जयपुर की ओर से 25 हजार रुपए का इनाम घोषित किया गया था। आखिरकार एसओजी थाना जयपुर की टीम ने 29 दिसंबर 2025 को आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

3 जनवरी तक पुलिस रिमांड : गिरफ्तार आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया। जहां से उसे 3 जनवरी 2026 तक पुलिस अभिरक्षा में भेज दिया गया है। मामले में आरोपी और नकल कराने वाले अन्य सहयोगियों की भूमिका को लेकर विस्तृत जांच जारी है।

एसओजी अधिकारियों का कहना है कि सार्वजनिक परीक्षाओं की पारदर्शिता से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी और नकल गिरोह से जुड़े सभी आरोपियों को कानून के शिकंजे में लाया जाएगा।

सवा करोड़ कीमत की 1 किलो 203 ग्राम एमडी ड्रग्स के साथ तीन तस्कर गिरफ्तार

प्रतापगढ़ पुलिस ने ''ऑपरेशन चक्रव्यूह'' चलाकर आरोपियों को दबोचा

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । प्रतापगढ़ जिला पुलिस अधीक्षक की ओर से चलाए जा रहे ऑपरेशन चक्रव्यूह के तहत धोलापानी थाना पुलिस और जिला विशेष टीम ने संयुक्त नाकाबंदी के दौरान 1 किलो 203 ग्राम अवैध एमडी ड्रग जब्त कर तीन तस्करों को गिरफ्तार किया है। जब्त मादक पदार्थ की अंतरराष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत करीब 1.25 करोड़ रुपये बताई जा रही है।

पुलिस अधीक्षक आदित्य ने बताया कि धोलापानी थानाधिकारी प्रवीण कुमार मय जाब्ते के साथ बरोल घाटे के पास नाकाबंदी कर रहे थे। इसी दौरान एमपी नम्बर की एक मोटरसाइकिल पर सवार दो युवक शाहरूख खान और दिलावर खान आते दिखाई दिए। पुलिस को देखकर उन्होंने भागने का प्रयास किया, लेकिन टीम ने उन्हें घेरकर रोक लिया। पूछताछ में वे संतोषजनक जवाब नहीं दे पाए।

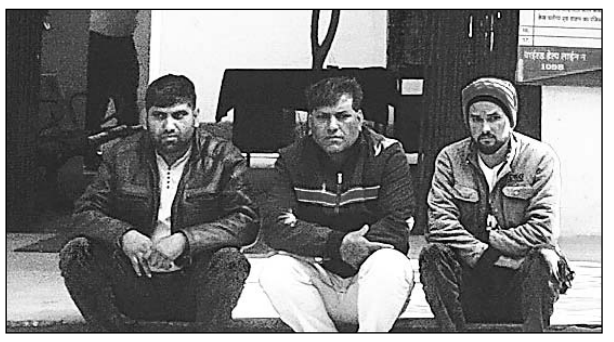

प्रतापगढ़ की धोलापानी थाना पुलिस ने नाकाबंदी कर 1 किलो 203 ग्राम अवैध एमडी ड्रग के साथ तीन तस्करों को गिरफ्तार किया।

- **दो बाइक सवार बदमाश आगे-आगे चलकर देख रहे थे पुलिस की लोकेशन**

उसी दौरान पीछे से एक और अपाची मोटरसाइकिल आई। पुलिस ने उसे भी रोका तो पीछे बैठा व्यक्ति सफीउल्लाह जंगल की ओर भाग निकला, जबकि चालक रहीम खान को पुलिस ने दबोच लिया। रहीम खान की तलाशी लेने पर उसकी टी-शर्ट के नीचे छिपाई गई पॉलिथीन की थैली से 1 किलो 203 ग्राम एमडी बरामद हुई।

पूछताछ में मुख्य तस्कर रहीम खान ने बताया कि पकडे गए अन्य दो आरोपी दिलावर और शाहरूख आगे-आगे चलकर पुलिस की लोकेशन देख रहे थे ताकि ड्रग्स की खेप सुरक्षित पहुंच सके। पुलिस ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर परिवहन में प्रयुक्त दोनों मोटरसाइकिल जब्त कर ली हैं। तीनों आरोपी हथुनिया के रहने वाले है। इस कार्रवाई में धोलापानी थाना अधिकारी प्रवीण कुमार, एसआई भंवरसिंह और डीएसटी टीम के सदस्य शामिल रहे। विशेष रूप से कांस्टेबल विनोद, पंकज और साइबर सेल के रमेश की इस पूरी कार्रवाई में महत्वपूर्ण और विशेष भूमिका रही। पुलिस अब फरार आरोपी सफीउल्लाह की तलाश कर रही है और यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि यह ड्रग्स कहां से लाई गई थी और कहां सप्लाई होनी थी।

मंत्री हेमंत मीणा और सुमित गोदारा ने की भाजपा कार्यकर्ताओं की सुनवाई

संगठन और राज्य सरकार के समन्वय से कार्यकर्ताओं की समस्याओं का हो रहा है समाधान : राजस्व मंत्री हेमंत मीणा

जयपुर (कासं) । भाजपा प्रदेश कार्यालय में मंगलवार को राजस्व मंत्री हेमंत मीणा एवं खाद्य मंत्री सुमित गोदारा ने कार्यकर्ताओं की सुनवाई की। इस दौरान बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं ने अपनी समस्याएं एवं प्रकरण मंत्रियों के समक्ष रखे।

राजस्व मंत्री हेमंत मीणा ने कहा कि भाजपा के प्रत्येक कार्यकर्ता का हर कार्य हो-इस भावना के साथ मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा एवं प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ के नेतृत्व में पार्टी मुख्यालय पर कार्यकर्ता सुनवाई की शुरुआत की गई है। मंगलवार को सुनवाई में कुल 58 प्रकरण सामने आए, जिनके निस्तारण के लिए संबंधित विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए हैं। संगठन की ओर से महामंत्री मिथिलेश गौतम एवं प्रदेश मंत्री डॉ. अपूर्वा सिंह ने भी कार्यकर्ताओं की समस्याओं के समाधान में सक्रिय भूमिका निभाई।

मंत्री हेमंत मीणा और सुमित गोदारा ने कार्यकर्ताओं की सुनवाई की।

राजस्व मंत्री हेमंत मीणा ने कहा कि इस पहल से प्रदेश में यह स्पष्ट संदेश गया है कि सरकार और संगठन जनभावनाओं के अनुरूप कार्य करते हुए कार्यकर्ताओं को प्राथमिकता दे रहे हैं। इससे प्रदेश में सकारात्मक वातावरण एवं सकारात्मक संदेश का संचार हो रहा है। संगठन और सत्ता के समन्वय से कार्यकर्ताओं की समस्याओं का त्वरित निस्तारण किया जा रहा है, जो भाजपा के सशक्त संगठनात्मक ढांचे को दर्शाता है।

- **भाजपा कार्यालय में कार्यकर्ता सुनवाई से क्षेत्र में विकास कार्यों को मिलेगी गति : सुमित गोदारा**

खाद्य मंत्री सुमित गोदारा ने कहा कि पार्टी कार्यालय में आयोजित कार्यकर्ता सुनवाई से क्षेत्र में विकास कार्यों को गति मिलती है तथा कार्यकर्ता स्वयं को गौरवान्वित महसूस करते हैं। उन्होंने बताया कि पार्टी कार्यालय के साथ-साथ सभी मंत्रियों के आवास पर भी नियमित रूप से जनसुनवाई की जाती है।

बाल अधिकारिता योजनाओं की समीक्षा की

जयपुर । सचिवालय में मंगलवार को बाल अधिकारिता विभाग की समीक्षा बैठक उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में बाल अधिकारों से जुड़ी विभिन्न योजनाओं और सेवाओं की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की गई। मीटिंग में मिशन वात्सल्य, चाइल्ड केयर इंस्टीट्यूशन, पालनहार योजना तथा चाइल्ड लाइन सेवा के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने निर्देश दिए कि स्किल डेवलपमेंट को प्राथमिकता दी जाए, उन्होंने विभाग में लंबे समय से रिक्त पड़े पदों को शीघ्र भरने, नियमित निरीक्षण सुनिश्चित करने और जमीनी स्तर की स्थिति की लगातार समीक्षा करने के निर्देश भी दिए। बैठक में चाइल्ड लाइन सेवा के प्रचार-प्रसार को और अधिक सशक्त बनाने पर जोर दिया गया, ताकि जरूरतमंद बच्चों तक समय पर सहायता पहुंचाई जा सके। साथ ही किशोर सुधार गृहों में मरम्मत कार्य, शौचालय सहित मूलभूत सुविधाओं को दुरुस्त करने और व्यवस्थाओं को सुदृढ़ करने के निर्देश दिए गए। बैठक में प्रमुख शासन सचिव प्रवीण कुमार गुप्ता, अतिरिक्त मुख्य सचिव अपर्णा अरोड़ा, आईएएस भवानी सिंह देथा उपस्थित रहे।

रामपाल जाट के नेतृत्व में हुंकार रैली में जुटे प्रदेशभर के किसान

जयपुर। किसान महापंचायत के राष्ट्रीय अध्यक्ष रामपाल जाट के नेतृत्व में मंगलवार को जयपुर के 22 गोदाम क्षेत्र में हुई हुंकार रैली में प्रदेशभर के किसान जुटे। रैली में मुख्य मांग यह थी कि, देश में कृषि भूमियों को संरक्षित रखते हुए ''खेत को पानी, फसल को दाम और युवाओं को काम'' मिले। गत 3 अक्टूबर को राज्य सरकार से हुई वार्ता में जिन मुद्दों पर सहमति बनी थी, उनकी पालना नहीं होने का आरोप लगाते हुए किसानों ने मुख्यमंत्री आवास की ओर कूच किया, परंतु पुलिस ने सभी को रोक दिया। इसके बाद मुख्य सचिव से 5 सदस्यीय शिष्ट मंडल की वार्ता हुई ।

रामपाल जाट ने बताया कि इस रैली में 2 प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किये गए, जिनमें से एक प्रस्ताव उपनिवेशवाद को पोषित करने वाली पूंजीवादी एवं सामंती व्यवस्था के कारण गांव से लघु एवं कुटीर उद्योगों को समाप्त करने वाली नीति अपनाई जाने को बेरोजगारी की विकरालता बढ़ाने के लिए उत्तरदायी माना। इसी के कारण युवाओं के देश भारत में युवा रोजगार के लिए दर-दर भटक रहे हैं, वे तनाव में है, उनके परिजन चिंतित है। जैसे कि 24 लाख आवेदन करने वालों में से चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी 53 हजार ही बनेंगे, शेष लगभग साढ़े 23 लाख युवा तो भटकते ही रहेंगे। इसका समाधान शहर एवं गांव के मध्य संसाधनों के बंटवारे में चल रहे भेदभाव एवं पक्षपात को समाप्त कर गांवो में स्वायत्तता के अंतर्गत ग्राम उद्योगों को बढ़ावा एवं कृषि उपज के लाभकारी दाम देने को बताते हुए प्रतिभाओं सहित अन्य ग्रामीणों का पलायन रोकने के लिए कारगर बताया।

रैली में कहा गया कि, भारत माला परियोजना में प्रस्तावित ग्रीन फील्ड एक्सप्रेस-वे के निर्माण से सरकार के चहेते मुट्ठी भर पूंजीपतियों के लिए दूरी घटाकर यात्रा का समय कम होगा, परंतु देश का पेट भरने वाले किसानों को खेतों तक कृषि कार्य के लिए जाने की दूरी, समय एवं लागत बढ़ाने को अनदेखा किया जा रहा है। रैली के माध्यम से मांग की गई कि, राजस्थान में किसानों को फसल खरीद की गारंटी का कानून मिले। इसके लिए किसानों के लिए लाभकारी न्यूनतम समर्थन मूल्य की घोषणा भी की जाए। रैली के मंच से किसानों ने कहा कि, कृषि भूमियों के अधिग्रहण का खुलकर विरोध करेंगे। हम जान दे देंगे, किंतु ऐसी सड़कों के लिए जमीन नहीं देंगे। उन्होंने प्रस्तावित 9 ग्रीन फील्ड एक्सप्रेस वे निरस्त होने तक संघर्ष निरंतर करने का निश्चय जताया। सभा को प्रदेश संयोजक सत्यनारायण सिंह, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रोताश बोहरा, महासचिव अकबर खान, प्रदेश अध्यक्ष मुसद्दी लाल यादव, प्रदेश उपाध्यक्ष छीतर लाल गुर्जर, महामंत्री सुंदर लाल भावरिया एवं जगदीश नारायण खुडियाला, प्रदेश मंत्री मनजिंदर सिंह अटवाल एवं ज्ञान सिंह मीना, प्रदेश मिडिया प्रभारी सुरेश बिजारनिया, प्रदेश अध्यक्षों में वीरेन्द्र क्रन्तिकारी, हेमराज पटेल एवं भरत डागुर, जिला उपाध्यक्ष तहसील अध्यक्षों में रतन लाल बटेसर, शेर सिंह दहिया, जिला महामंत्रियों में कजोड धाकड़ एवं हनुमान डीडवाडा, युवा प्रदेश अध्यक्ष रामेश्वर चौधरी, युवा जिला अध्यक्ष कृष्ण कुमार, शिक्षाविद प्रोफ़ेसर गोपाल मोदानी, नगर पालिका शाहपुरा के पूर्व अध्यक्ष परमानन्द पलसानिया, सामाजिक कार्यकर्त्ता कृष्णा ने संबोधित किया।

- **एक्सप्रेस-वे निर्माण पर विरोध जताया, ''खेत के लिए पानी, फसल को दाम और युवाओं को काम'' देने की मांग भी उठाई**

जन्म शताब्दी समारोह में शामिल होंगे गायत्री परिवार के सैकड़ों कार्यकर्ता

जयपुर। धर्मनगरी हरिद्वार के वैरागी द्वीप में आगामी जनवरी माह में आयोजित होने वाले वंदनीय माताजी भगवती देवी शर्मा जन्म शताब्दी समारोह में जयपुर और राजस्थान के अन्य शहरों के लोग भी शामिल होंगे। आयोजन की तैयारियां युद्धस्तर पर चल रही हैं। प्रदेश के विभिन्न अंचलों से गायत्री परिवार के अनेक लोग वहां श्रमदान कर रहे हैं।

गायत्री परिवार राजस्थान के मुख्य ट्रस्टी ओमप्रकाश अग्रवाल ने बताया कि यह ऐतिहासिक एवं प्रेरणादायी आयोजन न केवल आध्यात्मिक दृष्टि से, बल्कि सांस्कृतिक और सामाजिक स्तर पर भी अत्यंत महत्वपूर्ण साबित होगा। इसी को ध्यान में रखते हुए पूरे कार्यक्रम स्थल को सुव्यवस्थित, आकर्षक और गरिमामय स्वरूप दिया जा रहा है। कार्य स्थल पर भूमि पूजन किया जा चुका है। यहां 19 से 23 जनवरी तक होने वाले कार्यक्रमों की घोषणा की जा चुकी है।

आगंतुकों के स्वागत के लिए वैरागी द्वीप के मुख्य प्रवेश स्थल पर गायत्री तीर्थ, शांतिकुंज की विशिष्ट वास्तुकला और आध्यात्मिक थीम पर आधारित एक विशाल एवं भव्य प्रवेश द्वार का निर्माण पूर्ण कर लिया गया है। यह प्रवेश द्वार शांतिकुंज की पहचान, साधना, संस्कार और सेवा के भाव को प्रतीकात्मक रूप में है, जो आगंतुकों को प्रथम दृष्टि में ही आध्यात्मिक अनुभूति प्रदान करता है। जन्मशताब्दी समारोह में देश-विदेश से बड़ी संख्या में श्रद्धालु, साधक, कार्यकर्ता एवं गणमान्य अतिथि शामिल होंगे। इसी को देखते हुए प्रवेश द्वार के साथ-साथ मंच, पंडाल, सजावट, प्रकाश व्यवस्था एवं अन्य आधारभूत सुविधाओं को भी योजनाबद्ध ढंग से विकसित किया जा रहा है। अग्रवाल ने बताया कि यह समारोह केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि एक युगदृष्टा विचारधारा और जीवन मूल्यों को समाज तक पहुंचाने का महापर्व होगा।

सामूहिक सुंदरकाण्ड का आयोजन

जयपुर । चमत्कारी वन के वीर बालाजी झोटवाडा रोड, जयपुर में मंगलवार को वीर बालाजी का फूलों से शृंगार करते हुए सामूहिक सुंदरकाण्ड पाठ, महाआरती और पौषबड़ा प्रसादी का आयोजन किया गया। मंदिर समिति के सचिव अनिल त्रिवेदी ने बताया कि इस अवसर पर बालाजी को छप्पन भोग लगाकर श्रद्धालुओं में दौना प्रसादी वितरित की गई। महाआरती में समिति अध्यक्ष यशवर्धन सिंह, पूर्व पार्षद दिग्विजय सिंह, अरूण अग्रवाल, होतीलाल और राहुल सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

बादल नहीं ये जहरीला धुंआ है....

आसमान में नज़र आ रही ये बादलों की आकृति असल में जयपुर के सेवापुरा कचरा डिपो में लगी आग के धुएं की है। जहां ऐसी आग लगना आम बात है, इस पर सवाल उठाने वाला भी कोई नहीं। क्योंकि यह शहर और आबादी से बहुत दूर है। परंतु हकीकत यह है कि, कचरे के यह पहाड़ स्वायत्त शासन विभाग और जयपुर नगर निगम प्रशासन को करीब एक वर्ष पूर्व ही समाप्त कर इस कचरे का ट्रीट करना था। परंतु हकीकत यह है कि कचरे को जलाकर राजधानी की आबोहवा दूषित की जा रही है। आग की सूचना पर फोटोग्राफर जब तस्वीर लेने पहुंचा तो मौके पर मौजूद नगर निगम के तथाकथित अधिकारी दिलीप शर्मा यह तस्वीरें भी कैमरे से डिलीट करवा दी, ताकि उनकी कारगुजारी किसी को मालूम नहीं चले।

फोटो: दिनेश भारद्वाज

आर्मी-डे परेड के लिए महल रोड पर 1 से 15 जनवरी तक यातायात प्रतिबंध

जयपुर। आर्मी-डे परेड 2026 के आयोजन को लेकर जयपुर में यातायात व्यवस्था में बड़े बदलाव किए गए हैं। यह परेड 15 जनवरी 2026 को महल रोड (जगतपुरा) पर आयोजित की जाएगी। इसकी तैयारियों और रिहर्सल को लेकर 1 जनवरी 2026 से 15 जनवरी 2026 तक महर रोड पर विशेष यातायात नियंत्रण लागू रहेगा।

पुलिस उपायुक्त यातायात सुमित मेहरड़ा के अनुसार एनआरआई चौराहा से बॉम्बे हॉस्पिटल चौराहा (जगतपुरा) तक महल रोड पर प्रात: 5 बजे से दोपहर 1 बजे तक सामान्य यातायात पूर्ण रूप से प्रतिबंधित रहेगा। इस दौरान बड़ी संख्या में विशिष्ट अतिथि, सैन्य अधिकारी, जवान और आम नागरिक कार्यक्रम में शामिल होंगे।

वैकल्पिक यातायात व्यवस्था लागू : यातायात को सुचारू संचालन के लिए वैकल्पिक मार्ग निर्धारित किए गए हैं जिसके चलते एनआरआई चौराहा से बॉम्बे हॉस्पिटल चौराहा तक महल रोड बंद रहने के कारण स्थानीय निवासी समानांतर मार्गों का उपयोग कर सकेंगे।

खाटू श्याम सर्किल से एनआरआई चौराहा, अक्षय पात्र की ओर जाने वाला यातायात एनआरआई चौराहा से डायवर्ट कर

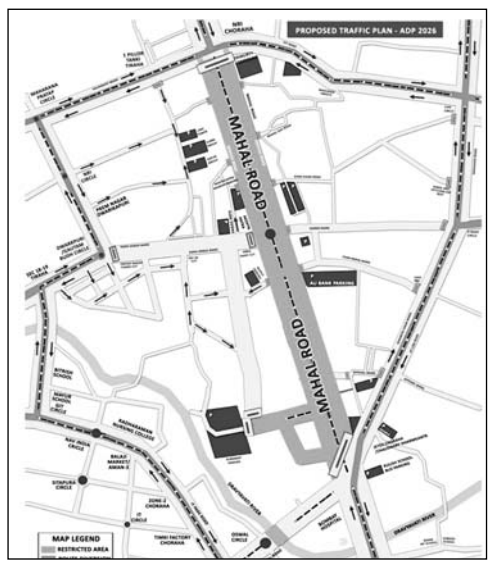

हल्दीघाटी मार्ग व वीआईटी रोड से निकाला जाएगा। विधाणी चौराहा की ओर से बॉम्बे हॉस्पिटल व अक्षय पात्र की तरफ जाने वाले वाहनों को बॉम्बे हॉस्पिटल चौराहा से केंद्रीय विहार मार्ग की ओर मोड़ा जाएगा। अधिक दबाव की स्थिति में विद्याधर चौराहा से बॉम्बे हॉस्पिटल की ओर जाने वाला यातायात महात्मा गांधी रोड की ओर डायवर्ट किया जाएगा। राणा सांगा मार्ग से अक्षय पात्र चौराहा होते हुए महल रोड की ओर जाने वाले वाहनों को खारड़िया सर्किल, गौतम बुद्ध सर्किल से वैकल्पिक मार्गों पर भेजा जाएगा। गोनेर रोड से अक्षय पात्र चौराहा होकर महल रोड की ओर आने वाले वाहनों को डी-मार्ट सर्किल से डायवर्ट किया जाएगा। एनआरआई चौराहा से बॉम्बे हॉस्पिटल चौराहा तक महल रोड पर खुलने वाली सभी आवासीय कॉलोनियों के गेट और छोटे रास्तों से किसी भी प्रकार के वाहन प्रवेश की अनुमति नहीं होगी।कार्यक्रम में शामिल होने वाले आमंत्रित वाहनों के लिए हल्दीघाटी मार्ग और राणा सांगा मार्ग से निर्धारित पार्किंग स्थलों पर वाहन पार्क करने की व्यवस्था की गई है। यातायात पुलिस ने आमजन से अपील की है कि निर्धारित प्रतिबंध अवधि में वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करें और पुलिस प्रशासन का सहयोग कर व्यवस्था बनाए रखने में मदद करें।

चार्टर्ड अकाउंटेंट भारत के आर्थिक तंत्र की आत्मा : देवनानी

जयपुर (कासं)। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने चार्टर्ड अकाउंटेंटस का आव्हान किया है कि वे भारत की आर्थिक व्यवस्था की धुरी ही नहीं बल्कि भारतीय संस्कृति के अनुरूप विश्वास, नैतिकता, अवसर और प्रौद्योगिकी के मजबूत स्तंभ भी बने। देवनानी मंगलवार को जयपुर के बिडला ऑडिटोरियम सभागार में द इन्स्टीटयूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंटस ऑफ इण्डिया (आईसीएआई) की जयपुर शाखा द्वारा ''फिडयूशिया (विश्वास)-2025 नैतिकता, अवसर, प्रौद्योगिकी और स्थिरता'' विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। देवनानी ने दीप प्रज्ज्वलित कर सम्मेलन का शुभारंभ किया। देवनानी ने कहा कि यह सम्मेलन भारत की तीव्र गति से उभरती अर्थव्यवस्था को दृष्टिगत रखते हुए बहुत प्रांसगिक और सारगर्भित है। आज का भारत अवसरों से भरा हुआ भारत है। आज हमारा देश प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में विश्व की अग्रणी अर्थव्यवस्थाओं में तेजी से आगे बढ़ रहा है। चाहे वह डिजिटल इंडिया के माध्यम से पारदर्शिता बढाना हो, जीएसटी के जरिए एकीकृत कर प्रणाली स्थापित करना हो, मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत के माध्यम से घरेलू उद्योगों को सशक्त करना हो, या फिर स्टार्टअप इंडिया के जरिए युवाओं को उद्यिमता के लिए प्रेरित करना हो। इन सभी प्रयासों के केंद्र में विश्वास और सुशासन है। उन्होंने कहा कि आर्थिक नीतियों, निवेश निर्णयों और कॉर्पोरेट गवर्नेंस में संतुलन स्थापित करने में चार्टर्ड अकाउंटेंटस की भूमिका बहुत अहम है। इसलिए उन्हें एक सजग प्रहरी के रूप में देशहित में अपने दायित्वों को निभाना होगा। इसी प्रकार ग्रीन बोन्डस, सस्टेनबेल फाईनेंस और ईएसजी रिपोर्टिंग के माध्यम से आप भारत के 2070 तक नेट जीरो के लक्ष्य को साकार करने में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते है। देवनानी ने कहा कि भारत की असली ताकत उसके एम.एस.एम.ई, स्टार्टअप्स और गांव-कस्बों में बसे छोटे उद्यमियों में विद्यमान है। यहां छोटे उद्योग केवल रोजगार का साधन नहीं बल्कि सांस्कृतिक पहचान का माध्यम भी है। इन उद्यमों को सही दिशा, वित्तीय अनुशासन और दीर्घकालीन दृष्टि देने में चार्टर्ड अकाउंटेंटस महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। देवनानी ने कहा कि आज केपिटल मार्केटस, ऑडिट, टेक्सेशन और फाईनेन्शियल रिपोर्टिंग के क्षेत्र जो परिवर्तन हो रहे हैं, वह अभूतपूर्व है लेकिन इन सभी परिवर्तनों के केन्द्र में एक ही यक्ष प्रश्न है कि क्या हम अपने शास्वत विश्वास को बनाए रख पा रहे है। इस अवसर पर द इन्स्टीटयूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट ऑफ इण्डिया के अध्यक्ष सी.ए. चरणजोत सिंह नंदा ने भी अपने सारगर्भित विचार व्यक्ति किए। समारोह में आईसीएआई के उपाध्यक्ष सी.ए. प्रसन्न कुमार, सी.ए. सतीश कुमार, सी.ए. रोहित, सी.ए. विष्णु अग्रवाल के साथ एस.बी.आई के निदेशक डी.एस. शेखावत द इन्स्टीटयूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट ऑफ इण्डिया, जयपुर शाखा के चैयरमेन विकास, सचिव यश गुप्ता और सीकासा जयपुर शाखा के चैयरमेन शिवकुमार भी मौजूद थे।

केन्द्रीय विद्यालय की मांग को लेकर राजगढ़ कस्बा सातवें दिन भी बंद रहा

अभिभाषक मंडल के एक दर्जन सदस्य क्रमिक अनशन पर बैठे हैं

राजगढ़/अलवर, (निसं)। केंद्रीय विद्यालय की मांग को लेकर राजगढ़ सातवें दिन भी बंद रहा। रैणी क्षेत्र के दलालपुरा में किए गए केंद्रीय विद्यालय के आवंटन को निरस्त करने की मांग को लेकर राजगढ़ आवाज मंच के बैनर तले चल रहा आंदोलन सातवें दिन भी जारी रहा। आंदोलन के समर्थन में मंगलवार को भी राजगढ़ कस्बे का सम्पूर्ण बाजार बंद रहा, जिससे जनजीवन आंशिक रूप से प्रभावित हुआ। हालांकि आवश्यक सेवाओं के तहत मेडिकल सेवाएं चालू रखी गई हैं। वहीं अभिभाषक मंडल के एक दर्जन सदस्य क्रमिक अनशन पर हैं।

आवाज मंच के संयोजक मुकेश जैमन गत शनिवार से ही कस्बे के गोल सर्किल पर आमरण अनशन पर बैठे हुए हैं। आंदोलन को और अधिक मजबूती देने के उद्देश्य से मंगलवार से दिनेश प्रधान एवं श्रीराम सैनी भी आमरण अनशन पर बैठ गए हैं। वहीं आंदोलन के दौरान कई सामाजिक संगठनों, अधिवक्ताओं एवं नागरिकों ने क्रमिक अनशन के माध्यम से समर्थन जताया। क्रमिक अनशन पर बैठने वालों में अभिभाषक मंडल के एडवोकेट विनोद पालीवाल, मनोज कुमार जैमन, योगेश व्यास, अशोक पटेल, राकेश जांगिड़, कैलाश चंद भारद्वाज, विजय दीवान, देवीप्रसाद अंशु, भरत सिंह चौहान, जितेंद्र सैनी, पुखराज शर्मा, अजय निदानिया, हरिओम सैनी, संजय सैनी, महेंद्र सैनी, महेंद्र खेड़ापति, भरतलाल मीना एवं सीताराम वशिष्ट शामिल हैं।

राजगढ़ आवाज मंच के मुकेश जैमन ने मंगलवार को दलालपुरा में केंद्रीय विद्यालय के आवंटन को निरस्त करने एवं राजगढ़ में खुलवाने की मांग दोहराई। कस्बे के गोल मार्केट पर प्रमुख व्यापारी वर्गों के साथ प्रमुख लोग एवं आमजन मौजूद रहा। सनातन सभा की ओर से राजगढ़ में केंद्रीय विद्यालय को लेकर चलाए जा रहे आंदोलन का समर्थन किया है। इस मांग को बड़ी बताते हुए उन्होंने श्री राम मंदिर निर्माण की द्वितीय वर्षगांठ पर आयोजित होने वाली 31 दिसंबर को शोभायात्रा को स्थगित कर दिया है। आवाज मंच की ओर से चल हे प्रदर्शन में सर्व समाज की ओर से लोगों के लिए जलपान का पूर्ण प्रबंध किया।

राजगढ़ आवाज मंच के बैनर तले चल रहा आंदोलन सातवें दिन भी जारी रहा।

- दलालपुरा में केंद्रीय विद्यालय के आवंटन को निरस्त करने एवं राजगढ़ में खुलवाने की मांग दोहराई

नाबालिग से दुष्कर्म का इनामी आरोपी गिरफ्तार

बांसवाड़ा, (निसं)। दानपुर थाना पुलिस ने 11 माह से फरार नाबालिग से दुष्कर्म के पांच हजार के ईनामी आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस टीम तीन दिन तक उदयपुर रही और मजदूर बनकर निर्माण साईट पर पहुंची और छत भराई के बहाने ईनामी आरोपी शंकर को डिटेन किया।

मामले में गत 7 फरवरी को दानपुर थाना क्षेत्र के एक व्यक्ति ने रिपोर्ट दी कि 31 जनवरी की दोपहर उसकी नाबालिग 14 वर्षीय पुत्री घर पर झाड़ू पोछा कर रही थी तभी उसकी सहेली आयी और पुत्री उसकी सहेली के साथ चली गयी। देर शाम तक जब पुत्री घर नहीं लौटी तो प्रार्थी व परिजनों ने काफी तलाश की, जब सहेली से पूछा गया तो उसने बताया कि रास्ते में शंकर पुत्र मानु मोटरसाईकिल लेकर आया जो प्रार्थी की पुत्री को बहलाकर ले गया। बाद में प्रार्थी अपने परिजन, समाज के पंचों व गांव के लोगों के साथ अभियुक्त के घर गये व पुत्री को सुपुर्द करने को कहा तो उसने लौटाने से मना कर दिया। प्रार्थी की रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर तलाश की गयी लेकिन आरोपी पीड़िता को लेकर भूमिगत हो गया। 8 जुलाई को पीड़िता अभियुक्त के चंगुल से बच निकली जिसे पुलिस ने दस्तयाब किया। इधर मामला दर्ज होने की भनक लगते ही आरोपी फरार हो गया। जिला पुलिस अधीक्षक सुधीर जोशी के निर्देशानुसार आरोपी की गिरफ्तारी के लिये दानपुर थानाधिकारी लक्ष्मीचंद के नेतृत्व में टीम गठित की गयी। इधर आरोपी मध्यप्रदेश के विभिन्न स्थानों पर होने की संभावनाओं के चलते वहां भी तलाश की गयी। इधर टीम के एएसआई विरेन्द्र राज सिंह व कांस्टेबल हीरालाल उदयपुर पहुंचे और मजदूर ठेकेदार बनकर तीन दिन तक डेरा डाले रखा एवं जगह-जगह साईटों पर मजदूर ठेकेदार बनकर घूमते रहे। इसी दौरान अभियुक्त के गांव के मजदूरों द्वारा छत भराई का कार्य करने की जानकारी मिली जहां पर जाकर ठेकेदार बनकर छत भराई के लिये 20 मजदूरों की जरूरत होना बताया एवं नाम-पते लिये तो आरोपी शंकर पुत्र मानु उर्फ मानजी निवासी कुण्डा का भी पता चला जिस पर मौके से डिटेन कर गिरफ्तार किया गया।

गर्भवती महिला को कुण्ड में डुबोकर हत्या करने का आरोप

सादुलपुर, (निसं)। हमीरवास पुलिस थाने के गांव हरपालू कुबड़ी में एक गर्भवती महिला की दहेज के लिए प्रताड़ित करते हुए कुण्ड में डुबोकर हत्या करने के आरोप में ससुराल पक्ष के खिलाफ दहेज हत्या के आरोप का मामला दर्ज किया है। वहीं विवाहिता की मौत के बाद हमीरवास थाना पुलिस ने मंगलवार दोपहर को मृतका का पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंपा है।

थानाधिकारी राय सिंह ने बताया कि धर्मपाल पुत्र चन्दूराम निवासी मण्ढोली खुर्द तहसील सिवाणी भिवाणी ने इस आरोप का मामला दर्ज करवाया है कि उसकी पुत्री मोनू का विवाह दो मार्च 2025 को दिनेश पुत्र मांगेराम जाट निवासी हरपालू कूबड़ी के साथ हुआ था, विवाह के समय उसके द्वारा अपनी हैसियत से बढ़कर दान-दहेज मोनू के ससुरालवालों को दिया था। आरोप है लगाया है कि विवाह के बाद से ही उसकी पुत्री मोनू से उसका पति दिनेश, सास सन्तोष, ससुर मांगेराम एवं ननद सुनिता दहेज में कार की मांग को लेकर उसे तंग-परेशान एवं प्रताड़ित करने लगे।

आरोप लगाया है कि उसकी पुत्री मोनू को उसके पति दिनेश, सास सन्तोष एवं ननद सुनिता ने दहेज के लिए तंग परेशान एवं प्रताडित करते हुए उसकी पुत्री मोनू की कुण्ड में डुबोकर हत्या की है। हमीरवास थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच प्रारंभ कर दी है।

- विवाहिता के पिता ने हमीरवास थाने में मामला दर्ज करवाया

22 माह पहले हो चुकी है पन्नी देवी की मौत, फिर भी हर माह उठ रहा राशन

भीम, (निसं)। भीम उपखण्ड के बालातों की गुआर ग्राम पंचायत के कुंडाल की गुआर से एक चौकाने वाला मामला सामने आया है, जिसमें राशन उठाने वाली महिला न तो किसी वाहन की मालिक है और न ही आयकर देने वाली है। इस महिला की मौत हो चुकी है। प्रकरण उपखण्ड मुख्यालय के समीपस्थ बालातों की गुआर पंचायत के कुण्डाल की गुआर निवासी पन्नीदेवी पत्नी लालसिंह का है। सरकार के आकड़ों में पन्नीदेवी की मृत्यु 20 फरवरी 2024 को आज से 22 माह पूर्व हो चुकी है। ग्राम पंचायत द्वारा पन्नुदेवी का मृत्यु प्रमाण पत्र 24 फरवरी 2024 को जारी किया जा चुका है।

जानकारी के अनुसार पन्नुदेवी एकल महिला होकर राशन कार्ड खाद्य सुरक्षा में पंजीकृत है। पन्नीदेवी जीवित रहते लकवाग्रस्त होने से 10 जून 2019 को राशन भुगतान हेतु बायोमेट्रिक व्यवस्था से मुक्त कर बाईपास किया गया। परन्तु अब जब पन्नीदेवी की मृत्यु ही 20 फरवरी 2024 को हो चुकी है तो पन्नीदेवी का राशन कौन उठा रहा है।

उल्लेखनीय है कि पन्नीदेवी के राशन कार्ड में वैसे तो एकल महिला अकेली पन्नीदेवी ही पंजीकृत है। जिससे एनएफएसए में एक यूनिट 5 किलो राशन बनता है, परन्तु पन्नीदेवी का राशन कार्ड बीपीएल से भी निम्न श्रेणी अन्त्योदय में चयनित होने से हर माह 35 किलो राशन उठ रहा है। अब प्रश्न खड़ा होता है कि जब पन्नीदेवी की मृत्यु के बाद अन्य कोई यूनिट ही नहीं रही तो पन्नीदेवी का राशन कौन उठा रहा है। यह जांच का विषय है। उल्लेखनीय है कि खाद्य सुरक्षा पोर्टल की जानकारी के अनुसार पन्नीदेवी ने आठ दिन पूर्व 12 फरवरी 2024 को राशन उठाया था। परन्तु मृत्यु के पश्चात् भी लगातार 22 माह से पन्नीदेवी के नाम से उचित मूल्य की दुकान 1065 सेंटर डी भीम से कोई राशन उठा रहा है। हाल ही में 22 माह पूर्व मृत पन्नीदेवी के नाम से किसी ने गत 3 दिसम्बर 2025 को ही राशन उठाया है।

विकास शर्मा, उपखण्ड अधिकारी भीम ने बताया कि प्रकरण गंभीर है। प्रकरण को लेकर जिला रसद अधिकारी एवं विकास अधिकारी को जांच कर तथ्यात्मक रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिये हैं।

धीरसिंह मीणा, वीडीओ बालातों की गुआर ने बताया कि पन्नीदेवी एकल महिला होकर लकवाग्रस्त थी। जिसकी मृत्यु होने पर ग्राम पंचायत बालातों की गुआर द्वारा मृत्यु प्रमाण पत्र जारी किया गया है। मृत्यु पश्चात् खाद्य सुरक्षा में राशन लेने के मामले की जांच की जाएगी।

शुभमसिंह, राशन डीलर भीम ने बताया कि पन्नीदेवी के राशन भुगतान को लेकर मुझे कोई जानकारी नहीं है। मैं अगले माह से इस नाम की महिला का ध्यान रखूंगा कि इनका राशन कौन लेने आता है।

- हाल ही में मृत पन्नीदेवी के नाम से किसी ने गत 3 दिसम्बर 2025 को ही राशन उठाया है
- सरकार के आकड़ों में पन्नीदेवी की मृत्यु 20 फरवरी 2024 को 22 माह पूर्व हो चुकी है

दो पक्षों में विवाद

सादुलपुर, (निसं)। राजगढ़ कस्बे में शिव मंदिर के पास वार्ड 15 में दो पक्षों में आपस में जमकर लाठी-डंडे व पत्थर चलने के आरोप का मामला सामने आया है। वहीं वारदात का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। जिसमें एक दो महिला तथा एक पुरुष को चोटें आने का आरोप है। मामले को लेकर दोनों पक्षों ने राजगढ़ थाने में परिवाद सौंपा है, जिसमें पुलिस ने परिवाद लेकर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार मामूली कहासुनी व आपस में बच्चों की लड़ाई परिजनों पर भारी पड़ गई, जिसको लेकर दो पक्ष पडोसी आपस में भीड़ गए एवं कुछ अन्य लोग शामिल हो गए। नीरज शर्मा ने बताया कि उनके घर पर करीब 50 लोग लाठी-डंडे लेकर पहुंच गए और पत्थर मारने लगे, जिससे घर के शीशे टूट गए घर के लोगों ने बड़ी मुश्किल से जान बचाई। दूसरे पक्ष रोशन का कहना है कि मामूली सी बात को लेकर कहासुनी हुई थी। थाना अधिकारी राजेश कुमार सिहाग ने कहा दोनों पक्षों की ओर से परिवाद आया है, घटना का मौका निरीक्षण कर लिया है।

कलैक्टर ने बिचपुरी-जाटोली में कार्यों का निरीक्षण किया

अलवर, (निसं)। अलवर जिला कलैक्टर आतिंका शुक्ला ने मंगलवार को मालाखेड़ा पंचायत समिति की ग्राम पंचायत मोहबतपुर के बिचपुरी गांव में चल रहे प्लांटेशन कार्यों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने जाटोली गांव की चरागाह भूमि का भी जायजा लिया, जहां वाटरशेड विभाग द्वारा नया पौधारोपण प्रस्तावित है। निरीक्षण के दौरान कलैक्टर शुक्ला ने हरित राजस्थान अभियान और वाटरशेड योजना के तहत नर्सरी तथा पौधारोपण की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को पर्यावरण संरक्षण को प्राथमिकता देते हुए सभी योजनाओं को समयबद्ध तरीके से पूरा करने के निर्देश दिए।

कलैक्टर ने बताया कि जाटोली गांव की चरागाह भूमि पर वाटरशेड विभाग द्वारा फरवरी माह में एक नर्सरी तैयार की जाएगी। इसके लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। निरीक्षण के दौरान जिला कलैक्टर ने पटवारी को उन गांवों में श्मशान घाट की भूमि शीघ्र चिन्हित कर आवंटित करने के निर्देश दिए, जहां अभी तक भूमि का आवंटन नहीं हुआ है। उन्होंने सरकारी विद्यालयों में ओपन जिम स्थापित करने के भी निर्देश दिए, ताकि ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं को बढ़ावा मिल सके। कलैक्टर आतिंका शुक्ला ने यह भी स्पष्ट किया कि सरकारी योजनाओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और लापरवाही बरतने वाले कर्मचारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

शिल्पग्राम उत्सव का समापन, विभिन्न प्रदेशों की संस्कृतियां साकार हुई

शिल्पग्राम उत्सव के समापन पर विभिन्न राज्यों के कलाकारों ने अपनी कला का प्रदर्शन किया।

उदयपुर, (कासं)। शिल्पग्राम उत्सव का मंगलवार को समापन हो गया। इस दौरान मंच पर विभिन्न प्रदेशों की संस्कृतियां साकार हुई। वहीं म्यूजिकल सिंफनी में शामिल करीब तीन दर्जन लोक वाद्ययंत्रों ने जब शिल्पग्राम की फिजाओं में धमकदार संगीत को घोला तो श्रोता सम्मोहित से हो गए।

विभिन्न राज्यों के फोक म्यूजिकल इंस्ट्रूमेंट्स सारंगी, बांसुरी, मादल, रबाब, मोरचंग और पुंग ने जब एक दूसरे से सवाल-जवाब करने के अंदाज में ताल मिलाई तो दर्शक मंत्रमुग्ध हो वाह-वाह कर उठे। जिसने भी सिंफनी को इस नए रूप में देखा और सुना, वह दिल से दाद दिए बगैर नहीं रह सका। यह परफोरमेंस पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, उदयपुर की ओर से आयोजित शिल्पग्राम उत्सव के आखिरी दिन मंगलवार को शिल्पग्राम के मुक्ताकाशी मंच पर दी गई।

शिल्पग्राम के भव्य मंच पर करीब तीन दर्जन वाद्ययंत्रों को नए धमक और चमकदार रूप में ढाला इसके निर्देशक एवं परिकल्पनाकार पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, उदयपुर के निदेशक फुरकान खान ने। इस नए रूप में सुरमई आलाप और कर्णप्रिय संगीत का और भी बेहतर तालमेल देख-सुनकर कलाप्रेमियों के चेहरे खिल उठे। इस परफोरमेंस में राजस्थान के बॉर्डर जैसलमेर-बाड़मेर से लेकर कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पूर्वोत्तर के असम, मणिपुर और दक्षिण के तमिलानाडु के लोक वाद्ययंत्रों को शामिल किया गया। मेलार्थियों को यह प्रस्तुति म्यूजिकल होते हुए भी न सिर्फ सुनने, बल्कि खूबसूरत कॉस्ट्यूम और कुछ नृत्य शैलियों के कारण देखने में भी नयनाभिराम बनी। इनमें खरताल, मोरचंग, विभिन्न राज्यों के ढोल-ढोलक-ढोलकी, मादल, सारंगी, बांसुरी, रबाब, मटकी, पुंग, रणसिंगा, करनाल, बीन, हार्मोनियम, भपंग, अलगोजा जैसे इंस्ट्रूमेंट्स शामिल हैं।

सिंफनी से पूर्व मुक्ताकाशी मंच पर विभिन्न राज्यों के लोक नृत्यों ने दर्शकों को खूब रिझाया। मंच पर गुजरात की आदिवासी संस्कृति को प्रस्तुत करते लोक नृत्यों डांग और सिद्धि धमाल ने जादू बिखेरा। वहीं, उत्तर और दक्षिण भारत के लोकप्रिय मयूर, मणिपुर के अनूठे शास्त्रीय और फोक मिश्रित नृत्य पुंग ढोल चोलम, पश्चिम बंगाल के राय बेंसे और पुरुलिया छाऊ, महाराष्ट्र के लावणी नृत्य खूब सराहे गए, तो राजस्थान के कालबेलिया नृत्य ने सभी का दिल जीत लिया।

इनके साथ ही भपंग वादन, उत्तराखंड के छापेली और असम के बिहू डांस ने दर्शकों को रिझाया। इनके साथ ही मणिपुर के थांग-ता स्टिक, ओडिशा के गोटीपुआ व पश्चिम बंगाल के नटुआ लोक नृत्यों ने दर्शकों को खूब रोमांचित किया, तो भांगड़ा व सिंघी छम डांस पर भी दर्शक झूमने लगे। कार्यक्रम का संचालन दुर्गेश चांदवानी और डॉ. मोहिता दीक्षित ने किया। मुख्य कार्यक्रम से पूर्व मुक्ताकाशी मंच पर सुंदरी वादन, तेराताली, मांगणियार गायन और भवई नृत्य की प्रस्तुतियों को भी दर्शकों ने खूब सराहा।

राज्य स्तरीय गणतंत्र दिवस समारोह की तैयारियों को लेकर मुख्य सचिव ने बैठक ली

जयपुर, (कासं)। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने कहा कि गणतंत्र दिवस-2026 का राज्य स्तरीय समारोह हर वर्ष की तरह हर्षोल्लास, उमंग के साथ भव्यता और परंपरागत रूप से आयोजित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि गणतंत्र दिवस-2026 के राज्य स्तरीय समारोह का आयोजन जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में किया जाएगा। मुख्य सचिव मंगलवार को शासन सचिवालय में राज्य स्तरीय गणतंत्र दिवस समारोह-2026 की तैयारियों के संबंध में आयोजित बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि 77वें गणतंत्र दिवस के सफल आयोजन के लिए सभी विभागों के अधिकारी अपने निर्धारित दायित्व को पूरा करते हुए आपसी समन्वय से कार्य करें। श्रीनिवास ने अधिकारियों को गणतंत्र दिवस के अवसर पर सभी प्रमुख भवनों, दर्शनीय स्थलों तथा राजकीय कार्यालयों व प्रमुख सार्वजनिक स्थानों पर आकर्षक सजावट करने के निर्देश दिए। उन्होंने समारोह में अधिक से अधिक जन भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए कहा। मुख्य सचिव ने राज्य स्तरीय गणतंत्र दिवस समारोह-2026 की तैयारियों की समीक्षा करते हुए निर्देशित किया कि समारोह स्थल पर आगंतुकों की बैठने की व्यवस्था, पेयजल, मेडिकल टीम की तैनाती, सुरक्षा तथा यातायात प्रबंधन सहित सभी आवश्यक तैयारियां समय पर पूर्ण की जाएं। उन्होंने सभी स्थानों पर चाक-चौबंद सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए।

मुख्य सचिव ने कहा कि समारोह के दौरान स्कूली बच्चों के कार्यक्रम, लोक कलाकारों की प्रस्तुतियां तथा पुरस्कार वितरण कार्यक्रम से जुड़ी सभी व्यवस्थाएं सुचारू रूप से संपन्न करवाई जाएं। उन्होंने पुलिस, स्वायत्त शासन, नगरीय विकास, सार्वजनिक निर्माण, शिक्षा तथा सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारियों को आपसी समन्वय से कार्य कर अपनी जिम्मेदारियों का प्रभावी ढंग से निर्वहन करने के निर्देश दिए। साथ ही, लोकभवन में आयोजित होने वाले एट होम कार्यक्रम के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में शासन सचिव, सामान्य प्रशासन नवीन जैन ने प्रस्तुतीकरण के माध्यम से राज्य स्तरीय गणतंत्र दिवस समारोह के आयोजन की तैयारियों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस वर्ष मुख्य समारोह में कार्यक्रमों की श्रृंखला में जर्मन ड्रिल का भी आयोजन किया जाएगा। इसके अलावा लगभग 1200 छात्र-छात्राओं के द्वारा कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी जाएंगी। साथ ही, इस वर्ष एमजीडी सहित प्रमुख बैण्ड्स द्वारा प्रस्तुति दी जाएगी। बैठक में पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा सहित संबंधित विभागों के उच्चाधिकारी तथा जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने गणतंत्र दिवस समारोह को लेकर बैठक ली।

- उत्साह, उमंग और उल्लास के साथ सवाई मानसिंह स्टेडियम में होगा मुख्य आयोजन
- जर्मन ड्रिल, एमजीडी बैंड, मनमोहक झांकियां आकर्षण का केन्द्र रहेंगी, प्रमुख स्थानों पर होगी सजावट

नौखा बाईपास पर खड़े दुर्घटनाग्रस्त कंटेनर में आग लगी

नोखा, (निसं)। नोखा बाईपास पर एक दुर्घटनाग्रस्त कंटेनर में अचानक आग लग गई। इस कंटेनर में किया कंपनी की छह नई कारें लोड थी। आग की लपटें कंटेनर के अगले हिस्से से उठकर पीछे की ओर फैलने लगी थी, जिससे अफरा-तफरी का माहौल बन गया। सूचना मिलते ही नोखा थाना पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची। आग ने कंटेनर के केबिन और अगले हिस्से को अपनी चपेट में ले लिया था। फायर ब्रिगेड की टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। आगजनी की इस घटना में कंटेनर में लदी एक कार का अगला हिस्सा आंशिक रूप से जल गया। हालांकि, शेष पांच कारों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। समय रहते आग पर काबू पाने से करोड़ों रुपये के संभावित नुकसान को टाला जा सका। गौरतलब है कि दो दिन पहले इसी कंटेनर से नोखा बाईपास पर एक सड़क हादसा हुआ था। उस दुर्घटना में नोखा के वार्ड नंबर चार निवासी एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई थी। हादसे के बाद से ही यह कंटेनर सड़क किनारे खड़ा था और उसे हटाया नहीं जा सका था।

स्थानीय लोगों ने बताया कि हादसे के बाद कंटेनर का लंबे समय तक सड़क किनारे खड़ा रहना खतरे का कारण बन रहा था। अचानक आग लगने से आसपास के क्षेत्र में दहशत फैल गई। आग लगने के कारणों का अभी तक स्पष्ट खुलासा नहीं हो पाया है। पुलिस ने आग लगने के कारणों की जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में शॉर्ट सर्किट या किसी अन्य तकनीकी खराबी की संभावना से इनकार नहीं किया जा रहा है। पुलिस इस बात की भी जांच कर रही है कि आगजनी की यह घटना पिछले सड़क हादसे से किसी प्रकार से संबंधित है या नहीं।

आग से झुलसी महिला की मौत

जोधपुर, (कासं)। शहर के देवनगर थाना क्षेत्र राजीव गांधी कॉलोनी में कुछ दिनों पूर्व आग से झुलसी महिला की उपचार के बीच मौत हो गई। वह घर पर चाय बनाते आग से झुलसी थी। पति की तरफ से मर्ग में रिपोर्ट दी गई है। जांच प्रशासनिक अधिकारी की तरफ से की जा रही है। देवनगर पुलिस ने बताया कि राजीव गांधी कॉलोनी एक कबाड़ दुकान के पीछे रहने वाली 25 साल की अक्षिता पत्नी कुलदीप सिंह को गत दिनों घर पर चाय बनाते आग से झुलसने पर परिजन ने अस्पताल में भर्ती करवाया था। उसकी अब मौत हो गई। पति कुलदीप सिंह ने घटना के संबंध में देवनगर थाने में मर्ग की रिपोर्ट दी है।

राज्य सरकार की योजनाओं से बालिका शिक्षा को बढ़ावा मिला

जयपुर। बालिका शिक्षा फाउंडेशन द्वारा संचालित गार्गी पुरस्कार योजना, बालिका प्रोत्साहन योजना, मुख्यमंत्री हमारी बेटियां योजना एवं पद्माक्षी पुरस्कार योजना बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने में मील का पत्थर साबित हो रही है।

इन योजनाओं के माध्यम से शिक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली बालिकाओं को न केवल सम्मानित किया जा रहा है, बल्कि उन्हें आगे की पढ़ाई के लिए प्रोत्साहन और आत्मविश्वास भी मिल रहा है। इन योजनाओं का उद्देश्य बालिकाओं को शिक्षा के क्षेत्र में समान अवसर उपलब्ध कराना, ड्रॉपआउट दर को कम करना तथा समाज में बालिका शिक्षा के प्रति सकारात्मक सोच को मजबूत करना है। योजनाओं के प्रभाव से राज्य में बालिकाओं के नामांकन, ठहराव और शैक्षिणक उपलब्धियों में उल्लेखनीय वृद्धि देखने को मिल रही है।

गार्गी पुरस्कार योजना :- माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान अजमेर द्वारा आयोजित माध्यमिक, प्रवेशिका परीक्षा एवं स्वामी विवेकानंद राजकीय मॉडल स्कूलों की माध्यमिक परीक्षा (कक्षा 10वीं) में 75 प्रतिशत व इससे अधिक अंक प्राप्त करने वाली बालिकाएं प्रात्र है। इसके तहत कक्षा 11 में नियमित रहने पर प्रथम किस्त के तहत तीन हजार रुपए और कक्षा 12 में नियमित रहने पर द्वितीय किस्त के तीन हजार रुपए पुरस्कार राशि के तौर पर दिए जाएंगे। आवेदन की अंतिम तिथि 10 जनवरी रखी गयी है।

बालिका प्रोत्साहन पुरस्कार योजना :- इस योजना के अंतर्गत माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान अजमेर द्वारा आयोजित उच्च माध्यमिक, वरिष्ठ उपाध्याय परीक्षा व स्वामी विवेकानंद राजकीय मॉडल स्कूलों की उच्च माध्यमिक परीक्षा (कक्षा 12वीं) में 75 प्रतिशत व इससे अधिक अंक प्राप्त करने वाली बालिकाएं प्रात्र है। इसके तहत पांच हजार रुपए की एक मुश्त पुरस्कार राशि दी जाती है।

मुख्यमंत्री हमारी बेटियां योजना :- मुख्यमंत्री हमारी बेटियां योजना के तहत कक्षा 11वीं-12वीं में पढ़ने वाली बालिकाओं को 115,000 प्रति वर्ष की सहायता राशि प्रदान की जाती है। उच्च शिक्षा के लिए बालिकाओं को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से संचालित इस योजना के तहत प्रत्येक जिले से 4 बालिकाओं (2 टॉपर, 1 बीपीएल, 1 अनाथ) का चयन होता है।

डॉ.अरुणा शर्मा, (सचिव), बालिका शिक्षा फाउंडेशन का कहना है कि बालिका शिक्षा ही सशक्त समाज और समृद्ध भविष्य की आधारशिला है। उक्त योजनाएं द्वारा बालिकाओं को विद्यालय से जोड़कर उनकी निरंतर उपस्थिति और शैक्षिक प्रगति सुनिश्चित करने में सहायक सिद्ध हो रही है।

खेल जगत

बिहार में खेल प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है और बेहतर प्रशिक्षण के जरिए यहां से भी अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी तैयार किए जा सकते हैं। - **साइना नेहवाल**

भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी, पाटलिपुत्र खेल परिसर में पत्रकारों से रूबरू होते हुए।

आज का खिलाड़ी ▶

लसिथ मलिंगा

श्रीलंका क्रिकेट ने पूर्व तेज गेंदबाज लसिथ मलिंगा को तेज गेंदबाज़ी सलाहकार के तौर पर टीम में शामिल किया है। मलिंगा 15 दिसंबर 2025 से 25 जनवरी 2026 तक के लिये ही टीम के साथ काम करेंगे। एसएलसी ने मंगलवार को इसकी घोषणा की। बयान में कहा गया कि मलिंगा राष्ट्रीय टीम के तेज गेंदबाज़ों के साथ काम करेंगे ताकि उन्हें फरवरी में शुरू होने वाले टी20 विश्व कप के लिए तैयार किया जा सके। श्रीलंका इस बार भारत के साथ मिलकर टी20 विश्व कप की मेजबानी कर रहा है। इसने इससे पहले 2012 में इस टूर्नामेंट की मेजबानी की थी।

क्या आप जानते हैं ?... जैक्स कैलिस शायद उनका सबसे अच्छा खिलाड़ी है, और ग्रीम स्मिथ एक महत्वपूर्ण कप्तान थे जिन्होंने विशेषकर टेस्ट क्रिकेट में उन्हें सफल बनाने में मदद की।

श्रीलंका को 15 रन से पांचवां मैच हराया, कप्तान हरमनप्रीत की फिफ्टी

इंडिया विमेंस ने तीसरी बार 5-0 से टी-20 सीरीज जीती

तिरुवनंतपुरम, 30 दिसंबर। इंडिया विमेंस ने श्रीलंका को पांचवें टी-20 में 15 रन से हराकर सीरीज 5-0 से जीत ली। टीम ने तीसरी बार 5-0 के अंतर से टी-20 सीरीज जीती, इससे पहले टीम वेस्टइंडीज और बांग्लादेश को भी इसी अंतर से हरा चुकी है।

तिरुवनंतपुरम में मंगलवार को श्रीलंका ने बॉलिंग चुनी। भारत ने 7 विकेट खोकर 175 रन बनाए। श्रीलंका 7 विकेट के नुकसान पर 160 रन ही बना सकी। भारत के लिए कप्तान हरमनप्रीत कौर ने फिफ्टी लगाई। उन्होंने 43 गेंद पर 9 चौके और 1 छक्का लगाकर 68 रन बनाए। 15वें ओवर में भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने फिफ्टी पूरी की। उन्होंने 35 बॉल पर हाफ सेंचुरी पूरी की। हरमन ने इस ओवर में चमारी अटापट्टू की बॉल पर लगातार दो चौके लगाए। इसी ओवर में टीम इंडिया ने 100 रन का आंकड़ा भी पार कर लिया।

अरुंधति रेड्डी ने 27 और अमनजोत कौर ने 21 रन बनाए। श्रीलंका से चमारी अटापट्टू, कविषा दिलहारी और रश्मिका सेवांदी ने 2-2 विकेट लिए। श्रीलंका ने दूसरे ही ओवर में कप्तान चमारी अटापट्टू का विकेट गंवा दिया। यहां से हसिनी परेरा और इमेशा दुलानी ने 79 रन की पार्टनरशिप की।

इमेशा 50 रन बनाकर आउट हुईं, यहां से श्रीलंकाई पारी संभल ही नहीं सकी और टारगेट से दूर रह गई। हसिनी परेरा ने 65 रन बनाए। भारत से श्री चरणी, स्नेह राणा, वैष्णवी शर्मा, दीप्ति शर्मा, अरुंधति रेड्डी और अमनजोत कौर ने 1-1 विकेट लिया। एक बैटर रन आउट भी हुईं।

जिस फॉर्मेट ने पहचान दी, उसका सम्मान करो : चैपल

मेलबर्न, 30 दिसंबर। ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच चौथा एशेज टेस्ट सिर्फ दो दिन में खत्म होने के बाद ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज ग्रेग चैपल ने कहा है कि दोनों टीमों को खेल के उस फॉर्मेट की इज़्जत करनी चाहिए जिसने उन्हें पहचान दी है। गौरतलब है कि यहां मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड पर खेला गया मुकाबला दूसरे दिन के तीसरे सत्र में खत्म हो गया। ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड के सामने 178 रन का लक्ष्य रखा, जिसे बेन स्टोक्स की टीम ने छह विकेट गंवाकर हासिल कर लिया। चैपल ने ईएसपीएन क्रिकइन्फो के लिये लिखे गये एक लेख में कहा, ''इतिहास के पन्नों में दर्ज मॉन्युमेंट्स मेन वे लोग हैं जो अतुल्य खज़ानों की रक्षा करते हैं। ये ऐसे महिला और पुरुष कलाकारों, इतिहासकारों, शिल्पकारों और संग्रहालय निदेशकों का का समूह था जिन्होंने दूसरे विश्व युद्ध के दौरान अपनी जान जोखिम में डालकर जंग में झोंके गये कला और शिल्प के शाहकारों की हिफाज़त की'' उन्होंने कहा, ''हमें एशेज को भी इसी तरह देखना चाहिए। सन 1877 में शुरू हुई 148 साल पुरानी यह दुश्मनी अब अपने 150 साल पूरे करने के बहुत करीब है। ऐसे में जब बॉक्सिंग डे टेस्ट सिर्फ दो दिन में खत्म हो जाता है तो मन में इस पवित्र विरासत के लिये डर पैदा होता है।'' चैपल ने कहा कि जो मैच टेस्ट क्रिकेट के सबसे बड़े आयोजन के वैभव की मिसाल बन सकता था, वह एक तमाशा बनकर रह गया। इस अनंत प्रतियोगिता में बंधे हुए दो देश इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया अपने दर्शकों को सिर्फ दो दिन का मुकाबला ही परोस सके। चैपल ने मैच के जल्दी खत्म होने के लिये पिच क्यूरेटर मैट पेज को ज़िम्मेदार ठहराने के बजाय बल्लेबाज़ों की कुशलता पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा, ''दोनों टीमों के बल्लेबाज़ ऐसे बिखर गए जैसे तेज हवा में पतझड़ के पत्ते। विकेट गुच्छों में गिरे। टीमों के स्कोर 200 भी पार न कर सके। एमसीजी में मौजूद 90,000 लोगों का मजमा उस यादगार मुकाबले से महरूम रह गया जिसका वह हकदार था।'' उन्होंने अपने लेख के अंत में कहा, ''मैं समझता हूं कि व्हाइट-बॉल क्रिकेट ने खेल को बदल दिया है और आज बाज़ार में दबाव झेलने की क्षमता से ज़्यादा ताकत को अहमियत दी जाती है, लेकिन अगर आधुनिक खेल के खिलाड़ी टेस्ट क्रिकेट को सच में अहमियत देते हैं, जैसा कि वे कहते हैं, तो उन्हें किसी भी परिस्थिति में कम से कम 100 ओवर तक मिलकर बैटिंग करके यह दिखाना होगा। अगर वे ऐसा नहीं कर सकते, या नहीं करेंगे, तो यह फॉर्मेट खत्म हो जाएगा।'' ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड अब पांचवें टेस्ट के लिये चार जनवरी से मैदान पर उतरेंगे। ऑस्ट्रेलिया इस सीरीज़ में 3-1 की अविजित बढ़त बना चुका है।

आर्चर व टंग इंग्लैंड के शुरुआती विश्व कप दल में शामिल

लंदन, 30 दिसंबर। जोफ्रा आर्चर को इंग्लैंड की 2026 टी20 विश्व कप के लिए 20-सदस्यीय प्रोविजनल टीम में शामिल किया गया है। वह फ़िलहाल बाएं तरफ़ की मांसपेशियों में खिंचाव से उबर रहे हैं, जिसके कारण वह तीसरे टेस्ट के बाद एशेज से बाहर हो गए थे। 15 सदस्यीय टीम में जॉश टंग को भी शामिल किया गया है, जिन्हें अंतरराष्ट्रीय सीमित ओवर क्रिकेट में अब तक डेब्यू नहीं मिला है। मुख्य कोच ब्रेंडन मैकुलम और सफ़ेद गेंद के कप्तान हैरी ब्रूक ने टंग को एक स्ट्राइक गेंदबाज के रूप में चुना है, जिन्हें उम्मीद है कि वह भारत और श्रीलंका में टूर्नामेंट के दौरान मिलने वाली सपाट पिचों पर प्रभावी साबित होंगे। जेमी स्मिथ को सफेद्र गेंद के सेट-अप से पूरी तरह बाहर कर दिया गया है। इंग्लैंड के नए साल की शुरुआत श्रीलंका के दौरे से होगी। बेन डकेट की वापसी हुई है, जो न्यूज़ीलैंड के ख़िलाफ तीन टी20 मैचों में नहीं खेल पाए थे और फ़िलहाल ऑस्ट्रेलिया दौरे पर टीम के साथ हैं।

एलिस पेरी और एनाबेल सदरलैंड निजी कारणों से डब्ल्यूपीएल से हटी

नई दिल्ली, 30 दिसंबर। ऑस्ट्रेलियाई स्टार एलिस पेरी और एनाबेल सदरलैंड ने निजी कारणों का हवाला देते हुए आने वाले महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल 2026) सीजन से अपना नाम वापस ले लिया है, जिससे टूर्नामेंट के चौथे एडिशन से पहले रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और दिल्ली कैपिटल्स को बड़ा झटका लगा है। पेरी, जो आरसीबी के लिए खेलने वाली थीं, और सदरलैंड, जिन्हें डीसी ने साइन किया था, उनकी जगह सायली सतघरे और अलाना किंग को शामिल किया गया है। सतघरे बेंगलुरु-बेस्ड फ्रेंचाइजी में अपने रिजर्व प्राइस 30 लाख रुपये में शामिल होंगी, जबकि किंग - जिन्होंने पिछले सीज़न में यूपी वॉरियर्ज का प्रतिनिधित्व किया था - को डीसी ने 60 लाख रुपये में टीम में शामिल किया है। ऑस्ट्रेलियाई लेग-स्पिनर कैपिटल्स की लाइन-अप में काफी अनुभव लेकर आती हैं, उन्होंने 27 टी 20 में 27 विकेट लिए हैं। पेरी का बाहर होना आरसीबी के लिए एक बड़ा झटका है।

घुटने की चोट के बाद अफरीदी बीबीएल से पाक लौटेंगे

एडिलेड, 30 दिसंबर। घुटने की चोट ने शाहीन शाह अफरीदी का बीबीएल में ब्रिस्बेन हीट के साथ सफर खत्म कर दिया है। पीसीबी ने उन्हें ऑस्ट्रेलिया से वापस बुला लिया है ताकि फरवरी-मार्च में भारत और श्रीलंका में होने वाले टी20 वर्ल्ड कप को ध्यान में रखते हुए वह अपना रिहैबिलिटेशन शुरू कर सकें। हीट के एक बयान में कहा गया है कि एडिलेड से टीम के लौटने के बाद अफरीदी का ''आगे रिव्यू किया जाएगा'', जहां वे बुधवार को एडिलेड स्ट्राइकर्स के खिलाफ अपना अगला मैच खेलेंगे, जिससे पता चलता है कि उस प्रक्रिया के बाद अफरीदी पाकिस्तान लौट सकते हैं। अफरीदी ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर लिखा,''मैं ब्रिस्बेन हीट टीम और फैंस का बहुत आभारी हूं कि उन्होंने मुझे इतना प्यार और सपोर्ट दिया। एक अप्रत्याशित चोट के कारण, मुझे पीसीबी ने वापस बुला लिया है और मुझे रिहैब करना होगा। उम्मीद है, मैं जल्द ही मैदान पर वापस आऊंगा। इस बीच, मैं इस शानदार टीम को चीयर करूंगा।'' हीट टॉम अलसोप (घुटने की चोट) और नाथन मैकस्वीनी (टखने की चोट) का भी इंतजार कर रही है, जिन्होंने ट्रेनिंग फिर से शुरू कर दी है।

टी-20 वर्ल्ड कप में ओमान टीम की कप्तानी करेंगे जसविंदर सिंह

मस्कट, 30 दिसंबर। जसविंदर सिंह भारत और श्रीलंका में होने वाले टी20 वर्ल्ड कप 2026 के लिए ओमान की 15 सदस्यीय टीम की कप्तानी करेंगे। जसविंदर को विनायक शुक्ला का साथ मिलेगा, जिन्हें टीम में उप-कप्तान बनाया गया है। ओमान आईसीसी पुरुष टी20 वर्ल्ड कप में अपनी चौथी भागीदारी में छाप छोड़ने की कोशिश करेगा। आने वाले एडिशन में, उन्हें ऑस्ट्रेलिया, श्रीलंका, आयरलैंड और जिम्बाब्वे के साथ ग्रुप बी में रखा गया है। ओमान ने आईसीसी एशिया-ईएपी क्वालिफायर के जरिए टूर्नामेंट में जगह बनाई, जहां वे नेपाल के बाद दूसरे स्थान पर रहे। आईसीसी की एक रिपोर्ट के अनुसार, एशियाई टीम 9 फरवरी को कोलंबो में जिम्बाब्वे के खिलाफ अपना अभियान शुरू करेगी। **टीम:** जसविंदर सिंह (कप्तान), विनायक शुक्ला, मोहम्मद नदीम, शकील अहमद, हम्माद मिर्ज़ा, वसीम अली, करण सोनावले, शाह फैसल, नदीम खान, सूफियान महमूद, जय ओडेदरा, शफीक जान, आशीष ओडेदरा, जितेन रामानंदी, हसनैन अली शाह।

सीजीएसटी मुंबई ने आशा देवी डागा टूर्नामेंट में आरसीए को हराया

जयपुर, 30 दिसंबर। आरसीए जयपुर ने 9 विकेट पर 117 रन बनाए, जिसमें लोकेश सैनी ने 27 रन बनाए। सीजीएसटी मुंबई की ओर से दीपक शेट्टी और यश चव्हाण ने 3-3 विकेट लिए। जवाब में सीजीएसटीमुंबई ने सागर मिश्रा के 26 रनों की मदद से 18.5 ओवर में लक्ष्य हासिल कर लिया। हिमांशु को मैन ऑफ द मैच घोषित किया गया। कृष्णा क्रिकेट अकादमी ने आशा देवी डागा टूर्नामेंट में पीआर पब्लिसिटी को हराया। पीआर पब्लिसिटी ने 10 विकेट पर 126 रन बनाए, जिसमें फूलचंद जांगिड़ ने 38 रन बनाए। आयुष गुर्जर और यश चौधरी ने 3-3 विकेट लिए। कृष्णा क्रिकेट अकादमी ने मात्र 12.1 ओवर में 131 रन बनाकर मैच जीत लिया। रवि शर्मा ने 37 रन और जितेंद्र यादव ने 39 रन बनाए। आयुष गुर्जर को मैन ऑफ द मैच घोषित किया गया।

सीसीआई विजय हजारे ट्रॉफी अंडर-16 विजय मर्चेंट ट्रॉफी : राजस्थान पहली पारी 184 ऑल आउट

जयपुर, 30 दिसंबर। राजस्थान क्रिकेट संघ की मेजबानी में जयपुर में खेली जा रही बीसीसीआई विजय हजारे टॉफी के कल दिनांक 31 दिसंबर 2025 को खेले जाने वाले मैच :
-सवाई मान सिंह स्टेडियम छत्तीसगढ़ - सिक्किम मैच, के एल सैनी स्टेडियम पंजाब - हिमाचल मैच, जयपुरिया ग्राउंड मुंबई - गोवा मैच, अनंतम ग्राउंड महाराष्ट्र - उत्तराखंड मैच, अहमदाबाद राजस्थान - केरल मैच, अंडर 16 विजय मर्चेंट ट्रॉफी में राजस्थान - बिहार के मध्य प्रदेश के मुरैना में खेले जा रहे मैच के दूसरे दिन का स्कोर :-राजस्थान पहली पारी 184 आल आउट, टीम के लिए शौर्य मेहरा नाबाद 51, यश शर्मा 40 रन। बिहार के गेंदबाज विवेक 51 / 6 व मनदीप 49 / 2 विकेट। बिहार पहली पारी 43 / 2, राजस्थान के गेंदबाज रोहन, शोभाग 1 - 1 विकेट।

मुंबई इंडियंस ने पूर्व ऑस्ट्रेलियाई लेग स्पिनर क्रिस्टन को नियुक्त किया स्पिन बॉलिंग कोच

मुंबई, 30 दिसंबर। मुंबई इंडियंस ने महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) 2026 के लिए पूर्व ऑस्ट्रेलियाई लेगस्पिनर क्रिस्टन बीम्स को अपना स्पिन-बॉलिंग कोच नियुक्त किया है। बीम्स 2014 से 2017 तक ऑस्ट्रेलिया के लिए तीनों फॉर्मेट खेल चुकी हैं। वह मुंबई के सपोर्ट स्टाफ में मुख्य कोच लिसा कीथली, गेंदबाज़ी कोच और मेंटर झूलन गोस्वामी, बल्लेबाज़ी कोच देविका पालशिकर और फील्डिंग कोच निकोल बोल्टन के साथ जुड़ेंगी। यह कीथली का भी मुंबई के साथ पहला सीजन होगा। वह पिछले तीन सीजन में दिल्ली कैपिटल्स के साथ काम कर चुकी हैं।

बीम्स ने मुंबई इंडियन्स की इंस्टाग्राम पोस्ट में कहा, ''झूलन गोस्वामी जैसी महान खिलाड़ी के साथ काम करना एक शानदार मौका है। (टीम की) संस्कृति शानदार है... उन्होंने इतने लंबे समय में एक जीतने की एक विचारधारा बनायी है। सबसे सुनने को मिलता है कि यह टीम एक-दूसरे के बहुत करीब है और एक परिवार की तरह है। आप इसका हिस्सा बनना चाहते हैं। मुझे लगता है कि एक कोच के तौर पर आप बिल्कुल यही करना चाहते हैं। आप एक ऐसे माहौल में जाना चाहते हैं जहां सब एक-दूसरे के करीब हों और एक ऐसी टीम बनाते हों जो जीतना जानती है।''

बीम्स ने एक टेस्ट, 30 वनडे और 18 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में ऑस्ट्रेलिया का प्रतिनिधित्व किया। वह साल 2015-16 से 2019-20 तक महिला बिग बैश लीग (महिला बीबीएल) में मेलबर्न स्टार्स के लिए भी खेलीं। इसके बाद उन्होंने महिला बीबीएल, द हंड्रेड और ऑस्ट्रेलिया अंडर-19 महिला टीम में कोचिंग की।

मुंबई ने अब तक हुए तीन डब्ल्यूपीएल सीजन में से दो जीते हैं। वह अगले सीजन की शुरुआत नौ जनवरी को 2024 की चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ करेगी। यह 28-दिवसीय टूर्नामेंट नवी मुंबई और वडोदरा में खेला जाएगा। यह पहली बार है जब डब्ल्यूपीएल जनवरी-फरवरी के महीने में खेला जाएगा। पहले तीन सीजन आईपीएल शुरू होने से ठीक पहले फरवरी-मार्च में खेले गए थे। मुंबई ने पिछले महीने नीलामी में ज़्यादातर उन्हीं खिलाड़ियों को रिटेन किया और वापस खरीदा जो पहले तीन सीजन में उनके लिए खेले थे।

फीफा, दुबई स्पोर्ट्स काउंसिल ने नये पुरस्कार समारोह के लिये की साझेदारी

दुबई, 30 दिसंबर। अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल महासंघ (फीफा) के अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो और दुबई स्पोर्ट्स काउंसिल (डीएससी) के अध्यक्ष शेख मंसूर बिन मोहम्मद बिन राशिद अल मकतूम ने दुबई में एक नए सालाना विश्व फुटबॉल पुरस्कार आयोजन के लॉन्च की घोषणा की है।

इस घोषणा के समय दुबई के क्राउन प्रिंस, संयुक्त अरब अमीरात के उप-प्रधानमंत्री और रक्षा मंत्री, और दुबई की कार्यकारी परिषद के अध्यक्ष शेख हमदान बिन मोहम्मद बिन राशिद अल मकतूम भी मौजूद रहे। यह इवेंट 2026 से शुरू होगा और एकमात्र आधिकारिक सालाना फीफा पुरस्कार समारोह बन जाएगा। इस समारोह में पिछले साल के बेहतरीन खिलाड़ियों, टीमों और इस खूबसूरत खेल की उपलब्धियों को सम्मानित किया जायेगा। यह घोषणा दुबई में चल रहे विश्व खेल सम्मेलन के दौरान की गयी। इसमें फीफा और डीएससी ने नयी साझेदारी की पुष्टि करने के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये। फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो ने कहा, ''हम दुबई के साथ हाथ मिलाकर खुश हैं। यह एक ऐसा शहर है जो फुटबॉल के लिए जीता है और हम इस विश्व स्तरीय इवेंट को विकसित कर रहे हैं।

महिला टी-20 रैंकिंग में चार पायदान चढ़ी शेफाली, मंधाना नंबर तीन पर बरकरार

दुबई, 30 दिसंबर। श्रीलंका के खिलाफ चल रही टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज में शानदार प्रदर्शन के बाद शेफाली वर्मा आईसीसी महिला टी20 रैंकिंग में चार पायदान चढ़कर छठे स्थान पर आ गयी हैं, जबकि उप-कप्तान और सलामी बल्लेबाज़ स्मृति मंधाना तीसरे स्थान पर बरकरार हैं। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की ओर से मंगलवार को जारी नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, शेफ़ाली 736 अंकों के साथ छठे पायदान पर हैं, जबकि मंधाना 767 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर बरकरार हैं। एक पायदान नीचे गिरने के बावजूद जेमिमा रॉड्रिग्ज़ (10वां पायदान) शीर्ष 10 में तीसरी भारतीय बल्लेबाज के तौर पर बरकरार हैं। शेफ़ाली अब तक सीरीज के चार मैचों में तीन अर्द्धशतकों के साथ 227 रन बटोर चुकी हैं और तालिका में शीर्ष पर काबिज ऑस्ट्रेलिया की बेथ मूनी से सिर्फ 60 अंक पीछे हैं भारतीय विकेटकीपर ऋचा घोष ने भी चौथे टी20 अंतरराष्ट्रीय में नाबाद 40 रन बनाकर रैंकिंग में 20वें पायदान पर जगह बना ली है। इस बीच, टी20 गेंदबाजों की रैंकिंग में रेणुका सिंह और श्री चरणी को सबसे ज़्यादा फायदा हुआ है। रेणुका ने श्रीलंका सीरीज के तीसरे मैच में टीम में वापसी करते हुए चार विकेट लिए और इसके नतीजे में टी20 गेंदबाजों की नवीनतम रैंकिंग आठ पायदान ऊपर चढ़कर छठे नंबर पर आ गयीं। बाएं हाथ की स्पिनर श्री चरणी ने श्रीलंका के खिलाफ शुरुआती चार मैचों में चार विकेट लिए और रैंकिंग में 17 पायदान चढ़कर कुल 52वें नंबर पर पहुंच गयी हैं। दीप्ति शर्मा इस लिस्ट में 738 अंकों के साथ शीर्ष पर बरकरार हैं।

सिडनी में इंग्लैंड के लिए टेस्ट नंबर 3 की भूमिका पक्की करना चाहते हैं बेथेल

लंदन, 30 दिसंबर। इंग्लैंड के युवा खिलाड़ी जैकब बेथेल मेलबर्न में अपने शानदार प्रदर्शन को आगे बढ़ाने और सिडनी में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आखिरी एशेज टेस्ट में एक और दमदार प्रदर्शन के साथ नंबर 3 की जगह पक्की करने का लक्ष्य बना रहे हैं। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) के अनुसार, बेथेल ने एमसीजी में बॉक्सिंग डे टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया पर इंग्लैंड की चार विकेट से जीत में अहम भूमिका निभाई, इस बोल्ड बाएं हाथ के खिलाड़ी ने अपनी उम्र से ज़्यादा धैर्य दिखाते हुए मैच की आखिरी इनिंग्स में कीमती 40 रन बनाए और अपनी टीम को जीत का टारगेट पार कराने में मदद की।

यह एशेज सीरीज में बेथेल का पहला मौका था क्योंकि मुख्य खिलाड़ी ओली पोप को शुरुआती तीन टेस्ट के लिए प्राथमिकता दी गई थी, जिनमें इंग्लैंड अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाया था, 22 साल के इस खिलाड़ी को 4 जनवरी को सिडनी में शुरू होने वाले सीरीज के आखिरी मैच में यह अहम जगह अपनी जगह बनाने का एक और मौका मिलने की संभावना है।

बेथेल ने कहा, ''मुझे तीन नंबर पसंद हैं। आप तब आते हैं जब बॉल नई होती है और कुछ सिनेरियो में बॉल हर तरफ जा रही होती है, लेकिन दूसरे सिनेरियो में जब बॉलर विकेट लेने की कोशिश कर रहे होते हैं और फील्ड अटैकिंग होती है तो स्कोर करने के मौके मिलते हैं, बहुत गैप होता है।''

बेथेल ने कहा, ''मुझे इसे अपनी पोजीशन कहने के लिए अभी भी बहुत कुछ करना है।मैं (इस जगह को अपना बनाना) चाहूंगा। मैं टीम में किसी भी रोल को पक्का करना चाहूंगा। अगर आप में हैं और जीत में योगदान दे रहे हैं तो मैं इससे काफी खुश हूं।'' बेथेल ने कहा कि रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के साथ इंडियन प्रीमियर लीग में उनके समय ने उन्हें मेलबर्न में बॉक्सिंग डे टेस्ट के बड़े स्टेज के लिए तैयार होने में मदद की क्योंकि उन्हें पहले भी बड़ी भीड़ के सामने खेलने का अनुभव था।

तीसरा जयपुर चेस क्लब रैपिड शतरंज प्रतियोगिता 3 से

जयपुर, 30 दिसंबर। जयपुर चेस क्लब के तत्वावधान में तीसरा जयपुर जिला शतरंज संघ रैपिड शतरंज प्रतियोगिता 2026 का आयोजन शनिवार, 3 जनवरी 2026 को किया जा रहा है। यह प्रतियोगिता जयपुर जिला शतरंज संघ द्वारा मान्यता प्राप्त है तथा जयपुर चेस अकादमी के सहयोग से आयोजित की जा रही है। टूर्नामेंट कोऑर्डिनेटर जिनेश कुमार जैन ने बताया कि प्रतियोगिता का आयोजन ब्राइट फ्यूचर सीनियर सेकेंडरी स्कूल, निर्माण नगर, जयपुर में किया जाएगा। प्रतियोगिता में सीमित प्रविष्टियाँ रखी गई हैं। इसमें 15 10 सेकंड समय नियंत्रण के साथ कुल 6 राउंड खेले जाएंगे। प्रतियोगिता में कुल 25,000 की नकद पुरस्कार राशि, 31 ट्रॉफी एवं मेडल प्रदान किए जाएंगे। जेडीसीए के वरिष्ठ उपाध्यक्ष विक्रम सिंह ने बताया कि प्रतियोगिता में ओपन वर्ग के साथ-साथ अंडर-7, अंडर-9, अंडर-11, अंडर-13, अंडर-15, महिला, वेटरन एवं जयपुर चेस अकादमी के खिलाड़ियों के लिए विशेष श्रेणियाँ रखी गई हैं। अंडर-7, 9 एवं 11 आयु वर्ग के सभी खिलाड़ियों को स्मृति चिन्ह प्रदान किए जाएंगे। सभी खिलाड़ियों को ई-प्रमाण पत्र प्रदान किए जाएंगे। प्रतियोगिता के दिन खिलाड़ियों की रिपोर्टिंग समय सुबह 9:40 बजे, खिलाड़ियों की बैठक 10:00 बजे तथा प्रथम राउंड 10:15 बजे प्रारंभ होगा। पुरस्कार वितरण समारोह शाम 5:15 बजे आयोजित किया जाएगा।

10 को राष्ट्रीय एथलीट फोरम का आयोजन करेगा भारतीय ओलंपिक संघ

नई दिल्ली, 30 दिसंबर। भारतीय खेलों में एथलीटों के नेतृत्व वाले शासन और जवाबदेही को मजबूत करने के लिए भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) 10 जनवरी 2026 को गुजरात के अहमदाबाद में पहले राष्ट्रीय एथलीट फोरम का आयोजन करेगा।

आईओए ने मंगलवार को इसकी घोषणा करते हुए कहा कि एथलीट फोरम इस बात का प्रमाण है कि वह सिर्फ सलाह-मशविरे से आगे बढ़कर यह सुनिश्चित करना चाहता है कि एथलीट उन नीतियों को आकार देने में सक्रिय और प्रभावशाली भूमिका निभाएं जो उनके करियर, कल्याण और भविष्य को प्रभावित करती हैं। यह फोरम देश भर के मौजूदा और पूर्व एथलीटों, एथलीट प्रतिनिधियों और प्रमुख हितधारकों को सीधी, समाधान-केंद्रित बातचीत के लिए एक साथ लाएगा।

आईओए अध्यक्ष डॉ. पीटी उषा ने इस पहल की घोषणा करते हुए कहा, ''भारत के खेल इतिहास में यह पहली बार है कि एथलीटों को सीधे शासन को प्रभावित करने के लिए एक समर्पित राष्ट्रीय फोरम के माध्यम से एक साथ लाया जा रहा है। एथलीटों की आवाज़ अब हाशिये पर नहीं रह सकती। यह फोरम एथलीटों के नेतृत्व वाले सुधार, जवाबदेही और साझा निर्णय लेने की दिशा में एक निर्णायक बदलाव का संकेत देता है।'' डॉ. उषा ने कहा, ''एथलीटों की गरिमा, सुरक्षा और भलाई की रक्षा किए बिना खेल में लगातार उत्कृष्टता असंभव है। यह फोरम यह स्पष्ट करता है कि एथलीटों का कल्याण नीति के केंद्र में है।

आईपीएल की तरह एवीआई शूटिंग बॉल लीग आयोजित होगी

जयपुर, 30 दिसम्बर। राजस्थान शूटिंग बॉल एसोसियेशन के अध्यक्ष दयानंद उपाध्याय के अनुसार एवीआई शूटिंग बॉल लीग का उद्देश्य भारत के हर कोने के खिलाड़ियों को एक समान अवसर देना है। गांव, गोदाम और शहरों में स्थित खिलाड़ियों को एक पेशेवर मंच मिले। इस लीग में कुल 8 टीम बनाई जाएगी। हर टीम में चुने गए खिलाड़ी होंगे जिसमें हम पूरे भारत में ट्रायल के जरिए चयन करेंगे। हर ट्रायल पूरी तरह से चौड़ाई और योग्यता पर आधारित होगा। जल्द ही विभिन्न राज्यों और शौचालयों में ट्रायल आयोजित करेंगे। हर जगह से सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों का चयन किया जाएगा और फिर से चुने गए सभी खिलाड़ियों को एक प्रशिक्षण शिविर में बुलाया जाएगा। दयानंद उपाध्याय ने बताया कि प्रशिक्षण शिविर के बाद खिलाड़ियों की नीलामी आयोजित की गई। प्रत्येक खिलाड़ी अपने प्रदर्शन और क्षमता के आधार पर आधार मूल्य और अंतिम मूल्य कंपनी द्वारा निर्धारित करेगा। हमारा उद्देश्य सम्मान और आर्थिक अवसर देना है। फाइनल के खिलाड़ियों की बीच लीग मैच आयोजित हो जाएंगे। सभी मैचों को लाइव ब्रॉडकास्ट करने की योजना है ताकि ज्यादा से ज्यादा लोग इस खेल से जुड़ सकें। आने वाले वर्षों में एवीआई शूटिंग बॉल लीग देश के प्रमुख प्रोफेशनल शूटिंग बॉल प्लेटफ़ॉर्म बनें, जहाँ से खिलाड़ी राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर तक पहुँचें।

ओ.एन. दीक्षित जिला बैडमिंटन प्रारम्भ : स्वर्गीय शांति मेहता स्कॉलरशिप की घोषणा

जयपुर, 30 दिसंबर। ओ एन दीक्षित जिला बैडमिंटन आज सुबह 10:00 बजे से सवाई मानसिंह स्टेडियम पर प्रारंभ हुआ। इसमें आज लगभग 350 मैच खेले गए सबसे आकर्षक मैच लड़कों के अंदर 13 वर्ग में हिमाक्ष ने दूसरी वरीयता प्राप्त सिद्धांत सिंह को हरा धमाका किया बाकी सभी वरीयता प्राप्त खिलाड़ी अपने अगले राउंड में पहुंचे। लड़कों के अंडर 11 एकल में वरीयता प्राप्त नैतिक बंसल लक्षित रेवार सहित 16 खिलाड़ी तीसरे राउंड में पहुंचे वहीं लड़कियों के अंडर 11 एकल में प्रथम वरीयता प्राप्त राशि सिघल व रूहानी यादव सहित 16 खिलाड़ी प्री क्वार्टर में पहुंचे। बॉयज सिंगल्स में जहां सिद्धांत सिंह की दूसरी वरीयता को ही हिमाक्ष ने धवस्त किया वही प्रथम वरीयता अनीश चाहर सहित 32 खिलाड़ी तीसरे राउंड में पहुंचे । बालिका वर्ग के अंडर 13 में प्रथम वरीयता की पदमजा व रेणुका बिश्नोई समेत 16 खिलाड़ी तीसरे राउंड में प्रवेश कर गए हैं।

आज सुबह मालवीय नगर विधायक कालीचरण सराफ व प्रधान आयकर निदेशक अन्वेषण अवधेश कुमार तथा पूर्व जी चीफ जस्टिस एन के जैन पंकज दीक्षित ने प्रतियोगिता का उद्घाटन किया इस मौके पर कालीचरण सराफ ने प्रतियोगिता की प्रथम शटल खेल प्रतियोगिता की शुरुआत की।

जिला सचिव मनोज दसोत के अनुसार अध्यक्ष अनिल मेहता व संरक्षक राजीव नागौरी ने अतिथियों की परिचय सभी खिलाड़ियों से कराया इस मौके परअध्यक्ष अनिल मेहता द्वारा अपनी माता जी के नाम से स्वर्गीय शांति मेहता स्कॉलरशिप प्रारंभ करने की घोषणा शांति मेहता राष्ट्रीय स्तरीय बैडमिंटन खिलाड़ी तथा जोधपुर फिजिकल एजुकेशन कॉलेज की प्रिंसिपल तथा राजस्थान यूनिवर्सिटी की फिजिकल डायरेक्टर रही थी। उन्होंने कहा अंडर आयु वर्ग 15 तथा अंडर-19 आयु वर्ग में बालक व बालिका वर्ग में चार खिलाड़ियों को प्रतिवर्ष 21000 रुपये स्कॉलरशिप दी जाएगी, आयोजन सचिव अतुल गुप्ता ने बताया कल सुबह 10:00 बजे से मैच प्रारंभ होंगे। कल बालक व बालिका वर्ग में अंदर 11, 13, 15, 17 के मैच खेले जाएंगे।

फैडरेशन कप वुशू प्रतियोगिता में राजस्थान वुशू टीम ने ओवर ऑल टीम चैम्पियनशिप में जीती उपविजेता की ट्रॉफी

जयपुर, 30 दिसम्बर। भारतीय वुशू संघ के तत्वावधान में दिनांक 24 से 30 दिसंबर 2025 तक राजनांदगांव, छत्तीसगढ़ में आयोजित हुई. 9वीं फेडरेशन कप वुशु प्रतियोगिता में राजस्थान वुशू टीम ने शानदार प्रदर्शन किया। हीरानन्द कटारिया अध्यक्ष, राजस्थान वुशू संघ ने बताया कि राजस्थान वुशू टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल 99 अंको के साथ ओवरआल टीम चैंपियनशिप में उपविजेता की ट्रॉफी पर कब्जा किया। तथा ममता वर्मा, महासचिव राजस्थान वुशू संघ के अनुसार शानशु महिला वर्ग टीम चैंपियनशिप में 33 अंको के साथ विजेता की ट्रॉफी तथा शानशु पुरुष वर्ग टीम चैंपियनशिप में 21 अंको के साथ उपविजेता की ट्रॉफी व तालू पुरुष वर्ग टीम चैंपियनशिप में 35 अंको के साथ उपविजेता की ट्रॉफी जीत राजस्थान प्रदेश का मान बढ़ाया। अध्यक्ष के अनुसार पदक विजेता खिलाडियों के विवरण इस प्रकार है-

स्वर्ण पदक विजेता: किरण पारीक, दिव्यांशी, सूर्याशी पडियार, सुनीता, दिव्या सोनी, ईशान शर्मा, हिमांगी नेगी, महिमा चौधरी, वैदेही पारीक, काव्या गुप्ता, लक्षिता, नव्या शर्मा, अल्मास खान, नविता, आराध्या सिंह सोलंकी, अभिमन्यु पारीक, ईश्वर सिंह, शुभम गोरा, कैफ मंसूरी, विकास यादव, सोनवीर, लोकेंद्र सिंह, जतिन कुमार, आनंद सैनी, गुलशन, योगेश चौधरी, तुषार जाट, देवांग सैनी, स्वरित पारीक, ऋधान बैनाड़ा, देव पारीक, मयंक, खुशदीप।

रजत पदक विजेता: अनु फोगाट, अभिजा शर्मा, खुशबू शर्मा, टीना, प्रियंशी गौतम, रियान्शी शर्मा, प्रसिद्धि शर्मा, कृतिका, नोजल, प्रेक्षा चौधरी, अशोक कुमार गुर्जर, गुरप्रीत सिंह, अशोक कुमार, ऋषभ जोशी, सचिन चौधरी, निखिल सेन, पारस कुमार, शिवम शर्मा, संदीप कुमार, कर्तव्य गुप्ता, विक्की, नवीन, कांस्य पदक विजेता:- नंदिनी नेगी अक्षी पंचोली, अनुजा फोगाट, रामनदीप, देविका सैनी, अर्चना, रिकेश, गार्गी शर्मा, त्रिलोक चंद, मानस थपलियाल, कार्तिक, मनविंदर सिंह, शौर्य वर्मा, हिमांक पाठक, सम्राट शर्मा, यशराज सिंह, भूपेश पाल यादव, पार्थ सैन, कवीश।

भजनलाल सरकार ने प्रदूषणकारी वाहनों के लिए वाहन स्क्रैपिंग नीति बनाई

मंत्रिमंडल ने एआई हब की स्थापना व रिफायनरी की संशोधित लागत को मंजूरी दी

जयपुर, 30 दिसम्बर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की अध्यक्षता में मंगलवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में आयोजित मंत्रिमण्डल की बैठक में प्रदेश में पर्यावरण सुरक्षा, हरित एवं टिकाऊ विकास को प्रोत्साहन देने, गवर्नेन्स, उद्योग, शिक्षा सहित, विभिन्न क्षेत्रों में आर्टिफिशल इंटेलिजेंस एवं मशीन लर्निंग के उत्तरदायी, नैतिक एवं सुरक्षित उपयोग को बढ़ावा देने के लिए नई नीतियों के अनुमोदन और कर्मचारी कल्याण से जुड़े कई महत्वपूर्ण फैसले किए गए।

उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा, संसदीय कार्यमंत्री जोगाराम पटेल एवं जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री कन्हैया लाल ने प्रेसवार्ता में बताया कि बजट वर्ष 2025-26 की घोषणा की अनुपालना में अनुमोदित राजस्थान वाहन स्क्रैपिंग नीति-2025 प्रदेश में सड़क पर चलने में अयोग्य एवं प्रदूषणकारी वाहनों को चरणबद्ध रूप से हटाकर उन्हें वैज्ञानिक, सुरक्षित एवं पर्यावरणीय मानकों के अनुरूप नष्ट करने के उद्देश्य से लाई जा रही है। इस नीति के अंतर्गत, राज्य में रजिस्टर्ड व्हीकल स्क्रैपिंग फैसिलिटीज़ (आरवीएसएफ) की स्थापना को बढ़ावा दिया जाएगा।

उपमुख्यमंत्री ने बताया कि सीओडी के आधार पर नए वाहन की खरीद पर मोटर वाहन कर में 50 प्रतिशत तक (अधिकतम 1 लाख रुपए) की छूट का लाभ भी मिल सकेगा। डॉ. बैरवा ने बताया कि कैबिनेट द्वारा अनुमोदित राजस्थान ए.आई. एम.एल. पॉलिसी-2026 प्रदेश को निवेश एवं नवाचार के उभरते केन्द्र के रूप में विकसित करने में सहायक सिद्ध होगी। संसदीय कार्यमंत्री जोगाराम पटेल ने बताया कि प्रदेश में वर्तमान सरकार के कार्यकाल में पचपदरा में निर्माणाधीन 9 मिलियन मैट्रिक टन वार्षिक क्षमता की रिफाइनरी सह पेट्रोकेमिकल कॉम्प्लेक्स परियोजना की स्थापना के कार्य में तेजी आई है और यह पूर्णता की ओर है।

संसदीय कार्यमंत्री ने बताया कि एचआरआरएल के द्वितीय संशोधित लागत मूल्य प्रस्ताव को कैबिनेट द्वारा

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

- पुराना वाहन स्क्रैप करने पर नये वाहन की खरीद पर मोटर वाहन कर में 50 प्रतिशत तक छूट मिलेगी
- वर्तमान सरकार के कार्यकाल में पचपदरा में निर्माणाधीन 9 मिलियन मीट्रिक टन की रिफायनरी के स्थापना कार्य में तेजी आई है और वह अब यह पूर्णता की ओर है।

खालिदा ज़िया के निधन पर खड़गे, राहुल ने जताया शोक

नयी दिल्ली, 30 दिसंबर। बंगलादेश की पूर्व प्रधानमंत्री और बंगलादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) की अध्यक्ष खालिदा ज़िया के निधन पर कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और पार्टी नेता राहुल गांधी ने शोक व्यक्त किया।

खड़गे ने सोशल मीडिया पर लिखा, ''कांग्रेस की ओर से मैं बंगलादेश की पूर्व प्रधानमंत्री बेगम खालिदा ज़िया के निधन पर गहरी संवेदना व्यक्त करता हूँ। अपने लंबे सार्वजनिक जीवन में उन्होंने देश की राजनीतिक यात्रा को दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने कहा, उनके परिवार, समर्थकों और बांग्लादेश की जनता के प्रति मेरी हार्दिक संवेदनाएँ।''

- खड़गे ने लिखा कांग्रेस पार्टी की तरफ से मैं बेगम खालिदा ज़िया के निधन पर गहरी संवेदना व्यक्त करता हूँ।

गांधी ने एक्स पर लिखा, ''बंगलादेश की पूर्व प्रधानमंत्री बेगम खालिदा ज़िया के निधन से दुखी हूं। सार्वजनिक जीवन में अपने लंबे करियर के दौरान, उन्होंने बंगलादेश की राजनीतिक यात्रा में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनके परिवार, समर्थकों और बंगलादेश के लोगों के प्रति मेरी हार्दिक संवेदनाएं।''

बांग्लादेश की पहली महिला प्रधानमंत्री खालिदा ज़िया का निधन

प्र.मंत्री मोदी ने बेगम ज़िया के निधन पर शोक जताया और 2015 में ढाका में उनके साथ हुई मुलाकात को याद किया

ढाका, 30 दिसंबर। बंगलादेश की पूर्व प्रधानमंत्री और तीन दशकों से अधिक समय तक देश की राजनीति में एक प्रभावशाली व्यक्तित्व रहीं बेगम खालिदा ज़िया का लंबी बीमारी के बाद मंगलवार को यहां निधन हो गया।

भारत के वर्तमान पश्चिम बंगाल के जलपाईगुड़ी में 1945 में जन्मी बेगम खालिदा ज़िया गत अगस्त में 80 वर्ष की हुई थीं। वे हृदय और फेफड़ों के गंभीर संक्रमण से जूझ रही थीं। उन्होंने ढाका के एवरकेयर अस्पताल में सुबह छह बजे अंतिम सांस ली, जहाँ पिछले पांच हफ्तों से उनका इलाज चल रहा था। बंगलादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) ने उनके निधन की पुष्टि करते हुए एक बयान में कहा, ''बीएनपी अध्यक्ष और पूर्व प्रधानमंत्री बेगम खालिदा ज़िया का आज सुबह 6:00 बजे, फज्र की नमाज के कुछ समय बाद निधन हो गया।'' उनका अंतिम संस्कार बुधवार को ढाका के मानिक मियां एवेन्यू में किया जाएगा।

बेगम ज़िया 1991 से 1996 तक और फिर 2001 से 2006 तक देश की प्रधानमंत्री रहीं। वे लोकतांत्रिक प्रक्रिया के माध्यम से इस पद को संभालने वाली देश की पहली महिला थीं। उनके पति जनरल ज़िया उर रहमान एक स्वतंत्रता सेनानी और देश के पूर्व सैन्य शासक थे। इसी महीने की शुरुआत में उनके बेटे तारिक रहमान लंबे समय के स्वघोषित निर्वासन के बाद फरवरी 2026 में होने वाले चुनावों के मद्देनजर

और अपनी बीमार मां के पास रहने के लिए 25 दिसंबर को ही ब्रिटेन से वापस लौटे थे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने खालिदा ज़िया के निधन पर दुख व्यक्त करते हुए कहा कि भारत बंगलादेश के बीच संबंधों में उनके योगदान को हमेशा याद रखा जाएगा। प्रधानमंत्री ने एक्स पर लिखा, ''बंगलादेश की पूर्व प्रधानमंत्री और बीएनपी अध्यक्ष बेगम खालिदा ज़िया के निधन के बारे में जानकर गहरा दुख हुआ। उनके परिवार और बंगलादेश के सभी लोगों के प्रति हमारी संवेदनाएं। बंगलादेश के विकास और भारत-बांग्लादेश संबंधों में उनके योगदान को हमेशा याद रखा जाएगा।'' मोदी ने 2015 में ढाका में उनके साथ हुई अपनी मुलाकात को भी याद किया।

बंगलादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस ने खालिदा ज़िया के निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए कहा है कि उनके निधन से देश ने एक अनुभवी और संरक्षक राजनेता को खो दिया है।

निर्वासन में भारत में रह रहीं बंगलादेश अवामी लीग की अध्यक्ष तथा पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने भी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा, ''राष्ट्र के लिए उनका योगदान महत्वपूर्ण था और उसे याद रखा जाएगा। उनका निधन बंगलादेश के राजनीतिक जीवन और बीएनपी के नेतृत्व के लिए एक बड़ी क्षति है।'' कभी खालिदा ज़िया की कट्टर प्रतिद्वंद्वी रहीं हसीना ने कहा, ''मैं बेगम खालिदा ज़िया की आत्मा की शांति और क्षमा के लिए प्रार्थना करती हूँ और उनके बेटे तारिक रहमान तथा उनके परिवार के प्रति अपनी सहानुभूति व्यक्त करती हूँ।''

- बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री भारत में रह रही निर्वासित नेता शेख हसीना ने भी खालिदा ज़िया के निधन पर दुख व्यक्त किया।
- खालिदा ज़िया के पुत्र रहमान जो लम्बे समय से लंदन में निर्वासित जीवन जी रहे थे हाल ही में बांग्लादेश लौटे हैं।

राहुल गांधी अपनी विदेश ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

किया, और अवीवा ने -''हां'' कहा। प्रियंका की एक 23 वर्षीय बेटी मिराया भी है।

यह माना जा रहा है कि उनकी शादी कुछ महीनों में हो सकती है।

अवीवा बेग और उनका परिवार दिल्ली में रहते हैं। उनके पिता इमरान बेग एक व्यवसायी हैं और उनकी मां नंदिता बेग एक इंटीरियर डिज़ाइनर हैं।

प्रियंका गांधी और नंदिता बेग पुरानी दोस्त हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, नंदिता बेग ने प्रियंका गांधी को कांग्रेस मुख्यालय, इंदिरा भवन के इंटीरियर डिज़ाइन में मदद की थी।

दोनों परिवार और उनके करीबी दोस्त आज सुबह रणथंभौर गए हैं, जहाँ वे नया साल मनाएंगे। राहुल गांधी, जो पहले विदेश जाने वाले थे, ने अपनी यात्रा रद्द कर दी और आज रणथंभौर पहुँचे।

सूत्रों से पता चला है कि कुछ समय पहले, एक निजी समारोह में कुछ समय पहले इन दोनों ने सगाई कर ली। रणथंभौर में और भी औपचारिक समारोह आयोजित होने की उम्मीद है, साथ ही वे राष्ट्रीय उद्यान में बाघों के दर्शन भी करेंगे।

रेहान और अवीवा दोनों ही फोटोग्राफी के शौकीन हैं और इस क्षेत्र में अपनी कला का अभ्यास करते हैं।

2021 में, जूनियर वाड्रा ने अपनी पहली व्यक्तिगत प्रदर्शनी डार्क पर्सेप्शन बीकानेर हाउस, नई दिल्ली में आयोजित की, जिसमें उन्होंने कल्पनाशील स्वतंत्रता का विषय उठाया। यह प्रदर्शनी उनकी आँख में चोट लगने के बाद, उनके रौशनी स्थान एवं समय के अनुभवों से प्रेरित थी। यह चोट उन्हें 2017 में एक स्कूल क्रिकेट मैच के दौरान लगी थी

रेहान ने बताया, ''मैंने अपनी आंख की चोट के बाद काले और सफेद फोटो पर अधिक काम करना शुरू किया; यह अनुभव था कि लोग चीजों को किस तरह से महसूस करते हैं और अंधेरे की अवधारणा का इस्तेमाल करके रोशनी की तलाश करते हैं।

फोटोग्राफी रेहान का बचपन का शौक रहा है, जिसे उनकी मां ने प्रोत्साहित किया। उनके दादा, पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी भी फोटोग्राफी के शौकीन थे, और जूनियर वाड्रा उनके काम का अध्ययन करते हैं।

यह याद किया जा सकता है कि कुछ साल पहले मीडिया में यह रिपोर्ट्स आई थीं कि राहुल गांधी ने आधिकारिक रूप से रेहान वाड्रा को अपने बेटे के रूप में गोद लिया है, क्योंकि राहुल खुद शादीशुदा नहीं हैं और वे अपनी बहन प्रियंका और उनके बच्चों के काफी करीब हैं।

अवीवा दिल्ली के प्रतिष्ठित मॉडर्न स्कूल से पढ़ी हैं और बाद में उन्होंने ओपी जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी से मीडिया कम्युनिकेशन और जर्नलिज़्म में डिग्री हासिल की।

वे अपनी मां की तरह एक इंटीरियर डिज़ाइनर हैं, और साथ ही एक फोटोग्राफर और निर्माता भी हैं, जैसा कि उनके इंस्टाग्राम बायो में बताया गया है। उनका कहना है कि वे सामाजिक मुद्दों के बारे में जागरूकता फैलाना चाहती हैं और अपनी फोटोग्राफी के माध्यम से समाज में सकारात्मक बदलाव लाना चाहती हैं

पिछले कुछ वर्षों में, उन्होंने कई प्रदर्शनियों में अपनी कला का प्रदर्शन किया है, जिनमें ''यू कैन नॉट मिस दिस'' (इंडिया आर्ट फेयर, 2023) और ''द इल्यूज़री वर्ल्ड'' (2019) शामिल हैं।

- सगाई पार्टी, रणथंभौर के शेर बाग होटल में ठहरी है तथा 2 जनवरी तक वहीं रहेगी।
- रेहान व अवीवा दोनों का पैशन है, ''फोटोग्राफी''। अवीवा ने दिल्ली के प्रतिष्ठित मॉडर्न स्कूल से अपनी प्रारंभिक पढ़ाई पूरी की है तथा उसके बाद मीडिया कम्युनिकेशन एण्ड जर्नलिज़्म की शिक्षा पाई है, ओपी जिंदल ग्लोबल युनिवर्सिटी में।

पुतिन के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सोमवार सुबह फोन पर बातचीत के दौरान इस कथित हमले के बारे में जानकर वे ''बहुत गुस्से में'' थे।

ट्रंप ने पत्रकारों से कहा ''यह एक बात है कि हमला किया जाए,'' लेकिन उनके घर पर हमला किया जाए, यह अलग बात है। यह ऐसा समय नहीं है, जब ऐसी कोई कार्रवाई की जाए। और मैंने आज सुबह राष्ट्रपति पुतिन से इसके बारे में सुना। मुझे इस पर बहुत गुस्सा आया।''

ट्रंप की यह टिप्पणी रविवार को फ्लोरिडा में राष्ट्रपति ज़ेलेन्स्की के साथ हुई उनकी बैठक के बाद आई। उक्त बैठक के बाद उन्होंने कहा था कि दोनों पक्ष ''काफी करीब आ चुके हैं, शायद बहुत करीब'' हैं, युद्ध समाप्त करने के लिए एक समझौते पर पहुंचने के लिए।

'कांस्टेबल ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कहा गया कि उसकी ऊंचाई 150.2 सेमी और वजन 45.95 किलोग्राम मापा गया, जबकि उसकी वास्तविक ऊंचाई 152 सेमी और वजन 49.12 किलोग्राम है। याचिका में कहा गया कि विभाग की ओर से उसकी ऊंचाई और वजन को गलत मापने के कारण उसे भर्ती प्रक्रिया से बाहर कर चयन से वंचित कर दिया गया है। ऐसे में निष्पक्ष मेडिकल बोर्ड से उसका पुन: मेडिकल कराया जाए और उसे कांस्टेबल पद पर नियुक्ति दी जाए। याचिका पर सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने एसएमएस अस्पताल अधीक्षक को पुन: मेडिकल करने के निर्देश देते हुए संबंधित अधिकारियों से जवाब तलब किया है।

इंडिगो को ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ही कंपनी द्वारा लिये गये इनपुट टैक्स क्रेडिट को भी अवैध बताया गया है। एयरलाइंस ने पुख्ता विश्वास जताया है कि जीएसटी विभाग द्वारा जारी आदेश ''त्रुटिपूर्ण और कानून के खिलाफ'' है।

राष्ट्रपति मुर्मू ने मद्रास विश्वविद्यालय बिल लौटाया

राष्ट्रपति के इस फैसले को तमिलनाडु की स्टालिन सरकार के लिए झटका माना जा रहा है

चेन्नई, 30 दिसंबर। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मद्रास विश्वविद्यालय विधेयक को वापस लौटा दिया है, जिसे एम.के. स्टालिन सरकार के लिए एक झटके के रूप में देखा जा रहा है।

तमिलनाडु विधानसभा द्वारा पारित इस विधेयक का उद्देश्य राज्य संचालित मद्रास विश्वविद्यालय में कुलपतियों को नियुक्त करने और उन्हें हटाने की शक्तियों को राज्यपाल से छीनना था। तमिलनाडु विधानसभा ने अप्रैल 2022 में इस विधेयक को पारित कर राष्ट्रपति की मंजूरी के लिए भेजा था, जिसका लक्ष्य 168 साल पुराने इस विश्वविद्यालय का नियंत्रण अपने हाथ में लेना था। उल्लेखनीय है कि पिछले दो वर्षों से अधिक समय से यह विश्वविद्यालय बिना किसी कुलपति के चल रहा है।

राष्ट्रपति ने तमिलनाडु विधानसभा द्वारा पारित इस विधेयक को पुनर्विचार के लिए अब वापस विधायिका के पास भेज दिया है। यह विधेयक मद्रास विश्वविद्यालय अधिनियम में संशोधन करने का प्रयास करता है, जिसके तहत अधिनियम में कुलाधिपति शब्द को सरकार से बदलकर कुलपति नियुक्त करने और हटाने की शक्ति राज्यपाल से राज्य सरकार को हस्तांतरित की जानी है। राज्यपाल आर.एन. रवि ने इसे राष्ट्रपति के पास तब भेजा था, जब राज्य सरकार ने उच्चतम न्यायालय का रुख किया था, क्योंकि राज्यपाल इस विधेयक को मंजूरी देने में अत्यधिक देरी कर रहे थे। यह विधेयक उन विधेयकों के समूह में पहला था, जिन्हें सदन में राज्य संचालित विश्वविद्यालयों के कुलपतियों की नियुक्ति और उन्हें हटाने की राज्यपाल की शक्तियों को छीनने और वह शक्ति राज्य सरकार (मुख्यमंत्री) को सौंपने के लिए पारित किया गया था। यह विवाद तब शुरू हुआ था, जब राज्यपाल ने कुलपति चयन पैनल में राज्यपाल, सरकार और विश्वविद्यालय के नामांकित व्यक्तियों के अलावा, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के एक प्रतिनिधि को शामिल करने पर जोर दिया था।

- इस बिल में कुलपति को नियुक्त करने व हटाने की शक्ति राज्यपाल से छीनकर राज्य सरकार को देने का प्रावधान है।
- तमिलनाडु के राज्यपाल आर.एन. रवि ने भी इसे मंजूरी नहीं दी थी तब स्टालिन सरकार सुप्रीम कोर्ट तक चली गई थी।

दिल्ली में भारी ठंड और प्रदूषण की मार

नयी दिल्ली, 30 दिसंबर। दिल्लीवासियों को मंगलवार सुबह ठंड और प्रदूषण से कोई राहत नहीं मिली और राष्ट्रीय राजधानी में मंगलवार सुबह का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) बहुत खराब श्रेणी में था, जिससे कई लोगों को आसानी से सांस लेने में परेशानी महसूस हुई। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार, आज सुबह लगभग नौ बजे राष्ट्रीय राजधानी का एक्यूआई स्तर 389 था, जो अत्यंत खराब श्रेणी में आता है, जबकि आनंद विहार, अशोक विहार, चांदनी चौक, जहांगीपुरी, नेहरू नगर, नॉर्थ कैंपस, रोहिणी और वजीरपुर सहित कई स्थानों पर एक्यूआई स्तर 400 से ऊपर दर्ज किया गया, जो गंभीर श्रेणी में आता है। भारतीय उष्णकटिबंधीय मौसम विज्ञान संस्थान के अनुसार, मंगलवार और बुधवार को एक्यूआई बहुत खराब श्रेणी में रहने का अनुमान है।

- मौसम विभाग ने बुधवार और गुरुवार को हालात और बिगड़ने की चेतावनी दी।

राहुल गांधी से ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

स्थिति का इस्तेमाल कर सचिन पायलट को पीसीसी अध्यक्ष बनने से रोकें और डोटासरा को ही इस पद पर बनाए रखें।

बताया जाता है कि पार्टी के शीर्ष स्तर पर वेणुगोपाल राहुल गांधी से अपनी ज़नदीकी का इस्तेमाल कर अपना एजेंडा चला रहे हैं और अपनी मर्जी के हिसाब से नेताओं को बढ़ावा दे रहे हैं या उन्हें नीचा दिखा रहे हैं। राहुल गांधी पार्टी और संगठन के छोटे-छोटे मामलों में दखल नहीं देते हैं और उन्होंने लगभग पूरी पार्टी के सी वेणुगोपाल को सौंप दी है।

इससे मल्लिकार्जुन खड़गे, सोनिया गांधी, प्रियंका गांधी और कई अन्य नेता नाराज हैं,'' जिससे राहुल गांधी दबाव में आ गए हैं।

नए साल में ऐसा बहुत कुछ देखने को मिल सकता है।

दिल्ली में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

परिचालन शुरू कर दिया गया था।

कैट-3 की प्रक्रिया के दौरान जो विमान और चालक दल के सदस्य कैट-3 के लिए योग्य हैं, वही लैंडिंग और टेकऑफ कर सकते हैं।

कैट-3 उपकरण समर्थित लैंडिंग और टेकऑफ की सबसे उन्नत सुविधा है, जिसका इस्तेमाल बेहद घने कोहरे की स्थिति में किया जाता है।

ताइवान सीमा पर चीन का भारी सैन्य अभ्यास

ताइपे, 30 दिसंबर। ताइवान के आसपास के हवाई क्षेत्र और समुद्री क्षेत्र में मंगलवार सुबह तक चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) के 130 विमान, 14 नौसैनिक जहाज और आठ सरकारी जहाज देखे गये हैं।

ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने बताया कि इन विमानों में से 90 विमान ताइवान जलडमरूमध्य की मध्य रेखा को पार कर ताइवान के उत्तरी, मध्य, दक्षिण-पश्चिमी और पूर्वी वायु रक्षा पहचान क्षेत्रों (एडीआईजेड) में प्रवेश कर गये। इन गतिविधियों के मद्देनजर ताइवान के अधिकारियों ने एक आपातकालीन परिचालन केन्द्र स्थापित किया है और वे हाई अलर्ट पर हैं।

यह ताज़ा गतिविधि चीन द्वारा सोमवार को शुरू किये गये बड़े पैमाने के संयुक्त सैन्य अभ्यास के बीच सामने आई है। जस्टिस मिशन 2025 कोड नाम वाले इस अभ्यास में सेना, नौसेना और वायु सेना शामिल हैं। चीन का कहना है कि यह अभ्यास ताइवान की स्वतंत्रता चाहने वाली अलगाववादी ताकतों और विदेशी हस्तक्षेप के खिलाफ एक चेतावनी है।

चीन के कोस्ट गार्ड ने दो अन्य क्षेत्रों पर अपना दावा किया है, जबकि ताइवानी इंटेलिजेंस के डिप्टी चीफ ऑफ जनरल स्टाफ लेफ्टिनेंट जनरल हिसएह जिह-शेंग ने कहा कि चीन के पांच क्षेत्र ताइवान की 12-नॉटिकल मील (22 किमी) की क्षेत्रीय समुद्री सीमा के भीतर आते हैं।

- अमेरिकी सीनेटर रोजर विकर ने चेतावनी दी कि चीन असल में ताइवान पर हमले की तैयारी कर रहा है
- ताइवान ने चीन के सैन्य अभ्यास पर चिंता जताई पर कहा कि चीन का हमला हुआ तो ताइवान जवाब देने को तैयार है।

1943 में 30 दिसंबर को ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बहुसंख्यक समुदाय को लुभाने के लिए वे खुले तौर पर कुछ हिंदू कार्यक्रमों का सहारा ले रही हैं।

आज कोलकाता में एक सभा को संबोधित करते हुए केन्द्रीय गृह मंत्री और भाजपा नेता अमित शाह ने कहा कि तृणमूल कांग्रेस 2011 से राज्य पर शासन कर रही है और इस दौरान उसने बंगाल को पूरी तरह तबाह कर दिया है। तृणमूल शासन में डर, धमकी, कुशासन और सीमा पार से घुसपैठ को बढ़ावा मिला है।

भाजपा नेता ने अपने भाषण का मुख्य मुद्दा घुसपैठ को बनाया, जो बंगाल के दूसरे हिस्से में हो रही घटनाओं के कारण बेहद संवेदनशील हो गया है। बांग्लादेश में हिंदुओं की लिंचिंग, उन पर लगातार हमले और पड़ोसी देश की अस्थिर स्थिति से सीमावर्ती राज्य अनजान नहीं रह सकता।

मामले अब और भी जटिल हो गए हैं, क्योंकि कुछ बांग्लादेशी नेताओं ने एक ग्रेटर बंगाल बनाने के लिए देश के कुछ हिस्सों को जबरन लेने की बात कही है। भले ही यह बात हास्यस्पद थी, लेकिन इस बयानबाजी को नज़रअंदाज नहीं किया गया और बनर्जी ने भी इस पर प्रतिक्रिया दी, जिसे मुसलमानों ने पसंद नहीं किया।

शाह ने कहा कि पिछले पंद्रह वर्षों में इतनी भारी घुसपैठ हुई है कि यह अब केवल राज्य की चिंता का विषय नहीं रह गया है, बल्कि पूरे देश की सुरक्षा पर इसका असर पड़ रहा है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि भाजपा की सरकार बनने पर न केवल घुसपैठ रोकी जाएगी, बल्कि ममता बनर्जी के शासन में घुसे सभी लोगों की पहचान कर उन्हें वापस भेजा जाएगा। उनका कहना था कि भ्रष्टाचार और जबरन वसूली सत्तारुढ़ तृणमूल कांग्रेस के बंगाल प्रशासन का पर्याय बन चुके हैं, जिससे राज्य का विकास रुक गया है। भाजपा सरकार इस प्रक्रिया को पलट देगी और राज्य के विकास के रास्ते खोलेगी।

नतीजा यह है कि आज बंगाल आर्थिक प्रगति और विकास की कमी से जूझ रहा है, जबकि देश के बाकी हिस्से तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने भरोसा दिलाया कि अगले साल अप्रैल में चुनाव के बाद जब भाजपा सत्ता में आएगी तो राज्य में तेज विकास होगा।

बांग्लादेश की स्थिति राज्य में खास तौर पर संवेदनशील माहौल बना रही है। अल्पसंख्यकों के साथ बदसलूकी और डराने-धमकाने की खबरें आ रही हैं। इसके अलावा बांग्लादेश अब सिलीगुड़ी के पास उत्तर-पूर्वी राज्यों को जोड़ने वाले पतले भूभाग, जिसे ''चिकन्स नैक'' कहा जाता है, को लेकर खुले तौर पर भड़काऊ बयान दे रहा है।

बांग्लादेश ने दावा किया है कि वह इस गलियारे पर कब्जा कर उत्तर-पूर्व को देश के बाकी हिस्सों से काट देगा। उत्तर-पूर्वी राज्यों के कुछ नेताओं ने भी इस अशांत माहौल में कड़े जवाब देने शुरू कर दिए हैं।

कुल मिलाकर राज्य राजनीतिक और सुरक्षा से जुड़ी अनिश्चितताओं की ओर बढ़ रहा है और इससे पूरी तरह से नए समीकरण बन रहे हैं।

- बांग्लादेश में हिंदुओं के साथ खुल्लम-खुल्ला मारपीट व हत्या व आगजनी की घटनाओं के कारण, बांग्लादेशियों के घुसपैठियों का मामला, जनता की दुखती नब्ज को समझ में आ रहा है और ममताजी पहली बार घुसपैठियों को खुला प्रश्रय व समर्थन देने में कतरा रही हैं।
- राजनीतिक स्थिति उलझी हुई है तथा और उलझती जा रही है, ऐसे में आगामी अप्रेल में होने वाले इलैक्शन में चुनावी संघर्ष काफी गंभीर होगा तथा पहली बार ममताजी पर गाज गिर सकती है।

खालिदा ज़िया के अंतिम संस्कार में शामिल होंगे जयशंकर

नयी दिल्ली, 30 दिसम्बर। विदेश मंत्री डा. एस. जयशंकर बंगलादेश की पूर्व प्रधानमंत्री बेगम खालिदा ज़िया के अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए बुधवार को बंगलादेश जाएंगे। विदेश मंत्रालय ने मंगलवार को यह जानकारी दी। दोनों देशों के बीच हाल के घटनाक्रमों को देखते हुए डा. जयशंकर के बेगम ज़िया के अंतिम संस्कार में भाग लेने को महत्वपूर्ण कदम के रूप में देखा जा रहा है।

- विदेश मंत्रालय ने बताया कि विदेश मंत्री जयशंकर बुधवार को बांग्लादेश जाएंगे मौजूदा हालात में यह बड़ा कदम माना जा रहा है।

सिंधु जल विवाद पर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मंजूरी मिलने से निर्माण कार्य शुरू होने का रास्ता साफ हो गया है और इसकी अनुमानित लागत 3,200 करोड़ रुपये बताई गई है।

दुलहस्ती स्टेज-2 की योजना मौजूदा 390 मेगावाट की दुलहस्ती स्टेज-1 परियोजना के विस्तार के रुप में बनाई गई है, जिसे 2007 में शुरू किया गया था। नई योजना के तहत, स्टेज-1 स्टेशन से 3,685 मीटर लंबी सुरंग के जरिये पानी का बहाव मोड़ा जाएगा। सिंधु जल संधि को स्थगित रखने के फैसले के बाद, भारत ने सिंधु बेसिन में कई जलविद्युत परियोजनाओं के निर्माण की योजनाएं तेज कर दी हैं, जिनमें रैटल, बर्सर, पकल दुल, क्वार, किरु, कीर्थल-1 और 2 तथा सावलकोट स्थित परियोजनाएं शामिल हैं। भारत ने सावलकोट को राष्ट्रीय महत्व की परियोजना घोषित किया है।

चूँकि पाकिस्तान की कृषि सिंधु नदी के पानी पर काफी निर्भर है, इसलिये इस्लामाबाद ने आरोप लगाया है कि भारत ''पानी को हथियार बना रहा है'' और चेतावनी दी है कि भारत द्वारा पानी के बहाव को रोकने वाला कोई भी कदम ''युद्ध जैसा कदम'' माना जाएगा। बाद में पाकिस्तान ने भारत से संधि बहाल करने और शर्तों को फिर से तय करने के लिए संवाद का प्रस्ताव भी रखा। उसने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद को पत्र लिखकर भारत पर पानी को हथियार के रुप में इस्तेमाल करने का आरोप लगाया है। इस्लामाबाद का दावा है कि भारत द्वारा सिंधु के पानी को अचानक रोकने और छोड़ने से जल प्रवाह में भारी गिरावट आई है, जिससे बुवाई के अहम मौसम में खेती के लिये संकट पैदा हो गया है। उसने चेतावनी दी है कि यदि इन जीवनरेखाओं (नदियों) में लंबे समय तक रुकावट आई तो इससे देश की खाद्य सुरक्षा और लोगों की आजीविका पर गहरा असर पड़ेगा और इसे ''गंभीर और शत्रुतापूर्ण कार्यवाही'' माना जाएगा।

- सिंधु जल संधि खत्म होने के बाद से भारत ने चेनाब, झेलम व सिंधु पर कई तरह के प्रोजेक्ट्स शुरु करने की योजना बनाई है, ताकि पाकिस्तान जाने वाले पानी को रोका जा सके।

सेना के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हल्का, ट्विन-इंजन वाला बहु-उद्देशीय हेलीकॉप्टर है।

ध्रुव एनजी में आम नागरिक भी सफर कर सकते हैं। इसमें सुरक्षा के लिए कई नए फीचर जोड़े गए हैं। इनमें क्रैशवर्थी सीटें, सेल्फ-सीलिंग फ्यूल टैंक और ट्विन-इंजन सेटअप शामिल है।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा मैसर्स अरावली प्रिन्टर्स, राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर (राजस्थान) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 65015/96, जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34 फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908